RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 287
फरीदाबाद, रविवार, 29 नवंबर, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए
YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

अक्षय कुमार के साथ बच्चन पांडेय में नजर आएंगे अरशद वारसी
फिल्मी-10

TARUN JEWELLERS
TODAY BIS HALLMARK
92% Gold Rate ₹ 45,950/-
76% Gold Rate ₹ 39,890/-
BIRTHSTONES AVAILABLE
Making Charges 8%
100% BUY BACK + EXCHANGE
Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD
9990032798, 9990032657

ANIL GENERATOR
SILENT GENERATOR
on Hire 62 KVA to 1250 KVA
Sale-Purchase of Old Generator
Surendra Kapoor, Prop.
Add.: 20/6, Mathura Road, Nuchem compound Faridabad
Ph. 0129-4873365,
Mob.: 9811056365, 9311056365
Email : anil.kapoor74@yahoo.com
surendra.kapoor@gmail.com

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 24.09°C
न्यूनतम 10.01°C

क्विक न्यूज

पीएम ने किया पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट का दौरा

नई दिल्ली। अहमदाबाद और हैदराबाद में कोरोना वैक्सीन प्लांट का दौरान करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुणे में कोवीशील्ड बनाने वाले सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) पहुंचे हैं। इससे पहले, उन्होंने अहमदाबाद और हैदराबाद में अलग-अलग कंपनियों के वैक्सीन प्लांट का दौरा किया था। हैदराबाद में मोदी ने स्वदेशी वैक्सीन 'कोवैक्सिन' बना रही कंपनी भारत बायोटेक के वैज्ञानिकों को ट्रायल की कामयाबी के लिए बधाई दी। मोदी ने कहा, उनकी टीम आईसीएमआर के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि इसकी प्रोसेस में तेजी आ सके।

कांग्रेस में पवन कुमार बंसल बने कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली। सोनिया गांधी ने वरिष्ठ नेता और मनमोहन सिंह सरकार में रेल मंत्री रहे पवन कुमार बंसल को तत्काल प्रभाव से पार्टी का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। इससे पहले दिवंगत नेता और पूर्व सांसद अहमद पटेल इसकी जिम्मेदारी संभाल रहे थे। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बंसल को अंतरिम उपाय के तौर पर कोषाध्यक्ष की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है। वे पहले से ही पार्टी प्रशासन के प्रभारी का कार्यभार संभाल रहे हैं। शांत, सौम्य रहने वाले पवन कुमार बंसल तेज तर्रार नेताओं में गिने जाते हैं।

कोरोना मीटर

विश्व	
कुल	61,802,576
मौतें	1,445,666
ठीक	39,588,630
भारत	
कुल	93,72,854
मौतें	136,469
ठीक	87,81,320

स्रोत: www.covid19india.org

हलधरों का आंदोलन : सीएम खट्टर ने कहा

आंदोलन में खालिस्तान कनेक्शन का इनपुट

केंद्रीय कृषि मंत्री ने बातचीत के लिए तीन दिसंबर की तारीख दी

तय स्थान पर पहुंचें किसान तुरंत बातचीत को तैयार : शाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश की खुफिया एजेंसी (आईबी) हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर के इस बयान के बाद हरकत में है कि किसान आंदोलन में खालिस्तान कनेक्शन का इनपुट मिला है। हरियाणा की गुप्तचर एजेंसी ने यह इनपुट सीएम हरियाणा को दिया है। इस इनपुट के सीआईडी चीफ आलोक मित्तल की टीम और ज्यादा सतर्क हो गई है।

दरअसल, आलोक मित्तल नेशनल इनवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) में भी लंबे वक्त तक रहे हैं। लिहाजा, किसान आंदोलन में असामाजिक तत्वों की खुराफात पर नजर रखने को केंद्र सरकार की ओर से एनआईए भी सतर्क है। सिंघु बॉर्डर पर आंदोलनरत किसानों ने बॉर्डर पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। इस बीच गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर कहा कि भारत सरकार प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत के लिए तैयार है। भले ही कृषि मंत्री ने 3 दिसंबर को बातचीत के लिए किसानों को आमंत्रित किया है। सरकार हर समस्या और किसानों की मांग पर बात और विचार के लिए पूरी तरह से तैयार है। शाह ने आगे कहा कि अगर किसान 3 दिसंबर से पहले बातचीत करना चाहते हैं, तो मैं उन्हें भरोसा दिलाना चाहता हूं। आप अपने प्रदर्शन को तय स्थान पर शिफ्ट करें और अगले ही दिन सरकार आपकी हर समस्या का समाधान करने के लिए बातचीत करेगी।

दरअसल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने शनिवार को मीडिया को अवगत कराया कि किसान आंदोलन में खालिस्तान समर्थकों की मौजूदगी का पता चला है। खट्टर ने कहा, भीड़ में उपद्रवियों के शामिल होने का इनपुट मिला है। वीडियो में वे लोग नारा लगा रहे थे, जब इंदिरा गांधी को ये कर सकते हैं, तो मोदी को क्यों नहीं कर सकते। हमारे पास पूरी रिपोर्ट है। जैसे ही जानकारी पुख्ता होगी, हम इसका खुलासा करेंगे। उधर, पुलिस ने किसान आंदोलन को लेकर अब एफआईआर भी दर्ज करनी शुरू कर दी है।

दिल्ली के दरवाजे पर डटे अन्नदाता: आंदोलित अन्नदाता शनिवार को भी दिल्ली बॉर्डर (सिंघु और टीकरी) पर डटे हैं। हालांकि सिंघु पर शुक्रवार को हुए संघर्ष के बाद के इन्हें दिल्ली में एंट्री की इजाजत सरकार ने दे दी थी। साथ ही इन्हें प्रदर्शन के बुराड़ी के निकट संत निरंकारी ग्राउंड भी सौंप दिया था, लेकिन किसान यूनियनें जंतर-मंतर या रामलीला मैदान में प्रदर्शन करना चाहती है।

पानीपत में किसानों पर केस दर्ज: कृषि बिलों के विरोध में दिल्ली कूच करने वाले किसान नेताओं पर पानीपत के सेक्टर-29 में केस दर्ज किया गया है। भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी रतन मान और गुरनाम सिंह चढ़ूनी समेत किसानों पर सेक्टर-29 थाना में तैनात सिपाही निशांत ने सात धाराओं में केस दर्ज कराया है। केस में कोरोना महामारी, जिले में धारा 144 लागू होने, अधिकारियों के कार्य में बाधा डालने का हवाला दिया है।

संबंधित खबरें पेज-09

खट्टर झूठे, हमारे किसानों के साथ ठीक नहीं किया : अमरिंदर

किसान आंदोलन को लेकर बयानबाजी जारी है। पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। खट्टर ने कहा था कि उन्होंने पंजाब के सीएम अमरिंदर सिंह से चर्चा करने के लिए उन्हें फोन लगाया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अब अमरिंदर ने कहा है कि खट्टर झूठ बोल रहे हैं कि उन्होंने कॉल किया और मैंने जवाब नहीं दिया। उन्होंने हमारे किसानों के साथ ठीक नहीं किया। अब अगर वे 10 बार भी कॉल करेंगे, तो मैं उनसे बात नहीं करूंगा।

यूपी गेट पर जमे किसान, सड़क पर डाला डेरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का टीकरी बॉर्डर और सोनीपत में सिंघु बॉर्डर पर प्रदर्शन जारी है। इस बीच मेरठ की तरफ से चले किसान यूपी गेट पर शनिवार शाम को पहुंच गए। इसकी सूचना मिलते ही गाजियाबाद जिला प्रशासन की ओर से भारी पुलिस बल को तैनात कर दिया गया था। यूपी गेट पर ही किसानों ने दरी बिछाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि यूपी के अन्य जिलों के किसान भी शनिवार देर रात तक यूपी गेट पहुंच जाएंगे।

बता दें कि फिलहाल स्थिति यह है कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के किसानों ने केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली को तीन तरफ से घेर रखा है। इस बीच किसानों के जत्थे मेरठ से गाजियाबाद आने की सूचना है। दिल्ली से सटे टीकरी बॉर्डर के साथ सिंघु बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के बीच आप विधायक राघव चड्ढा शनिवार दोपहर बुराड़ी के निरंकारी मैदान में पहुंचे। राघव चड्ढा ने कहा कि हम यहां पर किसानों की मेजबानी कर रहे हैं। यहां पर किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। किसान दिल्ली में जिस जगह भी बैठना चाहते हैं, तो उनका वहीं पर दिल्ली सरकार स्वागत करेगी। केंद्र सरकार किसानों की मांगों को अहम की लड़ाई न बनाए। बताया जा रहा है कि किसान यूपी गेट पर जमा हो रहे हैं और फिर दिल्ली में दाखिल होंगे। वहीं हापुड़ रोड और एएलटी रोड से होकर जिले के किसान भी इसी जत्थे में शामिल होंगे। ऐसे में मेरठ रोड और हापुड़ रोड पर शनिवार को भी यातायात बाधित होगा। इस बाबत गाजियाबाद के एसपी ट्रैफिक का कहना है कि फिलहाल कोई डायवर्जन लागू नहीं किया है, लेकिन हालात और किसानों का मूवमेंट देखकर डायवर्जन किया जाएगा। उधर, मेरठ में भारतीय किसान यूनियम के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा है कि केंद्र सरकार किसानों के मुद्दों को हल करने में नाकाम साबित हुई है।

दिल्ली-एनसीआर के कई कॉलेजों ने परीक्षाएं टालीं : दिल्ली-एनसीआर के कई कॉलेजों ने किसान प्रदर्शन के चलते परीक्षाएं टाल दी हैं। इससे बाहर से आने वाले छात्रों की परेशानी बढ़ गई हैं। कॉलेज इसके बारे में पहले से कोई सूचना नहीं दी थी, अचानक से परीक्षा टालने का फैसला ले लिया।

तीन राज्यों के 40 स्थानों पर सीबीआई छापे

नई दिल्ली। सीबीआई ने तीन राज्यों में 40 स्थानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इसमें कुछ कथित कोयला तस्कर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि छापेमारी मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल में की गई। ये छापेमारी सीबीआई द्वारा दर्ज एक नए मामले से संबंधित हैं। अधिकारियों ने कहा कि 40 स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। इसमें कुछ लोग अवैध व्यापार और कोयले की तस्करी में शामिल हैं।

लद्दाख : पैंगॉन्ग में नेवी के मार्कोस कमांडो तैनात

नई दिल्ली। नेवी ने ईस्टर्न लद्दाख में पैंगॉन्ग झील के पास अपने सबसे खतरनाक मार्कोस कमांडो तैनात कर दिए हैं। मार्कोस को दाढ़ी वाली फोर्स भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में एयरफोर्स के गरुण कमांडो और आर्मी की पैरा स्पेशल फोर्स पहले से ही मौजूद है।

हालांकि, भारत ईस्टर्न लद्दाख में चीन के साथ जारी तनाव को खत्म करने के लिए बातचीत कर रहा है। लेकिन, चीन की चालबाजी को देखते हुए यहां ताकत भी बढ़ाई जा रही है। सरकार के सूत्रों ने बताया कि लद्दाख में मार्कोस तैनात करने का फैसला इसलिए लिया गया, ताकि तीनों सेनाओं के सबसे बेहतरीन कमांडो लद्दाख के मुश्किल हालात से तालमेल बिठा सकें। इस तैनाती से मार्कोस को बेहद सर्द मौसम में ऑपरेशन को अंजाम देने का अनुभव मिल सकेगा।

अंतरिक्ष में बेहद करीब पहुंचे भारत और रूस के सैटेलाइट्स

बंगलूरू। पृथ्वी की कक्षा में भारत का रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट कारटोसेट-2एफ, रूस का अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट कानोपस-वी के काफी नजदीक आ गया है। दोनों देशों के अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन नजदीक से इसकी निगरानी कर रहे हैं, लेकिन दोनों के माप की दूरी अलग-अलग आ रही है।

दोनों स्पेसक्राफ्ट को धरती की रिमोट सेंसिंग के लिए किया गया है डिजाइन

शुक्रवार को रूस के अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी रॉसकॉसमॉस ने कहा कि 27 नवंबर 2020 को 700 किलोग्राम का कारटोसेट-2एफ सैटेलाइट खतरनाक तरीके से कानोपस-वी के नजदीक आ गया था। इस गणना के अनुसार, रूस और भारत के सैटेलाइट के बीच न्यूनतम दूरी 224 मीटर है। रॉसकॉसमॉस का कहना है कि दोनों स्पेसक्राफ्ट को धरती की रिमोट सेंसिंग के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के प्रमुख के सिवन का कहना है कि हम चार दिन से इस सैटेलाइट की निगरानी कर रहे हैं और यह रूस की सैटेलाइट से 420 मीटर की दूरी पर है। जब इसकी दूरी 150 मीटर हो जाएगी तब इसके निपटने के लिए योजना बनाई जाएगी।

दिल धड़कने दो

क्यू.आर.जी. स्पेशल हार्ट चेक पैकेज

हृदय रोग, फिज़ियोथेरेपी एवं डाइटीशियन परामर्श	₹ 499
हृदय रोग परामर्श । ई.सी.जी. । लिपिड प्रोफाइल । फास्टिंग ब्लड शुगर	₹ 999
हृदय रोग परामर्श । ई.सी.जी. । लिपिड प्रोफाइल । फास्टिंग ब्लड शुगर 2D इको/टी.एम.टी. (केवल विशेषज्ञों की सलाह पर)	₹ 1999

एम.आर.आई. एवं सी.टी. स्कैन पर 50% की छूट । अन्य जाँच पर 20% की छूट

*नियम व शर्तें लागू । वैधता 31 दिसंबर 2020 तक । केवल कैश पेशेंट के लिए

हमारी विशेषताएं
• फरीदाबाद की सबसे व्यापक हृदय रोग टीम, डॉ. राकेश राय सपरा के नेतृत्व में
• सर्वश्रेष्ठ हार्ट केयर सेंटर • शहर का एकमात्र ग्रीन हार्ट सेंटर • उन्नत कैथ लैब-EP फैसिलिटी
• सभी नॉन इनवेसिव जाँच कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा • 24x7 कार्डियक इमरजेंसी

QRG Health City
SECTOR-16, FARIDABAD
CALL 9540038282
OPD TIMINGS 10 AM - 5 PM
24x7 इमरजेंसी 8506011111 0129-4330000
क्यू. आर. जी. हेल्थ सिटी: सैक्टर-16, फ़रीदाबाद, हरियाणा www.qrghealthcity.com

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, रविवार, 29 नवंबर 2020 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

कोविड-19 के नियमों का पालन करके जी सकते हैं साधारण जीवन : डॉ. सपरा

कोरोना वायरस फिलहाल जल्दी जाने वाला नहीं है। हमें कोरोना से बचाव के नियमों को अपनी आदत में शामिल कर लेना चाहिए। कोरोना से बचाव के लिए सरकार ने मास्क का उपयोग, सोशल डिस्टेंसिंग और स्वच्छता का नियम बनाया है। हम इन नियमों का पालन कर न केवल साधारण जीवन गुजार सकते हैं बल्कि अपने जीवन यापन के जरूरी काम भी कर सकते हैं। कोरोनाकाल में पुरानी बीमारियों से पीड़ितों को ज्यादा एहतियात बरतना चाहिए। ये कहना है कि क्यूआरजी हेल्थ सिटी हॉस्पीटल के कॉर्डियोलॉजी विभाग के डायरेक्टर एवं सीनियर कंसल्टेंट डॉ. राकेश राय सपरा का। वर्तमान में डा. सपरा एक कोरोना योद्धा की तरह काम कर रहे हैं। ***पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और डॉ राकेश राय सपरा की बातचीत के अंश :-***

जीवन परिचय

नाम : डॉ. राकेश राय सपरा
जन्मदिन : 24 जुलाई 1966
पिता : वीडी सपरा
माता : विद्या सपरा
पत्नी : डॉ. बिंदू सपरा
परिवार : बेटी भाविका व बेटा ऋशव
स्कूल : 12वीं - सेनिक स्कूल, रीवा, मध्यप्रदेश
उच्चशिक्षा : एमबीबीएस, एमडी मेडिसिन, डीएम कॉर्डियोलॉजी
रूचि : म्युजिक व पेंटिंग

▶ सवाल : आपको डाक्टर बनने की प्रेरणा कैसे मिली।

जवाब : मैं एयरफोर्स ज्वाइन करना चाहता था। इसी वजह से मैंने सैनिक स्कूल में दाखिला लिया था, लेकिन पढ़ाई के दौरान मेरी दूर की नजर कमजोर हो गई। ऐसे में मैं एयरफोर्स में नहीं जा सका था। इस दौरान मेरी रूचि बॉयोलॉजी की तरफ बढ़ गई। जिसके कारण मैंने डाक्टर बनने का फैसला लिया।

▶ सवाल : क्या शिक्षा के दौरान आप अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लेते थे।

जवाब : उस दौरान मैं वाद-विवाद प्रतियोगिता और नाटकों में हिस्सा लेता रहता था। साथ ही मैं कॉलेज की बास्केट बॉल टीम में भी शामिल था।

▶ सवाल : शिक्षा के बाद आपने कॅरियर की शुरूआत कैसे की।

जवाब : वर्ष 1997 में मैंने दिल्ली का बत्तरा अस्पताल ज्वाइन किया था। करीब नौ साल बाद मैंने फोर्टिज अस्पताल, दिल्ली ज्वाइंन किया। दो साल बाद मैने गुरूग्राम स्थित आर्टेमिस अस्पताल में तीन साल काम किया। इसके बाद पांच साल मैंने फोर्टिज अस्पताल फरीदाबाद में काम किया। पिछले छह साल से मैं सेक्टर-16 स्थित क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल में कार्यरत हूं।

▶ सवाल : क्या कोरोना हृदय रोगियों के लिए खतरनाक हो सकता है।

जवाब : कोरोना ह्दय, किडनी, फेफड़े, शुगर, बीपी व अन्य बीमारी से पीड़ितों के लिए घातक हो सकता है। इन मरीजों को आम लोगों के मुकाबले ज्यादा एहतियात बरतना चाहिए।

▶ सवाल : इन मरीजों को कैसे अपना बचाव करना चाहिए।

जवाब : इन्हें समझना होगा कि कोरोना के डर की वजह से उन्हें पहले से चल रहे इलाज और दवाइयों को नहीं छोड़ना। नियमित जांच में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। रोगी बाहर सैर के लिए नहीं जा सकते तो घर में कदम ताल और व्यायाम करना चाहिए।

▶ सवाल : लॉकडाउन में आपने किस तरह मरीजों की मदद की।

जवाब : उस समय हम टेली कंसल्टेंसी, व्हटसेप और वीडियो लिंक के माध्यम से मरीजों को इलाज की सुविधा दे रहे थे। बेहद गंभीर स्थिति में ही मरीजों को अस्पताल बुलाया जाता था।

▶ सवाल : अस्पताल में मरीजों की सुरक्षा के क्या इंतजाम हैं।

जवाब : वर्तमान में अस्पताल आने से डरने की कोई आवश्यकता नहीं हैं। क्यूआरजी अस्पताल में साधारण हृदय रोगियों के इलाज लिए एक अलग फ्लोर है। कोरोना पीड़ितों के इलाज के लिए अस्पताल में पूरी तरह अलग व्यवस्था है।

▶ सवाल : लॉकडाउन के दौरान अस्पताल ने कैसे जरूरतमंदों की मदद की।

जवाब : उस दौरान अस्पताल की तरफ से मरीजों को निशुल्क टेली कंसल्टेंसी दी जा रही थी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोगों को कोरोना के प्रति लगातार जागरूक करने का काम किया जा रहा था।

▶ सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।

जवाब : यह सांस के जरिए फैलने वाली बीमारी है। हमें गाइडलाइंस का पालन करते हुए अपने काम करने होंगे।

▶ सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ था।

जवाब : सरकार ने सही समय पर सही कदम उठाया था। इसी वजह से हमारे देश की स्थिति अन्य देशों के मुकबले काफी बेहतर हैं।

संक्षिप्त समाचार

लॉ एंटरेंनस टेस्ट में जतिन गोयल की पांचवीं रैंक

फरीदाबाद। जतिन गोयल ने लॉ कॉमन एंटरेनस टेस्ट में पूरे भारत वर्ष में पांचवीं रेंक प्राप्त की है। यह परीक्षा अक्टूबर के महीने हुई थी, जिसका परिणाम शनिवार को घोषित किया गया है। जिसमें एक लाख से ज़्यादा बच्चों ने भाग लिया था। जिसमें जतिन गोयल ने पांचवी रैंक हासिल करके फ़रीदाबाद के साथ साथ पूरे हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन किया। इस मौके पर जतिन गोयल के घर सेक्टर 10 पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर बाधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वशिष्ठ ने कहा कि पांचवीं रैंक प्राप्त करके जतिन ने फरीदाबाद जिले के साथ साथ पूरे हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन किया है। इससे पहले भी जतिन विद्यार्थियों के उत्थान के लिए काम करते रहे हैं। यह कार्यशैली देखकर उन्हें स्टैंड ऑफ यूथ एनजीओ ने उन्हें पूरे हरियाणा प्रदेश के शाखा का प्रधान भी बनाया है। इस मौके पर फ्लोर मिल के डायरेक्टर राजेश्वर गोयल, एसवीएम के डायरेक्टर मदन गोयल व उनके पिता पवन गोयल व माता एकता गोयल और चिराग गोयल आदि मौजूद थे।

एसकेजेसीए ने पांच विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। छठें ऑल इंडिया रविंद्र फागना अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट (सेमी फ़ाइनल मैच) में एसकेजेसीए ने ड़ीएससीसी स्पोर्ट्स क्लब को 4 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 40-40 ओवर का था। इसमें एसकेजेसीए ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाज़ी करने का निर्यण लिया। ड़ीएससीसी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 37.4 ओवर में 10 विकेट पर 240 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए सूरज गौड ने 66 रन, देव दुबे ने 61 रन और म. केफ ने 38 रन बनाए। एसकेजेसीए की ओर से गेंदबाजी करते हुए अनिल सिंहमार ने 3 विकेट, रमेश कुमार और आयुष नेगी ने 2-2 विकेट, वासु यादव और पी पानवार ने 1-1 विकेट लिया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए एसकेजेसीए की टीम ने 27 ओवर 6 विकेट में 242 रन बनाकर लक्ष्य को हासिल किया। जिसमें टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए विनोद कुमार सिंह ने 98 रन, आयुष नेगी ने 40 रन ओर भारत रावत ने 38 रन बनाए। ड़ीएससीसी स्पोर्ट्स क्लब की और से गेंदबाजी करते हुए वैभव कुमार ने 3 विकेट, भाव्या कक्कड़, लक्ष्य अग्रवाल ओर देव दुबे ने 1-1 विकेट लिए। निक्की (एंपायर) रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी के द्वारा विनोद कुमार सिंह को मैन आफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया।

डीएवी के प्रोफेसर डॉ. सतीश बंसल सेवानिवृत

फरीदाबाद। डीएवी शताब्दी कॉलेज के गणित विभाग के प्रोफेसर सतीष बंसल के लगभग 33 वर्षो तक शिक्षण के क्षेत्र में अपनी सेवाएं प्रदान करने के उपरान्त 30 नवम्बर को रिटायर होगे। विदाई सामारोह में सतीश बंसल का स्वागत कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. सविता भगत ने पुष्प भेंट कर के किया। कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्या ने कहा कि सतीश बंसल को इस कॉलेज में उनकी कर्मठता, परिश्रम एवं उनकी लगन के लिए जाना जाता है। छात्रों के साथ उनका रिश्ता किताबी पढ़ाई के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान के साथ भी जुड़ा हुआ है। बंसल की प्रशंसा करते हुए आने वाले भविष्य की शुभकामनाएं दी। सभी उपस्थित साथियों ने फूल मालाओं के साथ डॉ. सतीश बंसल का स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व साथियों में डॉ. दिनेश शर्मा, (दिल्ली यूनिवर्सिटी), डॉ. सतीश सलूजा, आरबी सिंह, डॉ. शुभ दर्शन आदि मौजूद थे।

मृतक की पहचान

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28-11-2020 को आगरा कैनाल नहर मे एक नाम पता नामालूम व्यक्ति की लाश मिली है जिस सम्बंध में थाना पल्ला मे डीडी न. 13 दिनांक 28.11.2020 यू/एस 174 सीआरपीसी अमल मे लाई गई लाश का हुलिया रंग सावला, गोल चेहरा, मजबुत जिस्म करीब 05 फिट 04 इंच उम्र 30 साल लाश के शरीर पर लाल रंग की जैकिट व लाल सफेद धारीदार टी-शर्ट ग्रे रंग का लोवर पैरो मे हरे रंग के कपडे के जूते पहने हुए है जो शिनाख्त हेतु लाश को बी.के.एच. फरीदाबाद में मोर्चरी में रखवाई गई है इसके वारीसान के मिलने पर नीचे लिखे नम्बरों पर सूचित करें।

एस.एच.ओ. पल्ला फरीदाबाद - 9582200139
एसआई महेश कुमार थाना पल्ला फरीदाबाद - 9818811497

मृतक की पहचान

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 27-11-2020 को एक पुरूष व उम्र करीब 40 साल व्यक्ति नामपता नामालुम की लाश के.एल. मेहता कॉलेज के सामने एन ब्लॉक एन.आई.टी फरीदाबाद की तरफ एक खोखा में पाई गई है जिसकी मृत्यु अज्ञात बीमारी व सर्दी के कारण होनी ब्यान हुई है लाश की पहचान के लिए मोर्चरी बी.के.एच. फरीदाबाद मे रखवाई गई है। हुलिया रंग विला, लम्बुतरा चेहरा, पतला शरीर, कद करीब 5 फिट 4 इंच। पहनावा- चेकलेट रंग की जैकेट, क्रीम रंग की लाईदार कमीज, सफेद पेन्ट आदि। डी.डी.ई. न. 33, दिनांक 27.11.2020 धारा 174 दं.प्र.स. थाना एनआईटी फरीदाबाद।

प्रबनधक अफसर थाना एन.आई.टी. - 9582200125
अनुसंधान अधिकारी - 7015064978

शहर का तापमान

- अधिकतम 25.01 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 09.04 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- बीके अस्पताल में कोरोना की जांच : सुबह 10 बजे
- सेक्टर-12 में पीटीआई टीचरों का धरना: सुबह 11 बजे
- बीके चौक पर आशा वर्करों का धरना: सुबह 10 बजे

निवेश गुरु

इन्वेस्टमेंट को समझना

निवेश एक परियोजना को शुरू करने या विस्तार करने के लिए काम करने के लिए पैसा लगा रहा है या एक परिसंपत्ति या ब्याज खरीदने के लिए, जहां उन निधियों को काम पर रखा जाता है, समय के साथ आय और लक्ष्य में वृद्धि के साथ। शब्द निवेशक भविष्य की आय उत्पन्न करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी तंत्र को संदर्भित कर सकता है।

यूटीलिटी न्यूज

एमटेक पाठ्यक्रमों के लिए स्पॉट काउंसलिंग

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) द्वारा इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आईएल) और रोबोटिक्स के उभरते क्षेत्रों में संयुक्त रूप से करवाये जा रहे एमटेक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए चार दिसंबर और 7 दिसंबर 2020 को एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ में स्पॉट काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में आईओटी की विशेषज्ञता के साथ एमटेक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में रोबोटिक्स की विशेषज्ञता के साथ एमटेक और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की विशेषज्ञता के साथ एमटेक पाठ्यक्रम शामिल हैं।

क्विक न्यूज

चोरी और झपटमारी में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर प्रभारी मलिक की टीम ने दो आरोपियों माजिद व नूर आलम को चोरी के आरोप में गुप्त सूत्रों की सूचना पर गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ चोरी व स्नेचिंग की धाराओं के तहत दो मुकदमे दर्ज हैं। जिसमे से एक थाना स्तरूनगर व एक थाना सराय ख्वाजा में दर्ज है। क्राइम ब्रांच द्वारा तफ्तीश करने पर सामने आया कि दोनों आरोपी नशे करने के आदि हैं। गलत संगत में पड़ने की वजह से चोरी व स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देते थे जिसमे इन्होंने पांच मोबाइल चोरी व स्नेच किए थे और एक डिस्कवर मोटरसाइकिल चोरी किया था। आरोपियों के कब्जे से डिस्कवर मोटरसाइकिल जो 2018 में चोरी हुई थी। पांच मोबाइल फ़ोन बरामद किए गए है। आरोपी माजिद पुत्र कयूम इस्माइलपुर, फरीदाबाद का रहने वाला है व आरोपी नूर आलम पुत्र मोहम्मद मधुबनी बिहार का रहने वाला है जो फ़िलहाल नियर मोहम्मदी मस्जिद, पल्ला, फरीदाबाद में रह रहा था।

सीएम फ्लाइंग की जांच के बाद भी कार्रवाई शून्य

चीफ मिनिस्टर फ्लाइंग और अन्य एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद भी अवैध निर्माण बरकरार

अवैध निर्माण

राजेश दास। फरीदाबाद

अधिकारियों की लापरवाही के कारण नगर निगम और एचएसवीपी के क्षेत्रों में अवैध निर्माण का खेल रूक नहीं रहा है। शहर भर में चारों तरफ धड़ल्ले के साथ अवैध निर्माण हो रहे हैं। शहर में ऐसे अनेक अवैध निर्माण हैं। जिन्हें उच्चाधिकारियों के आदेश पर गिरा दिया गया था, लेकिन वहीं अवैध निर्माण फिर से तैयार हो चुके हैं। यहां तक कि भूमाफिया सरकारी और ऐतिहासिक जमीनों पर भी कब्जे कर अवैध निर्माण करने से नहीं चूक रहे हैं। दो साल पहले निगमायुक्त के आदेश पर मटिया महल की जगह पर बने अवैध निर्माण को गिरा दिया गया था। जो अब पूरी तरह बनकर तैयार हो चुका है। नगर निगम और एचएसवीपी के अधिकारियों की उदासीनता को देखते हुए और अवैध निर्माणों के संदर्भ में लगातार शिकायतें मिल रही थी। जिसे देखते हुए सरकार ने सीएम फ्लाइंग और अन्य सरकारी एजेंसियों को जांच के आदेश दिए थे। सीएम फ्लाइंग ने हाल ही में कई अवैध निर्माणों की रिपोर्ट बनाकर सरकार के पास भेजी हैं, लेकिन इन अवैध निर्माणों के खिलाफ अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

फ्लाइंग की जांच जारी

मटिया महल की इस जमीन पर भूमाफियाओं ने कुछ साल पहले अवैध रूप से मल्टीस्टोरी बिल्डिंगों का निर्माण करवा लिया था। करीब दो साल पहले तत्कालीन नगर निगम आयुक्त अनिता यादव के आदेश पर मटिया महल की सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माणों को पूरी तरह गिराकर नष्ट कर दिया था। जिसके बाद नगर निगम ने यहां यह जमीन सरकारी है का बोर्ड भी लगाया था, लेकिन अनिता यादव का तबादला होने के साथ ही भूमाफिया एक बार फिर से सक्रिय हो गए। भूमाफियाओं ने निगम के बोर्ड को उखाड़ कर फेंक दिया और फिर से निर्माण कार्य शुरू कर दिया। नगर निगम के बल्लभगढ़ जोन के अधिकारियों की नाक के नीचे निर्माण चलता रहा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे ऐतिहासिक जमीन पर एक फिर से मल्टी स्टोरी बिल्डिंग खड़ी हो गई हैं। मामला संज्ञान में आने पर सरकार ने इस मामले की जांच सीएम फ्लाइंग को सौंपी है। शुक्रवार को सीएम फ्लाइंग की टीम ने मौके पर जाकर बकायदा इस अवैध निर्माण की गहनता से जांच और वीडियोग्राफी करवाई है।

भूमाफियाओं के आगे बेबस

जिले में पिछले लंगे समय से भूमाफिया सक्रिय हैं। भूमाफियाओं की नजर हमेशा सरकारी जमीनों पर रही है। इन भूमाफियाओं ने तहसील के कर्मचारियों की मिलीभगत से बल्लभगढ़ के राजा शहीद नाहर सिंह की रानी का मटिया महल पर कब्जाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। तिगांव रोड पर स्थित वैसे तो रानी का महल लंबे चौड़े इलाके में बना था। राजा नाहर सिंह को फांसी देने के बाद अंग्रेजों ने उनकी ज्यादातर सम्पति नीलाम कर दी थी। शेष जमीन आजादी के बाद सरकार के रिकॉर्ड में आ गई। मटिया महल की 784 वर्गगज जगह है। जिसक खसरा नंबर 195 है। इस जमीन की भूमाफियाओं ने बल्लभगढ़ तहसील के कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर अपने नाम पर रजिस्ट्री करवा ली थी। जिसके बाद भूमाफियाओं ने इस जमीन पर धड़ल्ले के साथ अवैध निर्माण करवाना शुरू कर दिया था। शहर के लोगों के विरोध को देखते हुए सरकार की तरफ से इस जमीन से कई बार अवैध कब्जे हटाए गए, लेकिन फिर से जमीन पर भूमाफिया काबिज हो जाते हैं।

जांच परिणाम शून्य

नगर निगम की तरफ से अवैध निर्माणों के खिलाफ हमेशा दिखावे के लिए ही कार्रवाई की जाती है। अदालत अथवा सरकार का आदेश आने पर निगम अधिकारी सीलिंग की कार्रवाई करते हैं। कभी कभार मामूली रूप से तोड़फोड़ की जाती है। कुछ दिनों के बाद सील तोड़कर फिर से अवैध निर्माण शुरू हो जाता है। जिसे ध्यान में रखते हुए अवैध निर्माणों को रोकने के लिए सरकार की तरफ से समय-समय पर कई तरह के प्रयास किए गए है। कुछ साल पहले अवैध निर्माणों को रोकने के लिए सरकार ने थाना स्तर पर कमेटियां बनाई थी। इन कमेटियों को अपनी रिपोर्ट सिटी मजिस्ट्रेट को हर महीने सौंपनी थी। लेकिन न तो कभी रिपोर्ट भेजी गई और न ही कभी कोई कार्रवाई हो पाई। सरकार ने अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करने के लिए गुप्तचर विभाग का भी सहारा लिया था। गुप्तचर विभाग द्वारा रिपोर्ट बनाकर सरकार को भेजी गई थी। वहीं अब पिछले कुछ समय से सीएम फ्लाइंग द्वारा अवैध निर्माणों की जांच की जा रही है। कुछ समय पहले सीएम फ्लाइंग ने सेक्टर 19 और 46 के अवैध निर्माणों की रिपोर्ट बनाकर भेजी थी। लेकिन अभी तक इन अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है। कार्रवाई के अभाव में सरकारी जमीनों पर बने अवैध कब्जे अब पक्के निर्माणों में तब्दील होते जा रहे हैं।

लंबित जांच

अवैध निर्माण और अतिक्रमण को लेकर सरकार द्वारा विभिन्न एजेंसियों से जांच करवाई जा रही है। लेकिन एजेंसियां जांच को लंबित कर देती है। लंबे समय तक जांच लंबित रहने से वाले अवैध निर्माण करने वालों के हौंसले बुलंद हो रहे हैं। इसी वजह से शहर भर में धड़ल्ले के अवैध निर्माण और सरकारी जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं।

फोटो: राजेश पुंजानी

कौमी एकता और सद्भाव देश की ताकत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, जूनियर रेडक्रॉस और गाइडस द्वारा प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में कौमी एकता सप्ताह के अंतर्गत ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि कौमी एकता और सांप्रदायिक सद्भाव देश की ताकत है। विदेशी आक्रमणकारी और आतताई भी हिन्दुस्तान के सुदृढ़ ढांचे को हानि नहीं पहुंचा पाए। हमारी कौमी एकता ही हमारी वास्तविक ताकत है। ब्रिगेड, जूनियर रेडक्रॉस प्रभारी और प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि कौमी एकता सप्ताह अर्थात राष्ट्रीय एकता सप्ताह पूरे भारत में हर वर्ष 19 नवंबर से मनाया जाता है। कौमी एकता सप्ताह के सभी सातों दिन विशिष्ट विषयों से संबंधित प्रत्येक दिन के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। कुछ कार्यक्रम जैसे सांस्कृतिक गतिविधियां

इस समारोह की विषय-वस्तु - राष्ट्रीय (कौमी) एकता सप्ताह, धर्म निरपेक्षता, अहिंसा, भाषाई सौहार्द, सांप्रदायिकता, सांस्कृतिक एकता, कमजोर वर्गों के विकास और खुशहाली, अल्पसंख्यकों के महिला और संरक्षण के विषयों को प्रस्तुत करने के लिए आयोजित किए जाते है। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि कौमी एकता सप्ताह, सार्वजनिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता की ताकत को सुदृढ़ करने के लिए और बढ़ावा देने के लिये मनाया जाता है। पूरे सप्ताह का समारोह पुरानी परंपराओं, संस्कृति और सहिष्णुता की कीमत और भाईचारे की भारतीय समाज में एक बहु-धार्मिक और बहु सांस्कृतिक धर्मों की पुष्टि करने के लिए सभी को एक नया अवसर प्रदान करता है। ये सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए भी देश में निहित शक्ति और लचीलेपन को उजागर करने में सहायता करता है। सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह का उद्देश्य पूरे भारत में अलग संस्कृति के लोगों के बीच अखंडता, प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना का प्रसार करना है। कौमी एकता का यह सप्ताह हमारे देश के विविधता में एकता के संदेश को चरितार्थ करने का कार्य करता है। यह हमारे देश के विभिन्न लोगों में एकता की भावना को बढ़ाने का कार्य करता है तथा इस बात पर जोर देता है कि हम एक-दूसरे के प्रति जाति, भाषा या धर्म के आधार पर किसी तरह का भेदभाव ना करें। इसके साथ ही अपने देश के लोगों में एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए हम सभी कार्यरत रहें। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा और प्राध्यापिका जसनीत कौर ने बताया कि छात्रा सोनी, निशा, खुशी, तबिंदा, नेहा और अर्पिता ने सुंदर पेंटिंग बनाई।

अवैध कट्टे के साथ एक गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 प्रभारी उप-निरीक्षक सुमेर सिंह की टीम ने सूत्रों की सहायता से आरोपी टिन्कू सिंह उर्फ राधे को अवैध देशी कट्टा रखने के जुर्म में थाना आदर्श नगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ अवैध देशी कट्टा रखने की धाराओं के तहत थाना आदर्श नगर में मुकदमा नंबर 531 दर्ज किया गया। पूछताछ के दौरान सामने आया कि आरोपी टिंकू व इसका भाई अवैध शराब बेचने का काम करते है। आरोपी का भाई विक्रम डिसिल्वा शराब के अवैध धंधे में अपनी सुरक्षा के लिए चार कट्टे व तीन पिस्टल उत्तर प्रदेश से लेकर आया था। आरोपी का भाई जेल से जमानत पर चल रहा है। एक पिस्टल व दो देसी कट्टे की बरामदगी पहले हो चुकी हैं। अपराध शाखा सेक्टर 85 की टीम ने उपरोक्त आरोपी के कब्जे से एक देशी कटटा व एक जिंदा रौंद की बरामदगी और की हैं। आरोपी टिंकू के खिलाफ इससे पहले लड़ाई-झगड़े, अवैध हथियार रखने, अवैध शराब के 4 मुकदमे दर्ज हैं।

स्लेजहैमर समूह की एक और बड़ी पहल

फ्री एम्बुलेंस सेवा

इस सेवा का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय लोगों को दिया जा रहा है।

जरूरतमंद फ्री एम्बुलेंस के लिए फोन करें।

9899885190
9899882050

SledgeHammer | SLEDGEHAMMER CRICKET ACADEMY | पायनियर

पायनियर
हरियाणा, रविवार 29 नवंबर, 2020

गुडन्यूज : अब बीके से भी कर सकेंगे पीजी मेडिकल कोर्स

आई डिपार्टमेंट में अगस्त से शुरू हो गया है यह कोर्स

कविता। फरीदाबाद

अब एमबीबीएस के बाद एमडी कोर्स के लिए मेडिकल कॉलेज में दाखिला नहीं मिलने पर स्टूडेंट्स को निराश होने की जरूरत नहीं है। एमडी कोर्स करने के इच्छुक स्टूडेंट इसके समकक्ष डीएनबी (डिप्लोमेट नेशनल बोर्ड) कोर्स बीके सिविल अस्पताल में कर सकते हैं। फिलहाल चार मेडिकल छात्रों का दाखिला हो चुका है। इसकी पुष्टि बीके अस्पताल की पीएमओ डॉ. सविता यादव ने की। उन्होंने बताया कि अस्पताल के गायनी और ओबीएस में जल्द ही डीएनबी कोर्स शुरू हो रहा है।

इंस्पेक्शन के बाद इसे शुरू कर दिया जाएगा। नेत्र विभाग में अगस्त से डीएनबी कोर्स शुरू हो गया था। डीएनबी एमबीबीएस के बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स है। एमबीबीएस तीन साल की होती है। जिसके बाद दो साल की पढ़ाई एमबीबीएस के बाद यह होगी। अस्पताल प्रबंधन ने

यह थी योजना

यह कोर्स बीके अस्पताल सहित प्रदेश के पांच अस्पतालों में कराया जाना है। जिसमें फरीदाबाद, गुड़गांव, पंचकूला, भिवानी और अंबाला के सिविल अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों से प्रपोजल मांगा था। जिस पर बीके अस्पताल को मंजूरी मिल गई थी। इस कोर्स के लिए स्टूडेंट का एंट्रेंस टेस्ट लिया गया था। दो साल चलने वाले इस कोर्स के लिए पांच स्टूडेंट्स का अलग-अलग सब्जेक्ट पर स्पेशलाइजेन के लिए चयन किया जाना है। तैयारी शुरु कर दी है और फिलहाल चार स्टूडेंट्स का दाखिला हो गया।

रूचि का कोर्स

डॉ. सविता यादव ने स्टूडेंट्स अपनी रुचि के अनुसार मेडिकल स्पेशलाइजेशन कर सकेंगे। सिविल अस्पताल में बेहतर और स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी भी पूरी हो जाएगी। इसमें स्टूडेंट्स को कोर्स से संबंधित बारीकियों के सिखाया व पढ़ाया जाएगा। कोर्स के दौरान थ्यौरी के अलावा प्रेक्टिकल भी कराया जाएगा। इसमें स्पेशलिस्ट डॉक्टर द्वारा की जा रही सर्जरी के दौरान डीएनबी कोर्स के लिए चयनित स्टूडेंट भी मौजूद होंगे। ताकि उन्हें अपनी स्ट्रीम की बारिकियों के बारे में जानकारी मिल सके। डीएनबी करने के इच्छुक स्टूडेंट्स गायनोलॉजी व नेत्र रोगों में महारत हासिल कर रहे हैं। भविष्य में सर्जरी, आँथों और एनेस्थीसिया कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। एक कोर्स के लिए एक ही स्टूडेंट का चयन किया जाएगा। डीएनबी कोर्स के लिए हर साल सिविल अस्पताल द्वारा ही एंट्रेंस टेस्ट लिया जाएगा। एमडी के बराबर ही डीएनबी कोर्स की मान्यता है। जिन्हें एमडी में दाखिला नहीं मिल पाया हो, वे सिविल अस्पताल में दाखिल ले सकते हैं।

कोरोना : 24 शिविरों में हुई 10.5 हजार लोगों की जांच

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला स्वास्थ्य विभाग कोरोना को लेकर अब सतर्क हो गया है। शनिवार को विभाग ने 24 स्थानों पर कोविड-19 जांच शिविर लगाए। इन शिविरों में 10 हजार से अधिक लोगों ने आरटीपीसीआर जांच कराई। सीएमओ डा. रणदीप सिंह पूनिया ने नागरिक अस्पताल से शिविर की शुरुआत की। यह सभी सैम्पल विभाग की मोबाइल टीमों, विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों और सिविल अस्पतालों की टीम द्वारा लिए गए। वहीं लैब टेक्नीशियन सतपाल और सुनील अत्री की टीम ने विभिन्न स्थानों पर जाकर शिविरों की निगरानी की।

आरटीपीसीआर अधिक

पिछले दिनों स्वास्थ्य मुख्यालय से आरटीपीसीआर के अधिक से अधिक सैम्पल करने के निर्देश जिला स्वास्थ्य विभाग को मिले थे। जिसमें अधिक

से अधिक सैम्पलिंग का लक्ष्य रखा गया। शिविरों में लोग स्वयं आगे आकर अपनी कोरोना जांच करवा रहे थे। शनिवार को कुल 10459 सैंपल लिए गए। इनमें करीब दो हजार रैपिड एंटीजन टेस्ट भी शामिल हैं।

यहां लगे शिविर

शिविरों की जानकारी देते हुए डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. राजेश श्योकंद ने बताया कि सिंह सभा गुरुद्वारा, कौराली मोड, सब्जी मंडी के निकट, एसबीआई बैंक, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, बल्लभगढ़ बस स्टैंड, बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल, सेक्टर-7-10 के चौक पर, खोरी गांव, सुरजकुंड, मॉर्डन डीपीएस एक और दो, पीएचसी खेड़ी कला, भूपानी, बीबीटीपी पुल एक और दो, पाली बस स्टैंड, सेक्टर-58 पुलिस चौकी, बदरपुर बॉर्डर, यूपीएचसी डबुआ कालोनी, सेक्टर-8 स्थित ईएसआई अस्पताल, बाई पास रोड, तुलसी फतेहपुर तगा, एनएच-दो स्थित पांच नम्बर डिस्पेंसरी में कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

बनाया रिकॉर्ड

जिले में चार दिन पूर्व 30 जगहों पर कोरोना जांच शिविर लगाए थे। जिसमें 300 मरीज पॉजिटिव आए थे। इन शिविरों के माध्यम से फरीदाबाद स्वास्थ्य विभाग ने एक दिन में सबसे अधिक सैंपल लेने का रिकार्ड बनाया था। इन शिविरों से 14 हजार से अधिक सैंपल एकत्र किए गए थे। इससे पहले यह रिकार्ड गुरुग्राम जिले के नाम था। गुरुग्राम में एक दिन 10200 के करीब सैंपल लिए थे।

तीन पॉजिटिव

बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. मान सिंह ने सबसे अधिक 2300 सैम्पल बल्लभगढ़ में लिए। वहीं खेड़ीकला पीएचसी के इंचार्ज डॉ. हरजिन्द्र ने 2267 सैम्पल लिए। जिसमें आरटीपीसीआर के 2140 और रैपिड के 127 जांचे हुई। जिसमें 3 पॉजिटिव पाए गए। वहीं धौज में 273 आरटीपीसीआर और रैपिड के 50 सैम्पल लिए गए। खेड़ीकला पीएचसी पर रैपिड के 77 सैम्पलों में तीन पॉजिटिव आए और आरटीपीसीआर के 973 सैम्पल हुए। अनंगपुर में आरटीपीसीआर के 127 सैम्पल लिए। फतेहपुर तगा में 213 यूपीएचसी भारत कालोनी में 554 सैम्पल लिए गए।

कोरोना से पांच मौतें, 397 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 39772

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शनिवार को 397 पॉजिटिव सामने आए। जिससे जिले का कोविड-19 का आंकड़ा 39772 पर पहुंच गया है। वहीं पांच मौत और होने से मृतकों की संख्या का आंकड़ा 331 पर पहुंच गया है। जिले में राहत की बात यह रही कि 650 रोगियों ने कोरोना को मात दे दी। जिससे जिले का रिकवरी रेट 89 प्रतिशत पर पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव

मृतक 5 पॉजिटिव में एसजीएम नगर से 80 वर्षीय महिला, बासापारा से 57 वर्षीय महिला, सेक्टर-10 से 72 वर्षीय महिला और एसजीएम नगर से 64 वर्षीय पुरुष और चावला कालोनी से 71 वर्षीय पुरुष शामिल है। वहीं 397 पॉजिटिव में सेक्टर-75, 18, 30, 2, 19, 23, 8, 49, 4, 62, 14, 11, 55, 58, 65, 48, 37, 28, 76, 16, 9, 8, मंझावली, नाहर सिंह कालोनी, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, भगत सिंह कालोनी, ग्रीनफिल्ड कालोनी, स्प्रींग फिल्ड कालोनी, चार्मवुड, अमर नगर, सेहतपुर, एनएच-5, 3, 2, गाजीपुर, अशोका इंक्लेव, भाटिया कालोनी, जीवन नगर, एनटीपीसी कालोनी, डबुआ, ओल्ड फरीदाबाद, बाड मोहल्ला, सारन, भीकम कालोनी, जनता कालोनी, पर्वतीया कालोनी, एनएच- एक और दो, आर्य नगर, दयालपुर, टीकावली, जवाहर कालोनी, एसजीएम नगर, झाड़सैतली, इस्माइलपुर, पाली, नंगला, मेवला महाराजपुर, आदर्श नगर, तिगांव और अन्य एरियों से मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

अब तक जांचे	331237
अब तक पॉजिटिव	39772
अब तक नेगेटिव	290915
रिपोर्ट आनी शेष	550
गंभीर हालत में भर्ती	88
वेंटिलेटर पर भर्ती	15
अब तक कुल मौतें	331
अब तक ठीक हुए	35409

दावा : पुलिस की सख्ती से 97 प्रतिशत लोग पहन रहे हैं मास्क

चालान काटने के साथ कोरोना के प्रति किया जा रहा है जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना महामारी को लेकर जिले भर के पुलिस कर्मचारी कोरोना योद्धा की तरफ काम कर रहे हैं। मास्क पहनने में जानबूझ कर लापरवाही कर रहे लोगों एक तरफ पुलिस सख्ती से निपटते हुए, उनके लगातार चालान कर रही हैं। वहीं दूसरी पुलिस कर्मचारी अभियान चलाकर न केवल लोगों को जागरुक कर रहे हैं, बल्कि लोगों को मास्क भी उपलब्ध करवा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जिले के सेंट्रल जोन में 97 प्रतिशत लोग मास्क पहनने लगे हैं।

सेंट्रल जोन में जागरूकता अभियान चला कर बीट पुलिस कर्मियों के द्वारा अब तक 58149 लोगों से मिलकर कोरोना से बचने के लिये जागरूक किया गया है।

पुलिस कर्मी द्वारा लोगों को मास्क पहनने के लिये लगातार प्रेरित किया जा रहा है। सभी लोग मास्क पहने, इसके लिये अभी तक 32 हजार 580 लोगों को निशुल्क मास्क वितरित किये गये है। जो लोग नियमों की उल्लंघना करके मास्क नही पहनते उनके अभी तक 13958 चालान करके 6,97,9000 रूपये का जुर्माना वसूला गया है। सेन्ट्रल जोन के पुलिस उपायुक्त मुकेश मल्होत्रा ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कोविड-19 महामारी की रोकथाम के

लिये जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार सभी लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य है।

मास्क पहनकर ही इस बीमारी से बचा जा सकता है। पुलिस टीम द्वारा लोगों को कोविड के समय में सावधानी बरतने के बारे में समय-समय पर जागरूक किया जाता है। इसके साथ ही लोगों को मास्क निशुल्क भी वितरित किए गए हैं ताकि जितना हो सके लोगों को इस महामारी से बचाया जा सके।

उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा चलाये गये जागरूकता अभियान और मास्क ना पहनने वालों के खिलाफ की गई सख्ती के नतीजे अब सामने आने लगे है। पुलिस द्वारा अपना सर्वे करवाया गया है जिसमें पाया गया है कि अब लगभग 97 प्रतिशत लोग मास्क पहनकर घर से निकलते है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों से अनुरोध है कि कोविड-19 से बचने के लिए उचित दूरी बनाए रखें, सेनिटाईजर का प्रयोग अवश्य करें व बिना मास्क घर से बाहर न निकलें।

केंद्रीय मंत्री ने बोर्ड परीक्षा को लेकर मांगे सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सीबीएसई की कक्षा 10 व 12 वीं की बोर्ड परीक्षा 2021 की तारीखों को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा है कि छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से विचार लेने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है कि अगले वर्ष बोर्ड परीक्षा कब और कैसे आयोजित की जाएं।

ऑल इंडिया पेरेंट्स एसोसिएशन आईपा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को भेजे गए अपने सुझाव में कहा है कि कोरोना वायरस के चलते स्कूल बंद होने के कारण बाधित हुई पढ़ाई को देखते हुए

आईपा ने मई में बोर्ड परीक्षा कराने का दिया सुझाव

10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को मई 2021में कराया जाए और अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों को बिना किसी घरेलू बोर्ड परीक्षा के अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया जाए। आईपा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री व चेयरमैन सीबीएसई को पत्र लिखकर कहा है कि इससे विद्यार्थियों को परीक्षाओं की तैयारी के लिए और अधिक समय मिल जाएगा। इसके अलावा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों को, जिन्होंने ऑनलाइन पढ़ाई की है या नहीं उन सभी को अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया जाए। आईपा ने अपने पत्र में यह भी मांग की है कि आगामी शिक्षा सत्र जुलाई 2021 से शुरू किया जाए। आईपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश शर्मा व आईपा हरियाणा के प्रदेश महासचिव डॉ मनोज शर्मा ने कहा है कि कोरोना वायरस के चलते देश भर के स्कूल मार्च 2020 से ही बंद हैं। बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई तो चल रही है लेकिन उससे विद्यार्थियों को कोई विशेष फायदा नहीं हो रहा है। संसाधनों की कमी के चलते काफी छात्र ऑनलाइन पढ़ाई भी नहीं ले पा रहे हैं। अत: सभी छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए बोर्ड परीक्षाओं की तारीखों को आगे बढ़ाना बहुत जरूरी है। कैलाश शर्मा ने कहा है कि अधिकांश छात्रों को कोर्स व प्रश्नपत्रों में किए गए बदलावों की जानकारी नहीं है अत: बोर्ड परीक्षाएं कराने से पहले कोर्स व बोर्ड परीक्षा पैटर्न में किए गए बदलाव के बारे में सभी विद्यार्थियों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। बढ़ते कोरोना को चलते स्कूलों को बंद कर दिया गया है आगे भी हालात सही नहीं रहने की भविष्यवाणी की गई है। अत: बोर्ड परीक्षाओं की तारीख बदलनी बहुत जरूरी है यानी मई में बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जायें और आगामी शिक्षा सत्र जुलाई 2021 से शुरू किया जाए।

जनता को मौलिक सेवाएं दिलाने में फोरम करेगा मदद: कपूर

फरीदाबाद। पब्लिक राइट्स प्रोटेक्शन फोरम की एक बैठक सरपरस्त व पूर्व आइएएस अधिकारी एनसी वधवा की अध्यक्षता में अरावली गोल्फ क्लब में हुई। बैठक का संचालन फोरम के प्रधान एसके सचदेवा ने किया। प्रधान एसके सचदेवा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम सुंदर कपूर ने बताया कि सेवा का अधिकार अधिनियम-2014 के तहत राजस्व, शहरी निकाय, जन स्वास्थ्य, बिजली, परिवहन, हाउसिंग बोर्ड, कृषि, औद्योगिक एवं वाणिज्य, एचएसआइआइडीसी, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, श्रम विभाग, वन विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति, बागवानी आदि विभिन्न विभागों ने प्रत्येक काम को करने के दिन निर्धारित हैं।

प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

योगा एसोसिएशन फरीदाबाद के द्वारा फोर्थ फरीदाबाद योगासना स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का ऑनलाइन लाइव आयोजन किया गया। जोकि 21 एवं 22 नवंबर को मुख्य योगासन प्रतियोगिताओं का सिलसिला रहा। जिसमें शहर के 17 संस्थानों ने हिस्सा लिया। योगा एसोसिएशन फरीदाबाद के प्रधान डॉ. संजय पाठक ने बताया कि इस प्रतियोगिता को अलग-अलग आयु वर्ग पुरुष और महिला वर्ग में संपन्न कराया गया। जिसमें 8 से 10 आयु वर्ग महिला में प्रथम स्थान पर जहान्वी और पुरुष में जतिन तवंर रहे। 10 से 12 महिला में प्रथम स्थान

पर सुनिधि शर्मा और हर्ष आनंद रहे। 12 से 14 आयु वर्ग महिला में प्रथम स्थान पर होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल की सृष्टि और जयेन्द्र पंगल रहे। 14 से 16 आयु वर्ग महिला में प्रथम स्थान पर डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 37 की अंजली और तुषार सैनी रहे। 16 से 18 महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर मनीषा और सोनू रहे। 18 से 21 आयु वर्ग महिला में प्रथम स्थान पर ज्योति कुमारी और पुरुष वर्ग में गीतांशु रहे। 21 से 25 आयु वर्ग महिला में प्रथम स्थान पर गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वुमेन सेक्टर 16 की काजल और पुरुष वर्ग में राम गोस्वामी रहे।

वेबिनार में युवाओं की समस्याओं पर किया गया विचार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राष्ट्र के युवाओं को दिन-ब-दिन जिन विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, फरीदाबाद के बीबीए (इंडस्ट्री इंटीग्रेटेड) डिपार्टमेंट ने 28 नवंबर, 2020 को प्रिंसिपल निदेशक डॉ. संजीव शर्मा और वाइस प्रिंसिपल, डॉ.रितु गांधी अरोड़ा के मार्गदर्शन में एक वेबिनार का आयोजन किया।

इस अवसर के वक्ताओं में पूजा गुप्ता, संस्थापक-भावपूर्ण लिविंग, सदस्य इनर व्हील क्लब, फरीदाबाद, एक खुशी कोच और एक काउंसलर

के साथ-साथ समाज सुधारक और रवि कालरा, संस्थापक-पृथ्वी एंटीजन्स चैरिटेबल फाउंडेशन, एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर सरकारी संगठन थे, जिनके बुद्धिमान शब्दों और आगे की सोच के संबोधन ने सभी को मोहित किया। सत्र की शुरुआत डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ. संजीव शर्मा ने स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने बीबीए (उद्योग एकीकृत) विभाग के प्रयासों की भी सराहना की कि इस तरह के विषय पर एक जीवंत और समृद्ध सत्र का आयोजन किया जो राष्ट्र के युवाओं के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए समय की मांग है। वेबिनार की मुखाग्नि बीबीए विभाग की सहायक प्रोफेसर सुश्री कनिका दुग्गल द्वारा की गई।

वक्ताओं ने अपनी अंतर्दृष्टि साझा की कि भारत की पारंपरिक प्रणाली में अधिकांश भारतीय युवा अब बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अग्रणी कार्यबल हैं। तेज सांस्कृतिक मतभेदों के बावजूद, भारत के युवाओं ने पश्चिमी संस्कृति को अपनाया है, सुसंगत रहे और अब अपनी निर्विवाद सहिष्णुता के कारण वैश्वीकरण के अग्रदूतों के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं। भारत में युवाओं की पीढ़ी में आमूल-चूल परिवर्तन हो रहा है जिससे उन्हें विश्वास होता है कि वे कौन हैं। समय के अनुसार उन्हें अपने आराम क्षेत्र से बाहर आना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के युवाओं को विश्वास है क्योंकि वे जानते हैं कि वे कहां जा रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही वक्ताओं ने कहा कि युवा पीढ़ी अपनी जगह तलाशने के लिए कड़ा संघर्ष कर रही है। बीबीए (उद्योग एकीकृत) विभाग की विभागाध्यक्ष सी.ए अलका नरूला ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सत्र का समापन किया। उन्होंने डीएवीआईएम के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ संजीव शर्मा और वाइस प्रिंसिपल डॉ रितु गांधी अरोड़ा का धन्यवाद किया जिन्होंने टीम को इस तरह के विचारों के साथ आने के लिए प्रेरित किया। सीए अलका ने विभाग में अपने सहयोगियों कनिका, प्रिंस आहूजा, हरीश वर्मा को त्वरित निष्पादन और अटूट सहयोग के लिए, डॉ. आशिमा टंडन, हरीश रावत, सचिन नरूला को तकनीकी सहायता के लिए और डॉ हेमा गुलाटी और रीमा नांगिया को मीडिया समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

किसानों के साथ कर्मचारी हुए एकजुट

फरीदाबाद। किसान विरोधी कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली कूच कर रहे किसानों पर किए जा रहे दमन के खिलाफ कर्मचारियों व मजदूरों ने शनिवार को आक्रोश प्रदर्शन किया। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के बेनर तले बीके चौक पर आयोजित इस प्रदर्शन में रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा व किसान संघर्ष समिति नहर पार से जुड़े किसानों व पेंशनर्स ने भी भाग लिया। प्रदर्शन में सर्व सम्मति से पारित किए गए प्रस्ताव में भाजपा-जजपा सरकार द्वारा दिल्ली कूच कर रहे किसानों पर आंसू गैस के गोले बरसाने, पानी की बौछार मारने व लाठीचार्ज करने की घोर निन्दा की गई और किसानों के आंदोलन का तन-मन-धन से सहयोग एवं समर्थन करने का फैसला लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

छात्रों ने वर्चुअली मनाया गुरुपर्व का त्योहार

फरीदाबाद। सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में छात्रों ने वर्चुअल प्रार्थना सभा के दौरान गुरुपर्व का त्योहार मनाया। जिसमें जीवा पब्लिक स्कूल में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया। पाठ्यक्रम की शिक्षा के साथ-साथ अनेक क्रियाकलाप करवाए जाते हैं, साथ ही भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से भी अवगत कराया जाता है, इसलिए भारत में मनाए जाने वाले सभी पर्व हर्षोल्लास के साथ विद्यालय में मनाए जाते हैं। इस वैश्विक महामारी के समय में भी विद्यालय में सभी पर्वों का विशेष रूप से वर्चुअल आयोजन किया गया, जिससे कि छात्र अपनी परंपराओं से जुड़े रहें। इसी श्रृंखला में विद्यालय में गुरुपर्व भी मनाया गया। छात्रों ने गुरुपर्व के त्योहार का महत्व बताते हुए यह बताया कि इस दिन गुरु नानक देव का धरती पर प्रकाश हुआ था। बच्चों ने गतका प्रस्तुत किया और शब्द कीर्तन व मूल मंत्र का जाप करते हुए उनके अर्थ व विशेष ज्ञान के बारे में बताया। बच्चों ने घर पर कड़ा प्रसाद बनवाया एवं परिवार के सदस्यों में वितरित किया। छात्रों ने उनकी प्रसिद्ध कथा 'सच्चा सौदा' साखी प्रस्तुत की तथा लंगर प्रथा का वर्णन करते हुए प्रेम पूर्वक आपस में मिल-बांटकर खाने और एक साथ जीवन जीने के महत्व पर प्रकाश डाला। सुख-दुख में सबके साथ मिलकर रहना चाहिए, इस विषय पर विशेष बल दिया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने प्रेम, सौहार्द और ईश्वर एक है, का संदेश दिया। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान ने सभी को गुरुपर्व की शुभकामनाएं देते हुए गुरु नानक देव के बताए हुए तीन उपदेशों (कीरत करो, नाम जपो और वंड चखो) को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

गुमशुदा बच्चों को गुरुग्राम वापस पहुंचाया

फरीदाबाद। पुलिस चौकी बस स्टैंड बल्लबगढ़ प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने गश्त के दौरान बस स्टैंड बल्लबगढ़ के पास मिले। दो बच्चों को गुरुग्राम के उनके घर पहुंचाया है। बीती शाम पुलिस चौकी बस स्टैंड प्रभारी अपनी चौकी क्षेत्र में बस स्टैंड के पास गश्त कर रहे थे। तभी बस स्टैंड के पास मंडी में उन्हें दो बच्चे जिनकी उम्र लगभग 10-11 साल की थी को रोते हुए पाया। चौकी प्रभारी दोनों बच्चों के पास गए और उनसे उनके रोने का कारण पूछा। दोनों में से एक बच्चे ने बताया कि उसका नाम शुभम है और उसके साथी का नाम जीवन है। शुभम बिहार व जीवन नेपाल का रहने वाला है। दोनों बच्चे दोस्त हैं और गुड़गांव के मोहम्मदपुर गांव में रहते हैं। दोनों घूमने के चक्कर में किसी वाहन पर बैठकर बल्लबगढ़ आ गये थे और अब रास्ता भटक गए हैं। चौकी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार ने बच्चों को उनके घर पहुंचाने के लिए गुरुग्राम के थाना सेक्टर 37 प्रभारी से संपर्क किया। मोहम्मदपुर गांव में इन दोनों बच्चों के परिवारजनों के बारे में पता लगाने का अनुरोध किया। गुरुग्राम के थाना सेक्टर 37 प्रभारी ने अपनी पुलिस टीम भेजकर दोनों बच्चों के घर का पता करवाया और इसकी जानकारी चौकी प्रभारी सुरेंद्र कुमार को दी। इसके पश्चात् दोनों बच्चों के परिजनों से सम्पर्क करके बच्चों को सकुशल उनके हवाले कर दिया गया। बच्चों के परिजनों ने बताया कि वह पिछले एक दिन से घर से लापता हैं और इनकी तलाश कर रहे थे। अपने बच्चों को वापस पाकर उनके परिजनों ने पुलिस टीम द्वारा किए गए कार्य के लिए पुलिस चौकी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार व पूरी फरीदाबाद पुलिस का धन्यवाद दिया।

यूनियनों ने तालमेल कमेटी का किया गठन

फरीदाबाद। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यों को नगर निगम और नगर पालिकाओं को हस्तांतरित करने के विरोध में फरीदाबाद की यूनियनों ने तालमेल कमेटी का गठन किया। इसके गठन में निर्णय लिया गया कि जिन सेक्टरों के कार्यों को नगर निगमों और नगर पालिकाओं को हस्तांतरित किया जा रहा है उनके कर्मचारियों के सभी प्रकार के लाभ मूल रूप से शहरी विकास प्राधिकरण के द्वारा ही दिए जाने का प्रस्ताव पास किया गया। तालमेल कमेटी के सदस्य दिनेश, वीरेंद्र बेनीवाल,नरेश, धर्मवीर वैष्णव, खुर्शीद, धीरज चंदेला, सतीश ने बताया कि प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले कर्मचारियों के वेतन, लीव इन कैशमेंट, सहित सारे लाभ हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के द्वारा ही दिए जाते हैं। डेपुटेशन पर जाने में कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभ समय पर नहीं दिए जाते हैं। तालमेल कमेटी ने शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यों को नगर निगमों को हस्तांतरित करने की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस विभाग का स्वरूप मिटाना चाहते हैं।

चुनाव सूचना

अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा (रजि०) बल्लबगढ़, पंजीकरण संख्या HR/019/2014/01115 की Governing Council के पदाधिकारियों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के 16 सदस्यों (संख्या 01 से 16) का चुनाव दिनांक 27-12-2020 दिन रविवार, समय प्रातः 09:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक अग्रवाल कॉलेज (मिल्क प्लांट रोड, सैक्टर-2) बल्लबगढ़ के भवन में होगा। चुनाव कार्यक्रम निम्नलिखित है।

1.	कॉलेजियम सदस्य (मतदाता) सूची का अग्रवाल कॉलेज सूचना बोर्ड पर प्रकाशन	: दिनांक 30-11-2020 दिन सोमवार
2.	नामांकन	: दिनांक 08-12-2020 दिन मंगलवार से 9-12-2020 दिन बुधवार समय प्रातः 10:00 बजे से दोपहर बाद 03:00 बजे तक अग्रवाल कॉलेज (मिल्क प्लांट रोड, सैक्टर-2) बल्लबगढ़ के कार्यालय में स्वीकार किये जायेंगे जो निर्वाचन अधिकारी के सम्मुख सभा के संविधान अनुसार भरे जायेंगे।
3.	नामांकन पत्रों की जाँच	: दिनांक 10-12-2020 दिन गुरुवार प्रातः 09:00 बजे से 11:00 बजे तक।
4.	नाम वापसी	: दिनांक 11-12-2020 दिन शुक्रवार प्रातः 11:00 बजे से दोपहर बाद 03:00 बजे तक।
5.	चुनाव चिह्न आबंटन	: दिनांक 12-12-2020 दिन शनिवार को दोपहर बाद 03:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक।
6.	मतदान की तिथि	: दिनांक 27-12-2020 दिन रविवार, समय प्रातः 09:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक अग्रवाल कॉलेज (मिल्क प्लांट रोड, सैक्टर-2) बल्लबगढ़ के भवन में होगा। तत्पश्चात मतगणना आरम्भ की जायेगी एवम् उसी दिन चुनाव परिणाम घोषित किये जायेंगे।

निर्वाचन मण्डल संख्या 1 से 108 तक के कॉलेजियम सदस्यों की सूची, संविधान की प्रति प्रत्येक रू. 100/- में तथा नामांकन फार्म रू 500/- में कॉलेज के कार्यालय (मिल्क प्लांट रोड, सैक्टर-2) से प्राप्त कर सकते हैं तथा Governing Council के पदाधिकारियों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष एवम् कार्यकारिणी के 16 सदस्यों (संख्या 1 से 16) के लिए रू0 2000/- Refundable Security के रूप में जमा कराने होंगे।

डॉ० कृष्णकान्त
निर्वाचन अधिकारी

हरियाणा में बड़े प्लॉट्स के बंटवारे को लेकर पॉलिसी लगभग तैयार : सीएम

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की अगली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा प्रस्ताव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा में बड़े प्लॉटों के बंटवारे को लेकर पॉलिसी लगभग तैयार हो चुकी है। जिसे अगली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा। इसमें प्रावधान ऐसा किया जा रहा है कि बंटवारे के बाद हर हिस्से का कम से कम 100 गज का एरिया अवश्य हो। यह बात मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को यहां जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

कष्ट निवारण की समिति की बैठक में कुल 10 शिकायतें, समस्याएं समस्याएं रखी गई, जिनका मुख्यमंत्री ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मौके पर निपटारा कर दिया।

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक लेते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

बैठक में एक समस्या यह भी रखी गई थी कि वर्ष-1966-67 में प्रदेश में टाउन प्लानिंग स्कीम बनाई गई थी और जो कॉलोनी उस स्कीम के अंतर्गत आती थी, उनमें प्लॉट का साइज भी स्कीम के अनुसार ही था। उस प्लॉट के टुकड़े अथवा बंटवारा करने पर टुकड़ों का नक्शा पास नहीं किया जाता। गुरुग्राम के शिवाजी नगर के दो शिकायतकर्ताओं ने यह मामला मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके दादा ने वर्ष-1971 में 153 वर्गगज के प्लॉट पर मकान बनाया था, जो बाद में उन दोनों भाइयों के नाम हस्तांतरित कर दिया गया। मकान पुराना हो गया था इसलिए उसके स्थान पर नया मकान बनाने के लिए जब नगर निगम में नक्शा पास कराने को दिया तो उस पुराने नियम का हवाला देते हुए उनका नक्शा पास नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने समस्या का निपटारा करते हुए बताया कि ऐसे मामलों के लिए राज्य सरकार ने नीति लगभग तैयार कर ली है, जिसका प्रस्ताव अगली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा।

ईडब्ल्यूएस बस्ती में सभी सुविधाएं करवाएं उपलब्ध

यहां पालम विहार में समाज के कमजोर वर्गों के लिए अलॉट किए गए ईडब्ल्यूएस प्लॉटों वाले स्थान पर पानी, बिजली, सीवरेज, सड़क आदि विकास कार्य अगले एक महीने में शुरू करवाने के आदेश मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नगर निगम को दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की बस्ती में सभी सुविधाएं होनी चाहिए और यह कार्य अगले वर्ष 31 मार्च तक पूरा करना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार सेक्टर-31 निर्माणाधीन विश्नोई भवन के सामने टूटी सड़क की मरम्मत करने के भी मुख्यमंत्री ने आदेश दिए।

प्रदेश के किसानों का खरीदा जाएगा बाजरे का दाना-दाना

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के बाजरा उत्पादक किसानों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके बाजरे की फसल का दाना-दाना खरीदने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि उपायुक्त अपने जिला के बाजरा उत्पादक किसानों द्वारा की गई बाजरा की बिजाई आदि का सर्वे करवाकर पुष्टि करने उपरांत ही खरीदने के पुख्ता इंतजाम करेंगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा की अनाज मंडियों में बाजरा 2150 प्रति क्विंटल की दर पर खरीदा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बारे में किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

हरियाणा के किसानों ने नहीं लिया आंदोलन में हिस्सा

किसान आंदोलन को लेकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के किसानों का इस आंदोलन में भाग नहीं लेने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन मुख्य रूप से पंजाब के राजनीतिक दल तथा वहां के कुछ संगठनों द्वारा प्रायोजित है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मैंने आंदोलन को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेन्द्र सिंह से तीन दिन के दौरान कई बार बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने बातचीत नहीं की। हमने 6-7 बार फोन मिलाया और उसके बाद भी हमारी एक्सचेंज से उन्हें फोन लगाते रहे, लेकिन हर बार उनके स्टाफ से यही कहा जाता रहा कि अब करवाते हैं। थोड़ी देर में करवाते हैं। ऐसी अजीबो गरीब स्थिति पहली बार हुई है। जब एक मुख्यमंत्री दूसरे मुख्यमंत्री से बात करने की कोशिश कर रहा है और बात नहीं कराई जा रही। उन्होंने कहा कि किसान के नाम पर जो राजनीतिक रोटियां सेकने का काम किया जा रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी है।

कोरोना की रोकथाम को लापरवाही बंद करें

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए हर व्यक्ति को सावधानी बरतनी जरूरी है, क्योंकि हम स्वयं सावधानी बरतकर ही अपने आप को संक्रमित होने से बचा सकते हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि कोरोना के इलाज के लिए इंजेक्शन के ट्रायल की तीसरी स्टेज चल रही है और इंजेक्शन आते ही सबसे पहले अग्रणी पंक्ति में रहने वाले कोरोना योद्धाओं को लगाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

फूलों की खेती के प्रति किसानों का फिर से बढ़ा रुझान

गुरुग्राम। शादी-विवाह समारोह का देवउठनी एकादशी से सीजन शुरु हो चुका है। हालांकि कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए प्रदेश सरकार ने शादी-विवाह समारोह में शामिल होने वाले लोगों की संख्या सीमित अवश्य कर दी है। शादी-विवाह समारोह से जुड़े विभिन्न कारोबारियों का कारोबार अब कुछ चल निकला है। हालांकि कोरोना से पूर्व जैसी स्थिति फूल कारोबारियों की नहीं हो पाई है। शादी समारोह में फूलों की मांग सबसे अधिक होती है। फूलों से ही मंडप व समारोह स्थल सजाए जाते रहे हैं। गुड़गांव जिले के पटौदी व फर्रुखनगर क्षेत्र फूलों की खेती के लिए जाने जाते हैं। फूलों की खेती करने वाले किसान अपने फूलों को न केवल गुड़गांव में बिक्री करते हैं, अपितु दिल्ली जैसे बड़े शहरों में भी फूलों की आपूर्ति करते रहे हैं। लॉकडाउन के दौरान फूलों की खेती करने वाले किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था। फूलों की खेती को खुद उन्होंने अपने हाथों से ही उजाड़ दिया था। क्योंकि फूलों की सप्लाई लॉकडाउन के कारण नहीं हो पा रही थी, लेकिन अब अनलॉक शुरु हो जाने के बाद फूलों की बिक्री फिर से बढ़ने लग गई है। इतना ही नहीं किसानों को फूलों के अच्छे दाम भी मिलने शुरु हो गए हैं। शादी का सीजन शुरु हो चुका है, ऐसे में किसान बड़े उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि शादियों में उनके फूलों की मांग भी अवश्य बढ़ेगी। त्यौहारी सीजन में भी किसानों ने शहर में फूलों की अच्छी आपूर्ति की थी। इसी से उत्साहित होकर किसानों ने फिर से फूलों की खेती करने का निर्णय ले लिया है। किसानों ने फूलों की खेती करने की तैयारी भी शुरु कर दी है, ताकि आने वाले दिनों में उनके फूलों की आपूर्ति शहरों में की जा सके।

केआर मंगलम यूनिवर्सिटी ने 534 छात्रों को डिग्रियां दी

सोहना। शनिवार को केआर मंगलम यूनिवर्सिटी ने तीसरा दीक्षांत समारोह वर्चुयल मोड में आयोजित किया। दीक्षांत समारोह 2020 में 534 छात्रों को डिग्रियां दीं। जिसमें 394 स्नातक, 72 स्नातकोत्तर, 13 पीएचडी और 55 डिप्लोमा धारक थे। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने छात्रों को बधाई और आशीर्वाद देते हुए कहा कि राज्य और देश में विकास की गति को और तेज करने में आपके महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद रखता हूं। प्रो दिनेश सिंह कुलाधिपति ने कहा कि आपके साथ हम जो कुछ भी करते हैं उसका मुख्य जोर आपको अपने भीतर देखने के लिए और यह जानने के लिए प्रेरित करना है कि आपका वास्तविक मूल्य क्या है, यह क्या है जो आपके दिल में गूंजता है, भीतर क्या है, और हम कोशिश करते हैं कि आप इसी वास्तविकता को लेकर आगे बढ़ें। कुलपति प्रो. आदित्य मलिक ने स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए कहा गुरु द्वारा सर्वोत्तम शिक्षा देने का अर्थ है कि आपको एक उपकरण प्रदान करना, आपके लिए उपलब्ध क्षमताओं का एक सेट बनाना, जो आपको हर परिस्थिति से गुजारेगा, जो आपको जीवन में उभारता है।

एक दिन में 685 कोविड-19 के रिकार्ड तोड़ टेस्ट हुए

सोहना। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को रिकार्ड तोड़ कोविड के टेस्ट किए। शहर के पांच अलग-अलग स्थानों पर लगे शिविरों में 685 लोगों के कोविड टेस्ट किए। बीते दो दिन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक हजार 85 लोगों का कोविड टेस्ट किए है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को एक दिन में 400 लोगों का किया कोविड टेस्ट के रिकार्ड को ध्वस्त करते हुए शनिवार को 685 का नई उपलब्धी प्राप्त की। अप्रैल से लेकर आज तक एक दिन में 685 कोविड टेस्ट करने सबसे बड़ी उपलब्धी है। शनिवार को विभाग द्वारा रखा गया एक हजार कोविड टेस्ट का रिकार्ड नहीं बन पाया। नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया कि शनिवार को उनकी टीम का साथ पुलिस और नागरिपरिषद विभाग ने दिया। जिसमें सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार और नगरपरिषद कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक का सहयोग रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार से शहर की मलिन बस्तियों में रह रहे मजदूरों की जांच के लिए टीम भेजी जाएगी।

ट्रेड यूनियन काउंसिल ने वीडियो कांफ्रेंस से की बैठक

गुरुग्राम। श्रमिक यूनियनों का प्रतिनिधित्व करने वाली ट्रेड यूनियन काउंसिल की बैठक का आयोजन वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से श्रमिक संगठन एटक के जिला महासचिव कामरेड अनिल पंवार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कई वरिष्ठ श्रमिक नेता भी जुड़े। उन्होंने देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए सभी श्रमिक व कर्मचारी संगठनों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार किसानों के शांतिप्रिय आंदोलन को कुचलने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रख रही है। श्रमिकनेताओं अमरजीत सतबीर सिंह, जसपाल राणा, बलवान सिंह, अजय कुमार का कहना है कि किसानों की जायज मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन को सरकार जो कुचलने का प्रयास कर रही है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। अन्नदाता अपनी जायज मांगों को लेकर ही आंदोलन कर रहे हैं। लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने व आंदोलन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन सरकार संविधान को ही खत्म कर देना चाहती है। अपनी मर्जी से कानून बना रही है और पुराने कानूनों को खत्म करती जा रही है। इसी प्रकार श्रम कानूनों में भी सरकार बदलाव करती जा रही है, जिसे किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। सरकार पूंजीपतियों के हितों को ध्यान में रखकर ही कानून बना रही है। भले ही इन कानूनों से श्रमिकों का अहित ही क्यों न होता हो। श्रमिक नेताओं का कहना है कि देश के अन्नदाता किसानों का आंदोलन बिल्कुल जायज है और सभी श्रमिक संगठन इसका समर्थन करते हैं। इस वीडियो कांफ्रेंस में श्रमिक नेता कंवरलाल यादव, बलवीर कंबोज, वीएस यादव, श्रवण कुमार, मनोज कुमार, सतीश गुर्जर आदि शामिल रहे।

तावडू सीएचसी करे पुकार, अनिल विज आओ एक बार

तावडू। सीएचसी तावडू में चिकित्सकों के बीच हुआ विवाद शनिवार को भी चर्चा का विषय बना रहा। विवाद के बाद जहां चारों महिला चिकित्सक सीएचसी में पूरे दिन पुलिस में ब्यान देने को लेकर जहां एक साथ बैठी देखी गई। वहीं आरोपी चिकित्सकों के चेहरों पर चिंता की लकीरें देखी गई।

बता दें कि 27 नवंबर को सीएचसी तावडू की 4 महिला चिकित्सकों ने अस्पताल के डेंटल सर्जन व एमओ पर मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगा पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुटी। महिला चिकित्सकों के अनुरूप शनिवार को उनके पुलिस के समक्ष ब्यान होने थे, लेकिन पुलिस ब्यान लेने नहीं आई। जबकि महिला सब इंसपेक्टर रजमा देवी ने कहा कि

मुख्य बाजार के बाहर चिकित्सकों से कोरोना टेस्टिंग का फीडबैक लेते एसडीएम डॉ. नरेश कुमार।

उन्होंने स्वयं शिकायतकर्ता को फोन किया, लेकिन जवाब मिला कि आज तो नहीं आ सकते, रविवार को आएंगे। फिर दोबारा फोन किया तो फोन बंद मिला। वहीं सीएचसी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. देवेंद्र सोलंकी ने कहा कि एसडीएम के आदेश पर आज तावडू उपमंडल में 600 लोगों की कोरोना टेस्टिंग की जिम्मेदारी मिली थी। शनिवार को पुरुष चिकित्सकों की पूरी टीम इसी टेस्टिंग लक्ष्य को हासिल करने में जुटी रही। शाम तक 381 लोगों की टेस्टिंग कर ली गई।

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं महावीरपुरा क्षेत्रवासी

गुरुग्राम। शीत ऋतु में भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में शहरवासियों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम प्रशासन से क्षेत्रवासी कई बार शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान होता दिखाई नहीं दे रहा है। इसी क्रम में न्यू रेलवे रोड स्थित महावीरपुरा क्षेत्र में पिछले 3-4 दिनों से क्षेत्रवासियों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्र के लोग एक-एक बूंद पानी के लिए तरसने पर मजबूर हो गए हैं। क्षेत्रवासियों जयपाल सिंह, प्रदीप, अश्विनी शर्मा, पंडित अरुण शर्मा, कृष्ण सैनी आदि का कहना है कि क्षेत्र में दयानंद कालोनी स्थित बूस्टर पंप से पेयजल की आपूर्ति की जाती है। जब इस बारे में बूस्टर पंप पर तैनात पंप ऑपरेटर से शिकायत की तो उसने कोई संतोषजनक जबाव नहीं दिया।

शादी समारोह में नियमों के पालन के लिए चेकिंग अभियान शुरू

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

कोविड-19 के बढ़ते मामलों को लेकर पलवल पुलिस अब अलर्ट हो गई है। पिछले लंबे समय से पलवल पुलिस जहां बगैर मास्क वाले लोगों के चालान काट रही थी, अब पलवल पुलिस रात के समय भी शादी-समारोह व बैंक्वेट हॉलों में जाकर कोविड-19 नियमों की जांच कर रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक दीपक गहलावत ने बताया कि कोविड-19 के नियम अनुसार बैंक्वेट हाल, होटलों में आयोजित शादी-समारोह में 50 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकते तो वहीं फॉर्म हाउसों में आयोजित कार्यक्रमों में 100 लोगों का शामिल होना अनिवार्य है। सभी

कोविड-19 के चलते विवाह स्थलों का दौरा कर जांच करते हुए व नियमों के प्रति जागरूक करती पुलिस टीम।

लोगों के मुंह पर मास्क होना चाहिए, एंट्री गेट पर सेनेटाइजर का इस्तेमाल होना चाहिए।

पलवल पुलिस ने आधा दर्जन होटल, बैंक्वेट हाल व फार्म हाउसों में कोविड-19 के नियमों की जांच की। भवनकुंड चौकी इंचार्ज एएसआई संजय कुमार ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार कोविड-19 के बढ़ते मामलों को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। दिन में तो बगैर मास्क वालों के चालान किए जा रहे हैं तो रात के समय विवाह स्थलों पर चेकिंग की जा रही है। ताकि लोग कोविड-19 के नियमों का पालन करें जिससे कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोका जा सके।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालु हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए नहीं जा सकेंगे

गुरुग्राम। त्योहारों के माह के नाम से जाने जाना वाला माह कार्तिक महीने का समापन आगामी 30 नवम्बर को कार्तिक पूर्णिमा के साथ हो रहा है। कार्तिक माह का यह सबसे आखिरी दिन है। कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान आदि कर दान-पुण्य की भी बड़ी प्राचीन परंपरा है। कार्तिक पूर्णिमा को दान करने से बड़ा ही पुण्य मिलता है, ऐसा धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है।

कोरोना वायरस का प्रकोप का पूरे देश में चल रहा है। इसलिए इस बार कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालु हरिद्वार आदि स्थानों पर गंगा में स्नान नहीं कर सकेंगे। उत्तराखंड प्रदेश सरकार ने अधिसूचना जारी कर सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे कार्तिक पूर्णिमा के गंगा स्नान पर हरिद्वार आने से बचें। क्योंकि उन्हें काफी औपचारिकताएं भी पूरी करनी होंगी। प्रतिवर्ष हरिद्वार में लाखों की संख्या में देश के विभिन्न प्रदेशों से श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए जाते रहे हैं।

विधान परिषद प्रत्याशियों के लिए वोटों की अपील

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के गांव दयानतपुर स्थित सर्व हितकारी इंटर कॉलेज प्रांगण में एक विशाल सभा का आयोजन भाजपा जिला मंत्री योगेंद्र सिंह छोंकर ने किया। सभा में विधान परिषद प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा व दिनेश गोयल के लिए शिक्षक व स्नातकों से वोटों की अपील की गई।

सभा का संचालन भाजपा जिला महामंत्री ठाकुर धर्मेन्द्र भाटी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा रकम सिंह भाटी व जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह उपस्थित रहे। जेवर विधानसभा से भाजपा के युवा नेता मंजीत ठाकुर ने मोदी व योगी सरकारों की तारीफ करते हुए सभी शिक्षकों व स्नातकों को भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की।

मंजीत ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हर वर्ग का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। चाहे कोरोना से बचाव की तैयारियों की बात हो या फिर प्रदेश में विकास कार्यों की, सरकार हर स्तर पर खरी उतर रही है।

ग्रेटर नोएडा के गांव दयानतपुर स्थित सर्व हितकारी इंटर कालेज में विधान परिषद के चुनावों को लेकर बैठक में मौजूद भाजपा युवा नेता मंजीत ठाकुर, भाजपा जिला मंत्री योगेंद्र सिंह छोंकर व कार्यक्रम संचालक भाजपा जिला महामंत्री ठाकुर धर्मेन्द्र भाटी।

मंजीत ठाकुर ने कहा कि देश को विकास के रास्ते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लेकर गए हैं। सरकार किसानों के हित में अध्यादेश लेकर आ रही है और विपक्ष किसानों को भड़काने का काम कर रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे सरकार का साथ दें। विपक्ष के बहकावे में ना आएं। सभा में उपस्थित गणमान्य लोगों में उदयवीर चौधरी मंडल अध्यक्ष, सत्यपाल तालान सांसद प्रतिनिधि, सुरेश चंद शर्मा भाजपा नेता, लखन भाटी, धर्मेंद्र सिवाच, मोहित चौधरी, राजू शर्मा, मनीराम शर्मा मंडल महामंत्री, रूपलाल कौशिक गुरुजी,यतीश ठाकुर, नीरज चौहान, प्रधानाचार्य तेजपाल सिंह भाटी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

श्याम सुंदर का दादा फालके साहेब आईकॉन अवार्ड से सम्मान

तावडू क्षेत्र में खुशी का माहौल

तावडू। तीन वर्षों से बॉलीवुड में पैर जमाने का प्रयास कर रहे तावडू पत्रकार संघ के प्रधान श्याम सुन्दर सोनी को हाल ही में मुंबई में आयोजित दादा फालके साहेब आईकॉन अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया। जिसको लेकर स्वयं श्याम सुन्दर सोनी व क्षेत्र के लोगों ने खुशी जाहिर की है।

श्याम सुन्दर सोनी को मुंबई में अवार्ड से नवाजते हुए बॉलीवुड अभिनेता।

बॉलीवुड अभिनेता एवं तावडू पत्रकार संघ के प्रधान श्याम सुन्दर सोनी ने बताया कि गत 24 नवंबर को मुंबई में दादा फालके साहेब आईकॉन आवार्ड का आयोजन किया था। जिसमें बॉलीवुड से जुड़े कलाकारों व वरिष्ठ समाजसेवियों को अवार्ड से सम्मानित किया था। उन्होंने बताया कि उन्हें भी आवार्ड से सम्मानित किया है। जिसे लेकर उन्होंने अवार्ड कार्यक्रम के आयोजक कमेटी व गरीबों के एक्टर कल्याण जाना का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि फिल्मी दुनिया के भीष्म पितामह दादा फालके साहेब के अवार्ड से उन्हें सम्मानित किया जाना बहुत बड़ी बात है। जिसको लेकर उन्होंने खुशी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि मेहनत करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है। उसको उसकी मंजिल एक न एक दिन अवश्य मिल जाती है। श्याम सुन्दर सोनी को दादा फालके साहेब आईकॉन आवार्ड से नवाजे जाने पर क्षेत्र के वरिष्ठ समाज सेवी एवं लायंस क्लब तावडू टाउन के पूर्व प्रधान डॉ. विजय कुमार शर्मा, तावडू ब्लॉक समिति चेयरमैन नरेश यादव, समाज सेवी एवं कपडा यूनियन के रामबाबू गुप्ता, रेडिमेड यूनियन तावडू के प्रधान योगिन्द्र गर्ग, समाजसेवी महेन्द्र गोयल, पार्षद राजकुमार ने बधाई दी।

मत छेड़ बलम मेरे चूंदड़ नै, ना तो होजैगी तकरार जणे...

हरियाणवी नृत्यों से सजी कला परिषद की शाम, जींद के कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

सरस्वती कला मंच ने प्रस्तुत किए हरियाणवी नृत्य, आनलाईन कार्यक्रम में दी प्रस्तुति

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा कला परिषद द्वारा प्रत्येक सप्ताह आनलाईन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश की कला और संस्कृति की झलक दिखाई जा रही है। हर सप्ताह होने वाले इन कार्यक्रमों में हरियाणा के कलाकार न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, बल्कि प्रदेश की कला को लोगों तक पहुंचाने का काम भी कर रहे हैं।

इसी कड़ी में शनिवार को सरस्वती कला मंच जुलाना जींद के कलाकारों द्वारा हरियाणवी लोक रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें रविशंकर शर्मा

हरियाणवी कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

के निर्देशन में कलाकारों ने हरियाणवी नृत्यों की प्रस्तुतियां दी। प्रस्तुतियों का संचालन रविशंकर शर्मा द्वारा किया गया। हरियाणवी लोक रंग कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति गुगा धमोड़ा की रही। जिसके सरस्वती कला मंच की महिला कलाकारों ने हरियाणवी वाद्ययंत्रों की धुनों पर अपने नृत्य की प्रस्तुति दी। अगली प्रस्तुति रविशंकर शर्मा की मधुर गायकी से सजे गीत गंगा जी के प्यार में, सरस्वती कंठार में, श्री जमुना जी की धार में, मेरा बसे देस हरियाणा की रही। अपनी गायकी के साथ-साथ रविशंकर द्वारा हरियाणा की संस्कृति के बारे में भी विस्तार से बताया। गीत देसां में देस हरियाणा, जित दूध दही का खाणा के माध्यम से महिला कलाकार पूजा कश्यप, नेहा शर्मा, काजल शर्मा, पिंकी और कोमल शर्मा ने हरियाणा प्रदेश की झलक को अपने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया।

वहीं पति-पत्नी की नोकझोंक को दिखाते हुए जुलाना के कलाकारों ने मत छेड़ बलम मेरे चूंदड़ नै, ना तो होजैगी तकरार जणे प्रस्तुत किया। अंत में सभी कलाकारों का आभार व्यक्त करते हुए विकास शर्मा ने बताया कि आगामी में सप्ताह रंगमंच प्रस्तुत दी जाएगी। जिसमें हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन के निर्देशन में तैयार हास्य नाटक सैंया भए कोतवाल का मंचन किया जाएगा।

कला परिषद के निदेशक संजय भसीन ने हरियाणवी लोक रंग कार्यक्रम के दौरान कहा कि लोक कलाकार ही प्रदेश की संस्कृति के सच्चे प्रहरी है, जो लोक कला को संजोकर रखते हैं। आज के आधुनिक युग में एक ओर जहां युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति की ओर अग्रसर हो रही है।

आवासीय व औद्योगिक क्षेत्रों में फैला हुआ है अवैध होर्डिंग का जाल

गुरुग्राम। नगर निगम क्षेत्र में ही नहीं, अपितु औद्योगिक क्षेत्रों में भी अवैध होर्डिंग लगाए जाने का सिलसिला जारी है। शहर के विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में इन अवैध होर्डिंग का जाल फैला हुआ है। जहां सड़कों पर लगाए गए ये होर्डिंग यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं, वहीं नगर निगम प्रशासन की निष्क्रियता भी प्रकट होती है।

नगर निगम प्रशासन समय-समय पर इन अवैध होर्डिंग को हटाने की कार्यवाही भी करता रहा है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नगर निगम आज तक भी नहीं कर पाया है। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित राजीव चौक पर बनाए गए फुटओवर ब्रिज पर भी लोगों ने होर्डिंग लगाए हुए हैं।

जीनस अपेरल्स ने जी99 मास्क लॉन्च किया, जो 99.99 प्रतिशत कोरोना वायरस नष्ट करता है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली स्थित निर्माता एवं निर्यातक, जीनस अपेरल्स ने जीनस जी99 मास्क लॉन्च किया, जो कोरोना वायरस को 99.99 प्रतिशत नष्ट करता है। यह अमेरिका की आईएसओ सर्टिफाईड लैबोरेटरी द्वारा अनुमोदित है। यह स्विस टेक्नॉलॉजी द्वारा पॉवर्ड है, जो प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट में कोविड-19 करने वाले मानव कोरोनावायरस 229 ई एवं सार्स कोविड 2 को 99.99 प्रतिशत तक नष्ट करने के लिए प्रमाणित है।

अमित अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, जीनस अपेरल्स ने कहा, दुनिया में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के साथ लोगों को इस वायरस से खुद को सुरक्षित रखना जरूरी हो गया है। अरविंद केजरीवाल ने सही कहा है कि मौजूदा समय में

अमेरिका की आईएसओ लैबोरेटरी द्वारा प्रमाणित

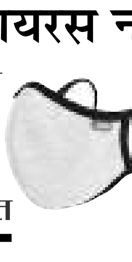

'फेस मास्क नई वैक्सीन' बन गया है। हमें जीनस जी99 मास्क लॉन्च करने की खुशी है, जो यूएसए की आईएसओ सर्टिफाईड लैबोरेटरी द्वारा प्रमाणित है और कोरोना वायरस के खिलाफ 99.99 प्रतिशत प्रभावशाली है। विचारशील डिजाईन, अल्ट्रा-ब्रेदेबल फैब्रिक, सर्वाधिक सुरक्षा के लिए बेहतरीन फिट के साथ जीनस जी99 मास्क 99 प्रतिशत बैक्टीरियल फिल्टर एफिशियंसी (बीएफई) एवं 92 प्रतिशत पार्टिकल फिल्ट्रेशन एफिशियंसी (पीएफई) प्रस्तुत करता है। जीनस में हम आत्मनिर्भर भारत के लिए ग्राहकों को वैश्विक गुणवत्ता के मापदंड प्रदान करने का प्रयास करते हैं और हम हर किसी से आग्रह करते हैं, कि वह सुरक्षित रहे।'' मास्क को अभी तक भारत में शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है और यह अमेरिका, यूके, फ्रांस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएई, दुबई, नाईजीरिया, सीरिया, म्यनमार, ओमान, डेनमार्क, स्पेन, जर्मनी, अफगानिस्तान आदि देशों को निर्यात किया जा रहा है।

उत्पाद को मिले सर्टिफिकेशन

जीनस जी99 मास्क का अमेरिका की आईएसओ सर्टिफाईड लैबोरेटरी में परीक्षण किया गया है कि यह कोरोनावायरस को नष्ट करता है। इन मास्क में इस्तेमाल की गई स्विस टेक्नॉलॉजी प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट में सार्स कोविड2 नष्ट करने के लिए प्रमाणित है।

सांसद नायब सैनी का पंजाब के मुख्यमंत्री पर हमला

किसानों के सच्चे हितैषी हैं कैप्टन तो दें एसवाईएल का पानी

बोले, किसानों को भटका कर कांग्रेस पार्टी का किसान विरोधी एजेंडा आगे बढ़ा रहे

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

शनिवार को बीजेपी नेता विनोद सिंगला के निवास पर पहुंचे कुरुक्षेत्र सांसद नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों से बातचीत में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह पर जुबानी हमला बोला। सांसद ने कहा कि कैप्टन अमरेंद्र यदि वास्तव में स्वयं को किसान वर्ग के हितैषी प्रमाणित करना चाहते हैं तो उन्हें पहले सतलुज यमुना लिंक नहर का निर्माण करवा हरियाणा के किसानों को उनके हक का पानी देकर किसानों के साथ न्याय करना चाहिए।

उन्होंने कहा की कृषि सुधार विधेयकों के बहाने कैप्टन अमरेंद्र सिंह पंजाब के किसानों को आंदोलन के लिए भटका कर कांग्रेस पार्टी का किसान विरोधी एजेंडा आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर भी कटाक्ष करते हुए कहा किसानों को लेकर कांग्रेस ने सदैव आधारहीन राजनीति की है, जिसको लेकर कांग्रेस का किसान विरोधी चेहरा समय-समय पर उजागर भी होता रहा है। उन्होंने कहा की कांग्रेस को पता है कि किसानों के उत्थान व कृषि क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि की दिशा में तीनों विधेयक अभूतपूर्व रूप से परिणामदायक परिमाणित होने जा रहे हैं। परंतु कांग्रेस ने इन विधायकों के विरोध में किसानों को दिग्भ्रमित कर आंदोलन के लिए उकसाने का कार्य किया जा रहा है। वहीं सांसद ने आंदोलन कर रहे किसानों से भी शांत रहने की अपील करते हुए कहा कि किसानों की आय दोगुणा करने की दिशा में प्रधानमंत्री मोदी क्रमबद्ध व योजनाबद्ध रूप से नीतियों को क्रियान्वित कर रहे हैं।

तीन कृषि सुधार विधेयक भी इसी क्रमबद्ध का एक हिस्सा हैं। ऐसे में किसानो को समझना चाहिए की उनका सच्चा हितैषी कौन है। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन डॉ. ऋषिपाल सैनी, राजकुमार शर्मा, धनपत सैनी, पुनीत सिंगला, हिमांशु सिंगला, अंकुश बकाना, राजीव सैनी, मुनित कुमार, दिनेश जोहर आदि मौजूद थे।

सर्व कर्मचारी संघ व सीटू ने किया प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौपा ज्ञापन

भिवानी। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा व सीटू के आह्वान पर किसान आंदोलन के समर्थन मे किसान-मजदूर, महिला ठाकुर बीर सिंह पार्क में एकत्रित हुए तथा केन्द्र व राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आक्रोश प्रदर्शन की अध्यक्षता सकसं जिला सचिव सूरजभान जटासरा द्वारा की गई व संचालन सीटू जिला सचिव अनिल कुमार ने की। आक्रोश प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए सीटू जिला उपाध्यक्ष कामरेड ओमप्रकाश व सकसं उपाध्यक्ष मास्टर जग रोशन ने कहा की भाजपा सरकार किसान विरोधी काले कानून लागू कर किसानी व खेती को बर्बाद करने में तुली हुई हैं। इन काले कानूनों से कृषि बर्बाद हो जाएगी तथा किसान आत्महत्या करने पर मजबूर होगा। किसानी काले कानूनों के खिलाफ देश भर में किसान आंदोलनरत है। किसान आंदोलन लगातार मांग कर रहा हैं कि इन काले कानूनों को रद्द किया जाए तथा फैसलों पर एमएसपी लागू किया जाए।

किसान लड़ रहे अपने अस्तित्व बचाने की लड़ाई : गोराया

पायनियर समाचार सेवा। निगदू

यह किसान आंदोलन कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है। बल्कि मौजूदा समय में किसान अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह शब्द जननायक जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह गोराया ने कही। उन्होंने कहा कि खेती पर बढ़ रही लागत के कारण किसान निरंतर कर्जदार होता जा रहा है।

जब केंद्र में मोदी सरकार सत्ता में आई तो किसानों को बहुत उम्मीद थी, की कर्ज माफी के साथ सरकार किसानों की लागत को ध्यान में रख कर फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य स्वामिनाथन कमीशन की सिफारिशों के मुताबिक देगी। जिससे किसान फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो सकेगा। परंतु केंद्र की सरकार ने स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू करने के अपने वादे से पलटते हुए शांता कुमार कमीशन के मुताबिक एमएसपी व सरकारी खरीद से पीछे हटने का इरादा जाहिर किया है। गोराया ने कहा कि सरकार विवादित तीन अध्यादेश लेकर आई व जल्दबाजी में बगैर बहस के संसद से पास करवा कर इन्हें कानून बना दिया। इस कानून को बनाने से पहले न तो किसानों की राय ली गयी और न ही इसमें किसान हितों का ध्यान रखा गया। उन्होंने कहा कि तीनों अध्यादेश चूंकि केंद्र सरकार द्वारा लागू किये गए हैं और यह केंद्र का विषय है तो उनकी पार्टी केंद्र से किसानों की मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करने को कह रही है। उन्होंने कहा कि किसानों का मानना है कि यह कानून बड़ी कंपनियों को लाभ पहुंचाने वाले हैं। इससे छोटे व मध्यम किसान की जमीन को कंपनियां आसानी से हथिया लेंगी। इसके अलावा इन कानूनों में न्यूनतम समर्थन मूल्य की शर्त भी नहीं रखी गई जो किसान की चिन्ता का सबसे बड़ा कारण है। जजपा जिलाध्यक्ष ने कहा मजबूरन किसानों को आंदोलन की राह पर चलना पड़ा है। यदि सरकार पिछले दो माह से आंदोलन कर रहे किसानों की मांगों पर ध्यान देती तो किसानों को दिल्ली कूच करने की जरूरत ही नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि सरकार को अब भी किसानों की मांगों को गंभीरता से लेना चाहिए। तथा विवादित कानून को समाप्त कर कृषि क्षेत्र को ज्यादा अनुदान दे कर किसान की खुशहाली के मार्ग खोलने की पहल करनी चाहिए।

किसान विरोधी नीतियों के विरोध में नारेबाजी

भिवानी। जिले के उपमंडल बवानीखेड़ा में केंद्र सरकार द्वारा किसान विरोधी तीन कानून पास किए जाने के विरोध में शनिवार को हरियाण जागृति मोर्चा के सदस्यों ने कस्बे में नारेबाजी की। मोर्चा के सदस्यों ने दो दिनों से किसानों पर हो रही ज्यादातियों पर रोष जताया और कहा कि किसान हितैषी होने का दावा करने वाली भाजपा सरकार ने किसानों को तबाह कर दिया।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने किसान विरोधी नीतियां वापस नहीं ली तो वे अनिश्चितकालीन आंदोलन चलाने पर मजबूर होंगे। हरियाणा जागृति मोर्चा के सदस्य कस्बे के मुख्य चौक पर एकत्रित हुए। एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए हरियाणा जागृति मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंधू व सरक्षंक रामकिशन काजल ने संयुक्त रूप से बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से किसान आंदोलनरत है। पंजाब के किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली जा रहे है, लेकिन हरियाणा सरकार उनके राह में रोड़ा बन रही है। उनको जगह-जगह बैरिकेटस लगाकर रोका जा रहा है। इससे साबित होता है कि प्रदेश सरकार किसानों का भला नहीं चाहती।

सर्व कर्मचारी संघ ने किया रोष प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। लघु सचिवालय पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते कर्मचारी।

सर्व कर्मचारी संघ ने किसान आंदोलन के समर्थन में व केंद्र व हरियाणा सरकार की दमनकारी नीति के विरोध में उपायुक्त कार्यालय पर रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान ओमप्रकाश ने की। मंच संचालन सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव रविंद्र तोमर ने किया।

रोष प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला प्रधान ओमप्रकाश ने बताया कि सरकार जानबूझकर आमजन को संघर्ष के रास्ते पर धकेल रही है। 3 महीने से चले किसान आंदोलन को बातचीत के माध्यम से सुलझाने की बजाय शांतिपूर्ण ढंग से किसान दिल्ली के जंतर मंतर पर अपनी बात रखने के लिए व केंद्र सरकार को जगाने के लिए जा रहे थे सरकार ने तानाशाही रवैए से किसानों के रास्ते में तरह-तरह के अवरुद्ध खड़े करके उनको लडने के लिए मजबूर कर दिया।

उनके ऊपर दमनकारी नीति अपनाते हुए महिलाओं, बुजुर्गों व बच्चों को भी न बक्शते हुए लाठी-डंडों व पानी की बौछार से उनके ऊपर हमले किए गए जो बहुत ही निंदनीय व घिनौना कार्य है। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए महावीर दहिया आंगनवाड़ी राज्य कैशियर, भीम सिंह सैनी नेता सीटू ने बताया कि बीजेपी सरकार शुरू से ही देश विरोधी रही है। वह अंग्रेजों का साथ देने वाली रही है जोकि आज देशभक्ति का नाटक करके लोगों को झूठे प्रलोभन देकर के सत्तासीन हो गई है। लेकिन जनता इनकी चालों को समझ चुकी है व सभी वर्ग एकजुट होकर इन को सत्ता से बाहर करने का काम करेंगे।

प्रदर्शन में सुदेश कुमारी व चंद्र रेखा जन संघर्ष मंच के नेताओं ने भी अपनी बात रखते हुए बताया कि सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा तो दे रही है लेकिन बेटियों की सुरक्षा में कोई कार्रवाई ना करके दिन प्रतिदिन बलात्कार करके बेटियों की हत्या की जा रही है। प्रदर्शन में उषा जन संघर्ष मंच, बलवंत देशवाल रोडवेज डिपो प्रधान, बलबीर सिंह पब्लिक हेल्थ प्रधान, संत कुमार पूर्व प्रधान, कृष्ण कुमार केडीबी, नीलकंठ शर्मा कुंटिया प्रधान, रामफल कुंटिया नेता, मनजीत आशा वर्कर, रितु आशा वर्कर, मान सिंह जिला प्रधान रिटायर कर्मचारी संघ कुरुक्षेत्र ने भी अपनी बात रखी।

जाम की स्थिति देख जीटी रोड का रूट डायवर्ट

राई व कुंडली जीटी रोड पर स्थित पेट्रोल पंप, शराब की दुकानें बंद करने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते डीसी पूनिया।

लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेते हुए उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कहा कि दिल्ली कुंडली बोर्डर पर दिल्ली कूच को लेकर किसानों ने जमावड़ा किया हुआ है, ऐसी स्थिति में कोरोना संक्रमण देखते हुए वहां स्वास्थ्य संबंधी सभी बारीकयों का ध्यान रखें। किसानों को मास्क का प्रयोग करने और सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए जागरूक करें ताकि कोरोना के संक्रमण से बचा जा सके। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राई व कुंडली जीटी रोड पर स्थित पेट्रोल पंपों, शराब की दुकानों को बंद किया जाए।

पूनिया ने किसानों का आह्वान करते हुए कहा कि कोरोना के संक्रमण से बचने के लिए सभी किसान मास्क का प्रयोग करें तथा सामाजिक दूरी का भी पालन करें, ताकि आप अपने व दूसरे लोगों के स्वास्थ का ध्यान रख सकें। पूनिया ने औद्योगिक क्षेत्र राई व कुंडली के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी कंपनी मालिकों से संपर्क बनाए रखें और कंपनियों में महिलाओं की नाइट ड्यूटी पर रोक लगाई जाए व महिलाओं की छुट्टी सायं को 5 बजे से पहले की जाए, ताकि महिलाओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राई व कुंडली जीटी रोड़ पर स्थित पेट्रोल पंपों, शराब की दुकानों को बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जीटी रोड पर जाम की स्थिति को देखते हुए जीटी के रूटों को बदला गया है।

जिला पानीपत से सोनीपत की ओर जीटी रोड पर आने वाले यातायात को पानीपत से गोहाना की ओर डायवर्ट करने के लिए पानीपत प्रशासन से बातचीत की गई है। ताकि यातायात को पानीपत से गोहाना-रोहतक-आसोदा या पानीपत से गोहाना-खरखौदा-पिपली या आसोदा होते हुए केएमपी पर भेजा जा सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा, अतिरिक्त उपायुक्त मुनीश शर्मा, एसडीएम सोनीपत विजय कुमार, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त सुभाष, सीएमओ डा. जेएस पूनिया, डा. मनीष छिल्लर सहित संबंधित सभी अधिकारी मौजूद रहे।

जनसंगठनों के प्रतिनिधियों ने धरने पर की नारेबाजी

भिवानी। सरकार द्वारा शारीरिक शिक्षकों को बहाल न किये जाने के रोष स्वरूप सभी जनसंगठनों व शारीरिक शिक्षकों ने यहां लघु सचिवालय के बाहर चल रहे धरने पर जोरदार नारेबाजी की।

धरने की अध्यक्षता शारीरिक शिक्षक पवन बडदू ने की। अनशन पर प्रवीण कुमारी पीटीआई, नीतू रानी, विनोद सांगा, विनोद वैद्य बैठे। शारीरिक शिक्षक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने फूल माला पहनाकर बैठाया। धरने पर उपस्थित शारीरिक शिक्षकों व अन्य संगठनों के कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए जिला प्रधान दिलबाग जांगड़ा ने कहा कि हमें धरने पर बैठे 167 दिन हो गए हैं। गठबंधन सरकार कोरे अश्वासन के सिवाये कुछ नहीं कर रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल से भी प्रतिनिधि मण्डल की वार्ता हो चुकी है जिसमें उन्होंने अश्वासन दिया था कि जल्द ही शारीरिक शिक्षकों को शिक्षा विभाग में समायोजित किया जाएगा, लेकिन दो माह बीत जाने के बाद भी पीटीआई अपनी मांगों के लिए संघर्षरत हैं। सरकार लगातार शारीरिक शिक्षकों की अनदेखी कर रही है।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

सचाई से हमेशा आजकल वो मुँह चुराता है
वो धरती-माँ के बेटों को भी आतंकी बताता है
छवि धूमिल हुई है विश्व में, क्या फ़र्क़ पड़ता है
बिकाऊ मीड़िया सुन, ये टिकाऊ अन्नदाता है

वी ने उपभोक्ताओं को फायदे प्रदान करने के लिए लॉन्च किया सहयोगात्मक प्रोग्राम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम / हिसार

ऑनलाइन शिक्षा स्वास्थ्य, बिजनेस के तरीके, आज के डिजिटल जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके है

उपभोक्ताओं को एक बेहतर कल देने के प्रयास में नए टेलीकॉम ब्राण्ड वी ने भारतीय मोबाइल उपयोगर्ताओं को लर्निंग और अपस्किलिंग, स्वास्थ्य एवं वेलनेस तथा बिजनेस में सहयोग प्रदान करने के लिए सहयोगात्मक प्रोग्राम का लॉन्च किया है। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने आज की डिजिटल सोसाइटी में उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस अनूठी पहल की शुरुआत की है, जो उद्यमों एवं लोगों को कई फायदों से लाभान्वित करेगी। इस नए प्रस्ताव के माध्यम से वी न केवल उत्कृष्ट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगा बल्कि अपने मूल बिजनेस के साथ डिजिटल उत्पादों एवं सेवाओं की व्यापक रेंज भी पेश करेगा।

कुछ ही महीनों के अंदर, दुनिया पूरी तरह से बदल गई है, हमारे जीने और काम करने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है। महामारी के चलते डिजिटल एवं दूरसंचार सेवाओं की उपयोगिता बढ़ी है, जो आज की डिजिटल सोसाइटी में बेहद महत्वपूर्ण हो गए हैं। इस बदलते परिवेश के बीच कनेक्टिविटी एवं मनोरंजन के दायरे से बाहर जाकर ऑनलाईन शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजनेस के ऑनलाइन तरीके, आज के डिजिटल जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। आज के उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने और उनहें लाभान्वित करने के लिए वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने लर्निंग एवं अपस्किलिंग, स्वास्थ्य एवं वैलनैस और कारोबार के क्षेत्रों के मुख्य साझेदारों के साथ सामरिक साझेदारियां की हैं। कंपनी ने अपग्रेड, उडेमी, पैडागोगी, क्योर, फिट, 1एमजी, एमफाईन, यूनीमार्ट, हबलर और फिस्क1 के साथ साझेदारियां की हैं और आने वाले समय में कंपनी इन क्षेत्रों में अधिक से अधिक साझेदारों के साथ जुड़ने की योजना बना रही है, ताकि वी के उपभोक्ता इन साझेदारों के एक्सक्लुजिव ऑफर्स का लाभ उठा सकें।

रविन्दर टक्कर, एमडी एवं सीईओ, वोडाफोन आइडिया ने कहा, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की कारोबार रणनीति का एक मुख्य स्तंभ है- विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारियों और डिजिटल रेवेन्यू स्ट्रीम्स को बढ़ावा देना। इससे हम अपने उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट अनुभव प्रदान कर सकेंगे और उन्हें अपने कारोबार के विकास के अवसर भी प्रदान कर सकेंगे।

पेयजल कनेक्शन को लेकर लोगों ने जताया रोष

सोनीपत। ड्रेन नम्बर-6 के पक्का कराने को लेकर निगम प्रशासन द्वारा शहर के आदर्श नगर में ड्रेन के किनारे रहने वाले लोगों के कनेक्शन काटे जाने के निर्देश दिए हैं, जिसके विरोध में शनिवार को क्षेत्रवासियों एकत्रित होकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ रोष प्रकट किया। क्षेत्रवासियों ने इसकी सूचना नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन अशोक छाबड़ा को दी। सूचना मिलने के बाद अशोक छाबड़ा के पुत्र एवं कांग्रेस नेता अनुज छाबड़ा मौके पर पहुंचे।

कांग्रेस नेता अनुज छाबड़ा को लोगों ने बताया कि उनके पेयजल कनेक्शन काटे जा रह हैं। इस पर छाबड़ा ने कहा कि नगर निगम की तरफ से निर्देश दिए जा रहे हैं कि ड्रेन-6 के किनारे रहने वाले लोग अपने पेयजल कनेक्शन हटा ले। जल्द ही पेयजल कनेक्शन नहीं हटाए तो निगम सभी को मशीन से उखाड़ देगा, जबकि यह गलत है। अनुज छाबड़ा ने कहा कि नगर निगम ने पहले लोगों को पेयजल मुहैया करवाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

महात्मा फुले के आदर्शों से ही समाज में समानता आएगी

भिवानी। महात्मा ज्योतिबा फुले की 130वीं परिनिर्वाण दिवस पर उनको शहीद भगत सिंह स्मारक में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबुद्ध नागरिक मियां सिंह व सुखदेव पालवास ने संयुक्त रूप से की। मंच का संचालन सुरेश सैनी ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए विभिन्न वक्ताओं ने वर्तमान जातिवादी व धार्मिक कट्टरता पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि जो ग्रंथ वेद महापुराण वर्ण व्यवस्था जायज ठहरा हैं, वहीं जातिवादी उत्पीड़न का आधार देते हैं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित संविधान जो जाति वर्ण लिंग में धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता उसे मजबूत करके राजनीतिक आजादी के बाद सामाजिक व आर्थिक बराबरी लानी होगी इसके लिए महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्श से उनकी प्रेरणा लेकर हमें रास्ता अपनाना चाहिए ज्योतिबा फुले व सावित्री बाई फुले पुणे के लिए शिक्षा की अलख जगाई थी उसे आगे बढ़ाना होगा व संविधान को खत्म करने वालों के विरुद्ध संघर्ष करना पड़ेगा देश के संसाधनों व उनके प्रबंधन बहुमत मेहनतकश को अपने हाथ से लेना होगा इन महापुरुषों के आदर्श को पूरा किया जा सकता है।

निकिता के हत्यारों को फांसी देने को सौंपा ज्ञापन

भिवानी। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल ने लव जिहाद को हरियाणा से खत्म करने व निकिता तोमर के हत्यारों को फांसी की सजा देने के लिए उपायुक्त के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन इंचार्ज दलबीर को देकर मांग की है कि जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने लव जिहाद के ऊपर सख्त कानून बनाया है उसी प्रकार हरियाणा सरकार राज्य में भी उसी तरह या उससे कठोर कानून बनाये जिससे राज्य में घटने वाली लव जिहाद की घटनाओ के ऊपर रोक लगाई सके। ज्ञापन के माध्यम से जिला मंत्री वरुण बजरंगी व जिला संयोजक अजीत कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार से मांग की है कि 3 लोगों की जो कमेटी बनाई है, वो जल्द से जल्द लव जिहाद के ऊपर कानून को पारित करे वरना विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल को मैदान में उतारना पड़ेगा और इसका जो भी खामियाजा होगा वो सरकार को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम सब ये आंख मिचौली का खेल काफी सालो से देख रहे है अब यदि इस पर जल्द कारवाही नही हुई तो हमे सडको पर उतरना पड़ेगा और हमारी बहन बेटियो को इंसाफ दिलाने के लिए इकठा होना पड़ेगा। आज देश में लव जिहाद के ऊपर बहुत सख्त कानून की आवशकता है। सरकार किस कारण से चुप बैठी है समझ में नही आ रहा हम सब अपने मौलिक अधिकारों की ही मांग तो कर रहे है हमारी मांग पूर्ण रूप से सवैधानिक है।

मंडियों से खरीदा 10 लाख 60 हजार एमटी धान

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने कहा कि मंडियों में खरीद केन्द्रों पर 28 नवम्बर तक विभिन्न एजेंसियों द्वारा 10 लाख 65 हजार 544 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इसके साथ-साथ खरीदी गई धान में से 10 लाख 60 हजार 106 मीट्रिक टन धान उठान के साथ 99 फीसदी उठान कार्य पूरा कर लिया गया है। उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने शनिवार को बातचीत करते हुए कहा कि जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक की रिपोर्ट के आधार पर जिला कुरुक्षेत्र की मंडियों व खरीद केन्द्रों से 10 लाख 65 हजार 544 मीट्रिक टन धान खरीदी गई है। इस आवक में से फूड सप्लाई विभाग ने 7 लाख 88 हजार 65 मीट्रिक टन, हैफेड ने 2 लाख 75 हजार 758 मीट्रिक टन व एफसीआई द्वारा 1721 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है।

25 स्थानों पर कंटेनमेंट जोन बनाने के आदेश

कुरुक्षेत्र। जिलाधीश एवं उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने कहा कि कोरोना वायरस के फैलाव एवं रोकथाम के लिए कुरुक्षेत्र जिला में सिरसला, मथाना, उमरी, कनीपला, प्रतापगढ़, बीएनसी कालोनी पिपली, बचगावां, अजरानी, सेक्टर-2, 5, 7, 13, थानेसर वार्ड- 4, 22, 31, न्यू कालोनी, बैंक कालोनी आदि में 25 स्थानों पर कोरोना पॉजिटिव केस मिलने पर कंटैनमेंट जोन बनाने के आदेश दिए है। इन क्षेत्रों में कंटेनमेंट और बफर जोन बनाकर नोडल अधिकारी नियुक्त कर हेल्प लाईन नम्बर भी जारी किए गए है। जिलाधीश एवं उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने जारी आदेशों में कहा है कि सिरसला, मथाना, उमरी, कनीपला, प्रतापगढ़, बीएनसी कालोनी पिपली, बचगावां, अजरानी, सैक्टर-2, 5, 7, 13, थानेसर वार्ड- 4, 22, 31, न्यू कालोनी, बैंक कालोनी आदि में 25 स्थानों पर कोरोना सैम्पलों की रिपोर्ट पाजिटिव आई है, प्रशासन ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के तुरंत बाद ही सम्बन्धित क्षेत्रों को कंटेनमेंट व बफर जोन में शामिल करते हुए सेनिटाइज करने के आदेश दिए है।

ध्यान शिविर आज

कैथल। आध्यात्मिकगुरु रविशंकर द्वारा संचालित संस्था आर्ट ऑफ लिविंग की कैथल इकाई द्वारा 29 नवम्बर को सुबह 7 बजे से 8 बजे तक परमपूज्य गुरुदेव रविशंकर की पवित्र वाणी में राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन दिव्य-सुदर्शन क्रिया फॉलोअप का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम केदौरान प्रतिभागी साधक संगीतमय योग, पदम-साधना, ध्यान, सूक्ष्म-व्यायाम तथा दिव्य सुदर्शन क्रिया का अभ्यास करते हुए परमानन्द एवं दिव्य-ऊर्जा की सुखद अनुभूति अर्जित कर पाएंगे।

दिनचर्या बदलकर बच सकते हैं बीमारियों से : मीनाक्षी महता

भिवानी। श्री अग्रसेन महिला मंडल द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन सारिका कोकड़ा ने किया। डाक्टर मीनाक्षी महता व उनकी टीम ने शिविर में 45 मरीजों की के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवाइयां वितरित की। डाक्टर महता ने सभी को करोना महामारी के चलते योग के नियमित अभ्यास के बारे में जागरूक किया। हम अपनी दिनचर्या को बदलकर अनेक बीमारियों से बच सकते हैं। प्रतिदिन सुबह व सांय सैर करनी चाहिए। अगर प्रतिदिन व्यायाम भी करें तो यह सोने पर सुहागा होगा। इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्षा रेखा गुप्ता ने कहा श्री अग्रसेन महिला मंडल द्वारा ऐसे जनहित के कार्य लगातार किए जा रहे हैं व ऐसे चिकित्सा शिविर लगातार चलते रहेंगे ताकि आम जनता स्वास्थ्य लाभ ले सकें।

प्रयास संस्था ने नशे के विरुद्ध निकाली जागरुकता यात्रा

कुरुक्षेत्र। प्रयास संस्था शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा नशा विरोधी अभियान के अंतर्गत प्रथम पैदल यात्रा निकाली गई। यात्रा में उपस्थित संस्था के पदाधिकारी मोहन नगर से प्रारंभ होकर शहर में घूम घूम कर लोगों को जागरूक कर रहे थे। प्रयास संस्था शाखा कुरुक्षेत्र के कार्यकारी प्रधान डॉ. अशोक कुमार वर्मा की अध्यक्षता में यह यात्रा आरंभ हुई। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो हरियाणा के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव ने वर्ष 1999 में फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक होते हुए यह प्रयास संस्था स्थापित की थी जिसका उद्देश्य नशे को समूल नष्ट करना था। संस्था के उप प्रधान भारतेन्दु हरीश, सेवानिवृत उप निरीक्षक पुलिस कर्म चंद, दुष्यंत शर्मा, महासचिव प्रोफेसर विवेक शर्मा, एडीआर सेंटर की अधिकारी और महिला महासचिव रुमन गुप्ता, कोषाध्यक्ष डॉ. अरुण धीमान, सह कोषाध्यक्ष प्रशांत शर्मा, मुख्य सलाहकार मदन लाल सारसा, कुलवंत सिंह आदि उपस्थित रहे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

संविधान की शुचिता का संरक्षण अनिवार्य

उन लोगों की विफलता के लिए संविधान की आलोचना करके, जिन पर उसकी शुचिता बनाए रखने की जिम्मेदारी है, हम संविधान के संस्थापकों एवं इबारत दोनों के प्रति अन्याय करते हैं।

अनुराग तिवारी
(लेखक राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय विशाखापत्तनम से संबद्ध हैं।

नवंबर का महीना इतिहास में एक महत्वपूर्ण महीना रहा है। 26 नवंबर 1940 को नाज़ी जर्मनी ने वॉरसा में यहूदी समुदाय के लोगों को दीवारों में कैद करने की शुरुआत की थी। नवंबर 1941 में, जापानी प्रथम हवाई बेड़े ने, जिसे किदो बुताई के नाम से भी जाना जाता है, एक अचम्भित करने वाली सैन्य कार्रवाई में, कुरील द्वीप समूहों को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पर्ल हार्बर पर हमला करने के लिए छोड़ दिया था। नवंबर 1944 में, एक जर्मन राकेट लंदन में वूलवर्थ की दूकान पर आकर गिरा जिसमें 186 लोग मारे गए थे। साथ ही साथ, उसी दिन, एक अग्रणी नाज़ी सैनिक, हिमलर, ने आसविज-बिरकेनू श्मशान को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। विश्व की राजनीति में उथल-पुथल की सिथति थी। लोकप्रियतावादी नेता, जो नौकरशाही से पैदा हुए थे, और विस्तारवाद के उनके जुनून की गंभीर आलोचना हो रही थी और वैश्विक रूप से जवाबदेह ठहराए जा रहे थे।

भारत में, हिन्दू-मुस्लिम तनाव और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के बीच मतभेद खतरनाक ढंग से बढ़ रहे थे। कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के बीच शिमला सम्मेलन में किए गए विफल प्रयास के बाद, यूके में लेबर पार्टी की अगुवाई में सत्तासीन सरकार द्वारा स्वतंत्र भारत का भविष्य तय करने के लिए तीन सदस्यीय समिति द्वारा कैबिनेट मिशन योजना निर्धारित की गई थी। चुकि कैबिनेट मिशन ने मुस्लिम लीग की मांगें खारिज कर दी थीं, लीग ने नाराज़ होकर कुख्यात ''प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस'' मनाने की घोषणा कर दी जिसके कारण देशभर में बड़े पैमाने पर हिंसा का तांडव मचा था।

इस अशांति के बीच, 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा ने एक स्वतंत्र एवं लोकतांत्रिक भारत के लिए औपचारिक रूप से संविधान को आत्मसात किया। कई घंटों के वाद-विवाद, चर्चाओं एवं विमर्शों के उपरांत, जो लगभग तीन वर्ष तक जारी रहे, जिसमें अपार विश्वसनीयता वाले 350 से अधिक पुरुषों व महिलाओं ने भाग लिया, संविधान को अपनाया गया था।

यह भारत के सामाजिक-राजनीतिक एवं संवैधानिक इतिहास में कोई साधारण पल नहीं था। बहुसंख्य भारतीयों के लिए, यह अतीत से अलग हटकर एक पल था। हालांकि, संस्थापकों के लिए, एक संविधान बनाने का कार्य कहीं ज्यादा संवेदनशील प्रकृति का था। उनकी दोहरी भूमिका थी। एक तरफ, उन्हें दुनिया व इबारत को पढ़ने वाली भावी पीढ़ियों के समक्ष यह सही ठहराना था कि भारत दोनों देशों में बेहतर था (दूसरा पाकिस्तान है) जिनका निर्माण विभाजन के फलस्वरूप हुआ था और दूसरी ओर, उन्हें ऐसा संविधान प्रारूपित करना था जो संस्थापकों के संघर्ष को परिलक्षित करता हो। इस दूसरी भूमिका, जिसका उल्लेख अभिनव चंद्रचूड़ ने अपनी पुस्तक, रिपब्लिक आफ रिहटोरिक, में किया है, कि इसके दो प्रतिस्पर्धी लक्ष्य थे, एक था भारत का रूपांतरण करना और दूसरा चीजों को बनाए रखना। निरंतरता और परिवर्तन दो महत्वपूर्ण पहलू थे जिन्होंने संविधान सभा के संविधान निर्माण जनादेश को तर्कसंगत रूप दिया। ग्रवेनाइल ऑस्टिन, उल्लेख करते हैं कि संविधान एक सामाजिक क्रांति लाने का प्रयास करता है और साथ ही साथ राष्ट्रीय एकता व स्थिरता को संरक्षित करने का प्रयास भी करता है।

संस्थापक निष्पक्ष रूप से आशावादी भारतीय जन थे। उन्होंने एक ऐसा संविधान बनाया जो न केवल समय से आगे था बल्कि भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक सकारात्मक एवं उग्र हस्तक्षेप था। उदाहरण के लिए, इसने छुआछूत का अंत किया, किसी का भी उपाधि ग्रहण करना असंवैधानिक करार दिया और उन लोगों के लिए एक सकारात्मक कार्रवाई का प्रावधान किया जिन्हें समाज द्वारा ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रखा गया था।

संस्थापक निष्पक्ष रूप से आशावादी भारतीय जन थे। उन्होंने एक ऐसा संविधान बनाया जो न केवल समय से आगे था बल्कि भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक सकारात्मक एवं उग्र हस्तक्षेप था। उदाहरण के लिए, इसने छुआछूत का अंत किया, किसी का भी उपाधि ग्रहण करना असंवैधानिक करार दिया और उन लोगों के लिए एक सकारात्मक कार्रवाई का प्रावधान किया जिन्हें समाज द्वारा ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रखा गया था। इसने सार्वभौमिक मताधिकार सुनिश्चित किया, धर्म, जाति, श्रेणी, लिंग अथवा प्रजाति से परे देश के सभी नागरिकों के लिए समानता एवं मूल अधिकार सुनिश्चित किए।

यह सब कुछ ऐसे समय पर हुआ जब विश्व इन बदलावों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था। उदाहरण के लिए, अमेरिका में, उसके दुनिया में सबसे पुराना संवैधानिक गणतंत्र होने के बावजूद, 1954 में कहीं जाकर ब्राउन बनाम बोर्ड आफ एजुकेशन वाद में, जब ''पृथक मगर समान'' उपखंड को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा असंवैधानिक करार दिया गया था। अश्वेत महिलाओं को 1965 में मतदान अधिकार कानून के अंतर्गत मत देने का अधिकार मिला और अश्वेतों व भूरों के लिए सकारात्मक कदम को 2003 में ग्रटर बनाम बोलिंगर वाद के अंतर्गत संवैधानिक करार दिया गया। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने 1967 में अंतर-प्रजातीय विवाहों को संवैधानिक रूप से अनुमन्य करार दिया और छात्रों को 1969 में टिंकर बनाम डेस मोइनी वाद के अंतर्गत मुक्त अभिव्यक्ति का अधिकार प्रदान किया गया। जबकि गौरवान्वित भारत ने 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया, शायद ही हमें पता होगा कि संविधान सभा ने सर्वाधिक समतावादी एवं आगे की ओर देखने वाला संविधान ऐसे समय पर बनाया था जिसकी कई कोनों पर आलोचना हुई थी। दो तरह की आलोचनाएं की जाती थीं जो संस्थापकों के विरुद्ध थीं, एक नैतिक और दूसरी विधिक। नैतिक आलोचना यह थी कि संविधान सभा गांधी विरोधी थी और लोकतांत्रिक नहीं थी। महात्मा गांधी ने ग्राम गणतंत्रों का नारा दिया था और कहा था कि शक्ति पंचायतों में निहित होनी चाहिए जबकि संविधान ने शीर्ष से निम्न पादान तक अत्यधिक केंद्रीयकृत शासन का दृष्टिकोण अपनाया था।

संविधान सभा को गैर-प्रतिनिधिमूलक भी बताया गया क्योंकि उसके अधिसंख्य सदस्य हिन्दू थे और कांग्रेस के सदस्य नहीं थे। यह भी तर्क दिया गया था कि सभा में औपनिवेशिक मानसिकता प्रभावी थी जहां उसने संविधान प्रारूपण में अनुकरण आधारित मॉडल को अपनाया। विधिक कमियां इस दलील पर आधारित हैं कि संविधान सभा की कार्य प्रणाली राज्य प्रपत्र एवं भार स्वतंत्रता अधिकनियम 1947 के अवरुद्ध थी। बहुतों को यह भी लगा कि सभा ने गैर पंथनिरपेक्ष भारत की नींव रखी थी। हालांकि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन आलोचनाओं का दस्तावेज की पवित्रता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। दुनिया भर में आधे से अधिक संविधान 20 वर्ष तक भी नहीं चल पाए। कम से कम, ये आलोचनाएं दर्शाती हैं कि विरोध भी संविधान निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा था और सदन में लगभग प्रत्येक नेता के पास समय के एक बिंदु पर विविध मुद्दों पर जताने के लिए चिंताएं भी थीं। संविधान निश्चित रूप से जन समर्थन व उस संप्रभुता पर आधारित था जो संविधान सभा को समाज के प्रत्येक स्तर पर प्राप्त हुई थी। आज इस दस्तावेज को उन सभी की निगाह में पवित्र ग्रंथ का दर्जा प्राप्त है जो महान देश के इसके सपने में विश्वास रखते हैं। कहने का अर्थ यह नहीं है कि हम भारत में भेदभाव, असमानता एवं धार्मिक असहिष्णुता जैसी समस्याओं को पूरी तरह कुचलने में सफल रहे हैं। कहा जाए, तो हो सकता है हम विफल हुए हों, और संस्थापक आज विद्यमान स्थितियों से ज्यादा प्रसन्न नहीं होंगे। लैंगिक असमानता, जाति आधारित भेदभाव, धार्मिक कट्टरतावाद, गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक शिक्षा का अभाव, राजनीति का अपराधीकरण, भ्रष्टाचार, नीलवसन एवं श्वेतवसन अपराधों का बढ़ना, भूख, गरीबी, लोकरंजकता, बेरोजगारी, जलवायु परिवर्तन, असंतोष का दमन एवं राजनीति में लोकरंजकतावाद ऐसी चिंताएं हैं हमे व हमारे संवैधानिक कार्यतंत्र को लगातार आहत करती रहती हैं।

लेकिन इससे पहले कि हम हमारे सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में विद्यमान चीजों के लिए संविधान को जिम्मेदार ठहराएं, चलिए एक कदम पीछे हटकर उस भूमिका को समझते हैं जो इस इबारत में निहित है और जिसे हमारे देश में अस्तित्वमान लोकतंत्र सरीखी व्यवस्थाओं में भूमिका निभाने के लिए अपेक्षा का विषय मना जाता है। संविधान अंतरनिहित रूप से प्रतीकात्मक दस्तावेज होते हैं और वे लोगों के मस्तिष्क एवं ह्रदयों को परिलक्षित करते हैं। कहने का अर्थ यह नहीं कि उनमें वो सब शामिल होता है जो नैतिक रूप से अनुमन्य होता है। संविधान में लिखी इबारत उस सपनों को दोहराती व उन पर जोर दती है जो राष्ट्र ने स्वयं के लिए देखा हो।

71 वर्ष पूर्व, हमारे संस्थापकों ने ऐसे राष्ट्र का सपना देखा था जो सभी प्रकार के पूर्वाग्रहों, घृणा व कलंकों से मुक्त हो। हम उस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाए हैं। लेकिन मानी गई विफलता के लिए इबारत की आलोचना करते समय हम भूल जाते हैं कि हमारा आक्रोश गलत दिशा में जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारतीय संविधान उन पर बहुत बड़ा भरोसा करता है जिन पर यह लागू होता है, और वे हैं इस देश के नागरिक। लोगों की विफलता के लिए संविधान को जिम्मेदार ठहराकर, हम उस इबारत के प्रति अन्याय करते हैं जो केवल तभी बेहतर काम करती है जब, ''हम, जनता जनार्दन'' पूर्ण ईमानदारी से काम करें और संवैधानिक आदर्शवाद के सिद्धंतों को अक्षुण्ण रखें।

संविधान दिवस क्यों महत्वपूर्ण है इसका कारण बहुत सी सरल सा है, यह आपको कहानी सुनाता है। भारत की संवैधानिक यात्रा में उगजे सूरज की कहानी। यह आपको बताता है कि संविधान असंतोष व विरोध को ध्यान में रखकर व बौद्धिक विमर्श के साथ चलकर प्रारूपित किया गया था। यह आपको बताता है कि इस दस्तावेज का निर्माण ऐसे समय पर हुआ था जब वैश्विक राजनीति की गतिशीलता पर पुनर्विचार किया जा रहा था। यह आपको बताता है कि आलोचना के समक्ष, संविधान सभा एक ऐसा दस्तावेज बनाने में सफल रही जो अग्रगामी, आशावादी था और अब तक कई लोकरंजक सरकारों एवं स्वेच्छाचारी नेताओं के प्रकोप को झेलकर भी मजबूती से विद्यमान है। यह आपको बताता है कि, अधिक महत्वपूर्ण रूप से, संविधान की आलोचना दिग्भ्रमित है और जो लोग इसकी पवित्रता को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं उनकी विफलता का अर्थ संविधान की विफलता नहीं है।

भारत का संविधान एक जीवंत दस्तावेज है और उत्तरजीवी रहेगा तथा उन लोगों के लिए खड़ा रहेगा जो कमजोर, वंचित हैं और ऐतिहासिक रूप से शोर शराबे से भरी संसद द्वारा दरकिनार किए जाते रहे हैं। चलिए ऐसे देश के निर्माण का वादा करें जिसका उद्देश्य वहां से निर्माण करना है जहां पर संस्थापकों ने इसे छोड़ा था।

ध्वनि प्रदूषण का निरंतर बढ़ता खतरा

भारत को पटाखों पर प्रतिबंध के लिए जनान्दोलन करने की आवश्यकता है। जिसे मनोरंजन माना जाता है वह ध्वनि प्रदूषण बढ़ा कर हमारी सामूहिक आत्महत्या बन सकता है।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

चूंकि सरकार द्वारा पटाखों पर प्रतिबंध या नियंत्रण लगाने का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, इसलिए केन्द्र व राज्य सरकारों को इनके उत्पादन को कठोरता से अत्यधिक सीमित करने के कदम उठाने चाहिए। यदि उद्योग को पूरी तरह बंद न किया जाए तो पटाखों के उत्पादन पर नियंत्रण से खाली कामगारों को अन्य कामों में लगाया जा सकता है। इससे भारी मात्रा में वह पैसा भी बचेगा जो अब पटाखे दगाने में बरबाद हो जाता है। यह ऐसा उद्योग है जिसने समाज को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

भारत वर्तमान समय में कोविड-19 वैश्विक महामारी का शिकार है जो निर्मम रूप से बढ़ रही है। रोज संक्रमित व मृत लोगों के आंकड़े चिन्ता पैदा करते हैं। अनेक स्थानों, खासकर दिल्ली में वायु प्रदूषण चिन्ताजनक है। इसके कारण लोगों का कोरोनावायरस से खतरा बढ़ रहा है। इससे बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को स्थाई नुकसान हो रहा है। उम्मीद थी कि इस संकट के आर्थिक प्रभाव दीपावली पर दिखाई देंगे। बड़ी संख्या में भारतीय इसे दीपोत्सव के नाम से मनाते तथा एक दूसरे को मुबारकवाद देते हैं। विदेशों में रहने वाले अनिवासी भारतीय तथा भारतीय मूल के लोग भी इसे मनाते हैं। न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर में भी दीपावली मनाई जाती है। उम्मीद थी कि भारत में लोग दीपावली मनाते समय पटाखों से परहेज करेंगे क्योंकि देश के अनेक भागों में इन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था तथा कुछ हिस्सों में अत्यधिक सीमित किया गया था। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इनके प्रयोग में ज्यादा कमी नहीं आई और 14 नवंबर को दीपावली के दिन तथा कई स्थानों पर एक सप्ताह तक पटाखे दगे।

इससे पैदा भयानक शोर से वृद्ध, दिव्यांग व बीमार लोग प्रभावित हुए। शोर से जानवरों, खासकर कुत्तों को बहुत तकलीफ उठानी पड़ी जिनमें से कुछ तो भय के मारे पागल हो गए। पटाखों से निकलने वाले धुंए ने पहले से गंभीर वायु प्रदूषण को और खतरनाक बना दिया। नियंत्रणों व प्रतिबंधों के बावजूद पटाखे दगाने को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। हालांकि, सिविल सोसाइटी तत्वों, पर्यावरणविदों और बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने जनता से इनका प्रयोग न करने का अनुरोध किया था। स्कूली बच्चों ने अनुरोध किया था कि उनका भविष्य खतरे में न डाला जाए। पिछले अनेक वर्षों से पटाखे दगाने के खिलाफ आंदोलन विकसित हो रहा है जो ज्यादा तेज आवाज करने व भारी मात्रा में प्रदूषण बढ़ाने वाले पटाखों पर प्रतिबंध की मांग कर रहा है, लेकिन इसका कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है।

आखिर बड़ी संख्या में भारतीय प्रकाश के गरिमामय त्योहार को भयानक शोर पैदा करने वाले मौके में क्यों बदल रहे हैं? वे इस बात से अनजान नहीं हैं कि इसका असर बच्चों और उनके बच्चों पर पड़ेगा। इससे न केवल उनका स्वास्थ्य, बल्कि चरित्र भी प्रभावित हो सकता है। इससे बच्चों में कानून तोड़ने की भावना पैदा होती है। इससे सामाजिक सद्भाव तथा कानून व्यवस्था की समस्या भी पैदा हो सकती है। इससे कानून तोड़ने की भावना खतरनाक रूप से बढ़ सकती है जिसका नतीजा बाद में गंभीर अपराधों के रूप में सामने आ सकता है। पटाखे दगाने में लगे अनेक लोग इसके नतीजे नहीं समझते हैं। उनकी चेतना कम से कम पिछले दो दशकों से मर गई है।

हमें पटाखे दगाने के पीछे छिपी भावना समझनी होगी। व्यक्ति की किसी क्रिया का जन्म उसकी सहज प्रवृत्ति से होता है। कोई भी अपना जीवन बचाने के लिए तेजी आ रहे वाहन से दूर भागता है। पटाखे दगाना एक श्रृंखला का हिस्सा है जिसमें पहले इसे खरीदने का निर्णय किया जाता है। इसके बाद इसके भंडारण व फिर दगाने का नंबर आता है। इनमें से प्रत्येक कृत्य आत्माभिव्यक्ति का माध्यम है। एक फ्रांसीसी दार्शनिक रेने देकार्त ने कहा है कि हम जो सोचते हैं, वैसे बन जाते हैं। इसी प्रक्रिया का विस्तार पटाखे दगाने वाले की इच्छा में दिखता है। उसे लगता हे कि पटाखे दगाना उसके अस्तित्व का अंग है। कभी-कभी पटाखे दगाने में काफी चोट भी लगती है जिसे व्यक्ति के साहस के प्रमाण की तरह पेश किया जा सकता है। इसे प्रतिबंध या नियंत्रण का उल्लंघन करने की इच्छा की तरह भी देखा जा सकता है। इस प्रवृत्ति से विद्रोह की भावना बढ़ती है।

आत्माभिव्यक्ति के अनेक साधन हैं जिनमें कला के अनेक रूप, पेंटिग व फोटोग्राफी, फिल्में बनाना, नाटकों में अभियन करना, लेखन, गायन, नृत्य, वास्तुकला, डिजाइनिंग, आदि हैं। इनमें शामिल होने के लिए प्रशिक्षण, कौशल, प्रयास ओर प्रतिभा तथा काफी समय लगाने की आवश्यकता होती है। लेकिन पटाखे दगाने में इनकी जरूरत नहीं पड़ती है। हालांकि, यह सवाल पूछा जा सकता है कि क्या पटाखे दगाने वाले रचनात्मक गतिविधि में हिस्सा नहीं लेते हैं? कुछ लोग ऐसे हो सकते हैं, हालांकि इस बारे में कोई सर्वेक्षण शायद नहीं है। पटाखे दगाना एक अलग किस्म का व्यवहार है। इस लेखक को ऐसे किसी उपन्यासकार, कवि, नाटककार, पेंटर, फिल्मकार या प्रतिबद्ध फोटोग्राफर की जानकारी नहीं है जिसे पटाखे दगाने में मजा आता हो।

तर्क दिया जा सकता है कि लोग पटाखे इसलिए दगाते आ रहे हैं कि उनको इसमें मजा आता है। क्या समाज के अन्य लोगों को लेखकों, पेंटरों, फिल्म निर्माताओं या फोटोग्राफरों की तरह अपनी मर्जी से आनन्द मनाने या दूसरे शब्दों में पटाखे दगाने का अधिकार नहीं है और क्या उनके काम रचनात्मक नहीं हैं? इनमें बिजनेसमैन, प्रशासक, प्रबंधक, क्लर्क, वकील, डाक्टर, इंजीनियर, आदि शामिल हैं। निश्चित रूप से वे रचनात्मक काम करते हैं, लेकिन पटाखे दगा कर वे सार्वजनिक स्वास्थ्य व पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसी स्थिति में मनोरंजन का अर्थ सामूहिक आत्महत्या के लिए स्वेच्छा से प्रवृत्त होना हो सकता है। सवाल यह उठता है कि क्या हम ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहते हैं? ऐतिहासिक रूप से अनेक संस्कृतियों ने आत्माभिव्यक्ति के रूप में जायकेदार भोजन तथा नशीले पेयों को बढ़ावा दिया है। एक सीमा के भीतर ऐसा करने में कुछ गलत नहीं है। इससे मांग पैदा होती है जिसकी संतुष्टि से अर्थव्यवस्था की प्रगति में योगदान होता है तथा रचनात्मक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलता है। वर्तमान मामले में पटाखा उद्योग ने हजारों लोगों को रोजगार दिया है जो इसके निर्माण व उत्पाद के वितरण में लगे हैं।

लेकिन यह ऐसा उद्योग है जिसने समाज को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। साल दर साल दीपावली के समय तथा इसके कुछ दिन पहले व बाद में पटाखों के प्रयोग में भारी कमी की बात की जाती है। लेकिन इससे अब तक लगभग कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। हर साल पटाखों की सप्लाई बेरोकटोक जारी रहती है और इसका आयाम लगातार बढ़ रहा है।

चूंकि सरकार द्वारा पटाखों पर प्रतिबंध या नियंत्रण लगाने का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, इसलिए केन्द्र व राज्य सरकारों को इनके उत्पादन को कठोरता से अत्यधिक सीमित करने के कदम उठाने चाहिए। यदि उद्योग को पूरी तरह बंद न किया जाए तो पटाखों के उत्पादन पर नियंत्रण से खाली कामगारों को अन्य कामों में लगाया जा सकता है। इससे भारी मात्रा में वह पैसा भी बचेगा जो अब पटाखे दगाने में बरबाद हो जाता है।

इस बीच पटाखों के प्रयोग पर कठोर नियंत्रणों की मांग करने वाले सिविल सोसाइटी संगठनों, व्यक्तियों तथा स्कूली बच्चों को अपने प्रयासों में अनवरत रूप से तेजी लानी चाहिए। उनका लक्ष्य एक राष्ट्रव्यापी नागरिक आंदोलन खड़ा करना होना चाहिए। यह आंदोलन इतना सशक्त होना चाहिए कि उसे केन्द्र व राज्य सरकारें तथा पटाखों के निर्माता, वितरक व पटाखे दगाने वाले अनदेखा न कर सकें।

शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को 90 हजार यूनिट रक्तदान से निफा देगी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

भिवानी के सभी सात ब्लॉक में सामाजिक संस्थाओं के साथ लगाए जाएंगे रक्तदान शिविर

नशा नहीं, रक्तदान कीजिए। युवाओं को इस संदेश के साथ सामाजिक संस्था नेशनल इंटेग्रेटेड फोरम आफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स (निफा) शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के 90वें शहीदी दिवस पर 23 मार्च को देश भर में 90 हजार यूनिट रक्त जुटाएगी। ब्रह्मकुमारी, राष्ट्रीय रक्त संचरण परिषद (एनबीटीसी), इंडियन रेडक्रास सोसायटी और अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग से चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान में एक ही दिन 1500 रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें भिवानी भी बड़े रूप में शामिल रहेगा।

यह बात निफा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह पन्नु ने पत्रकारों से बात चीत करते हुए कही। निफा अध्यक्ष ने कहा कि भारत में हर वर्ष आवश्यकता से 20 लाख यूनिट रक्त कम इकट्ठे होते हैं और करोना संकट में यह कमी इस से बहुत ज्यादा होने वाली है, क्योंकि जहां सोशल डिस्टेंसिंग, करोना के भय, शैक्षणिक संस्थाओं के बंद रहने के कारण रक्त दान कम हो रहा है, वहीं भारत में रक्त दान को लेकर भ्रांतियां भी हैं, जिनके कारण लोग रक्तदान करते हुए डरते हैं। करोना में प्लाज्मा के अनेक बैंक खुलने के बावजूद प्लाज़्मा डोनर की संख्या नगण्य है। इस मुद्दे पर पूरे देश को जागरूक करने के लिए निफा, जिसकी देश के 26 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में शाखाएं हैं, आगे आई है और नेशनल एड्स कंट्रोल सोसायटी, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, नेशनल ब्लड ट्रैस्फ्यूजन काउसिल के साथ-साथ इनकी राज्य इकाइयों व ब्रह्माकुमारी संस्थान से इस अभियान को सिरे चढ़ाया जाएगा। निफा के प्रदेश अध्यक्ष दीपा तंवर ने बताया कि इस अभियान के बाद राष्ट्रीय स्तर पर एक सॉफ्टवेयर व मोबाइल ऐप भी लांच किया जाएगा, जिसमें देश भर के रक्त दाताओं का डाटा होगा व किसी को भी देश के किसी भी हिस्से में रक्त की आवश्यकता होने पर केवल शहर का नाम व रक्त ग्रुप लिखने पर उस शहर के उस रक्त ग्रुप के दानियों की लिस्ट सामने आ जाएगी।

अमरिंदर सिंह ने सीएम खट्टर से बात करने से साफ इंकार किया

किसानों पर अंबाला और डबवाली में मुकदमे दर्ज

किसानों का सिंधु बॉर्डर पर डटे रहने का फैसला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा और पंजाब से किसानों के दिल्ली कूच के मुद्दे पर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच सियासी घमासान और तेज हो गया है। जहां हरियाणा के मुख्यमंत्री आरोप लगा रहे हैं कि किसानों का दिल्ली कूच पंजाब सरकार द्वारा प्रायोजित है और मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह से पिछले तीन दिन के दौरान बात करने के उनके प्रयासों को जानबूझकर टाला गया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शनिवार को पलटवार करते हुए मनोहर लाल को दो टूक जवाब दे दिया कि वे बात नहीं करना चाहते। अमरिंदर सिंह ने आरोप लगाया कि किसानों को हरियाणा सरकार ने आंसू गेस और पानी की बोछारे छोड़कर खुद उकसाया है। सिंधु बॉर्डर पर डटे किसानों ने शनिवार को बैठक कर फैसला किया कि वे बुराड़ी के निरंकारी मैदान प्रदर्शन करने नहीं जाएंगे। आगे की रणनीति के लिए रोजाना बैठक की जाएगी। केन्द्र सरकार ने शुक्रवार को किसानों को निरंकारी मैदान जाकर प्रदर्शन करने की अनुमति दे दी थी, लेकिन किसानों ने केंद्र सरकार की इस सुलह की पेशकश को ठुकरा दिया था। अब किसान सिंधु बॉर्डर पर लंबा डेरा डालने का रुख अपनाए हुए हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री के प्रदेश के किसानों के दिल्ली कूच में शामिल न होने के बयान के साथ ही हरियाणा में हजारों किसानों पर हत्या के प्रयास और बलवे के मुकदमे दर्ज किए गए हैं। अम्बाला और डबवाली के थानों में मुकदमे दर्ज किए हैं। इन मुकदमों में भारतीय किसान यूनियन हरियाणा के अध्यक्ष गुरनाम सिंह भी अभियुक्त हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के हरियाणा के किसानों के दिल्ली कूच में शामिल न होने बयान पर गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने शनिवार को कहा कि सबसे पहले पुलिस के बैरियर हरियाणा के किसानों ने हटाए थे।

देश के अन्नदाता पर दमनचक्र सहन नहीं होगा : सर्व कर्मचारी संघ

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कर्मचारी

शांतिपूर्ण तरीके से कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली कूच कर रहे किसानों पर केंद्र व राज्य सरकार के दमनचक्र के विरोध में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान जरनैल सिंह व सीटू के जिला कैशियर जयप्रकाश शास्त्री के नेतृत्व में लगातार दूसरे दिन भी जवाहर पार्क से लेकर पेहवा चौक तक प्रदर्शन किया।

सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव रामपाल शर्मा, प्रेस प्रवक्ता सतबीर गोयत, आंगनबाड़ी वर्कर्स व हेल्पर्स की राज्य महासचिव शकुंतला शर्मा व किसान सभा के जिला प्रधान महेन्द्र सिंह ने बताया कि देश के सभी किसान संगठनों के सांझा मंच अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति के आह्वान पर आंदोलनरत किसान लगातार किसानों को बर्बाद करने वाले तीनों कृषि कानून वापस लेने की मांग कर रहे हैं। परंतु सरकार मांगें मानने की बजाय शांतिपूर्ण विरोध कर रहे किसानों का दमन करते हुए उन पर झूठे मुकदमे बना रही। इस अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ के जिला सहसचिव ओमपाल भाल, ब्लॉक सचिव शिवदत्त शर्मा, फायर कर्मचारी संघ के जिला प्रधान मनोज कुमार, सचिव जयप्रकाश टीक, सुरेंद्र कुमार, अमित कुमार, सतबीर सिंह, हुडा सफाई कर्मचारियों के नेता ललित कुमार, आंगनबाड़ी वर्कर्स व हेल्पर्स यूनियन की जिला सचिव नीतू, उपप्रधान राजबाला, रानी, जमीला व भतेरी सहित सैकड़ों कर्मचारी, परियोजना कर्मी व किसान उपस्थित रहे।

अमरिंदर की इंजीनियरिंग के कारण सिर्फ पंजाब में चल रहा किसान आंदोलन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने राहुल गांधी पर भी कसा तंज

हरियाणा और पंजाब में चल रहे किसान आंदोलन के लिए हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टेन अमरिंदर सिंह को जिम्मेदार ठहराया है।

विज ने कृषि कानूनों के खिलाफ हरियाणा और पंजाब के किसानों के दिल्ली पहुंचने पर ट्वीट करने के लिए विज ने राहुल गांधी को भी आड़े हाथों लिया। अनिल विज ने पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि कृषि कानून पूरे देश के लिए आया है और पंजाब को छोड़कर पूरे देश के किसानों ने इन्हें स्वीकार कर लिया, लेकिन पंजाब में अमरिंदर सिंह की इंजीनियरिंग की वजह से यह आंदोलन हुआ। विज ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने किसानों को बात करने के लिए बुलाया है और उम्मीद है कि उन्हें यह बात समझ में आ जाएगी। देश की अर्थव्यवस्था को लेकर राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी पर टिप्पणी करने पर विज ने कहा कि अब न जाने राहुल गांधी को कौन ज्ञान देता है और कौन आंकड़े समझता है। विज ने कहा कि पूरे देश में कोरोना के कारण अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है। देश की अर्थव्यवस्था भी चरमराई थी लेकिन अब कोरोना से उभर कर देश पटरी पर लौट रहा है। हरियाणा में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब सरकार ने स्कूलों को लेकर भी बड़ा फैसला लिया है।

वर्चुअल कार्यक्रम के तहत दी स्वच्छता की जानकारी

कैथल। सीएसआर कार्यक्रम के तहत प्रोजेक्ट सनराइज के हिस्से के रूप में एनजीओ के तहत वर्चुअली आयोजित की गई।

कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता तक पहुंच प्रदान करके वंचित बच्चों के समग्र कल्याण का समर्थन करना है। इसके माध्यम से 5 साल से कम उम्र के बच्चों में कुपोषण के उन्मूलन की दिशा में लगातार काम कर रहा है। यह अभियान बड़े पैमाने पर माताओं की देखभाल करने वालों और समुदायों में आवश्यक जागरूकता और व्यावहारिक बदलाव लाने पर केंद्रित किया। इस वर्ष नए नियम का पालन करते हुए सामाजिक दूरी को बनाए रखते हुए बच्चों को एक साथ लाने के उद्देश्य से समारोह का आयोजन वर्चुअली किया गया। वर्चुअल बाल दिवस पर भारतीय चित्रकला और सांस्कृतिक प्रदर्शनों पर कार्यशालाओं से लेकर वर्चुअल सलाद ड्रेसिंग और कहानी सुनाने के सत्रों एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के साथ कई पारस्परिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सामाजिक संस्था मुस्कान वेलफेयर सोसाइटी के प्रेजिडेंट अश्विनी वोहरा ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को कुछ समय देना।

शहीद की याद में रक्तदान शिविर आज बारना में

कुरुक्षेत्र। उमंग समाजसेवी संस्था द्वारा गांव बारना के शहीद सुरेंद्र कुमार की याद में 29 नवंबर दिन रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में सरस्वती हैरिटेज बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धुमन सिंह किरमच बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। संस्था के अध्यक्ष देवीलाल बारना ने बताया कि गांव बारना के युवा रक्तदान कर शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगें। उन्होंने बताया कि शहीदों की याद में उमंग संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया जाता है लेकिन कोरोना काल के चलते इस बार बड़ा आयोजन न कर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

मेरी अंखियां करे इंतजार सांवरे, पलकों का घर तैयार सांवरे....पर झूमे श्याम भक्त

श्याम संकीर्तन में मौजूद श्याम भक्त।

कुरुक्षेत्र। खाटू श्याम परिवार ट्रस्ट कुरुक्षेत्र द्वारा सेक्टर 2 के हरिहर मंदिर में 269वां श्री श्याम संकीर्तन एवं भंडारा आयोजित किया गया। श्री खाटू श्याम प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में हुए इस संकीर्तन में आयोजक संदीप कौशिक परिवार, विशिष्ट अतिथि डॉ.खुशबीर शर्मा और मुख्य यजमान श्याम लाल सिंगला ने श्याम पूजन में हिस्सा लिया।

इस दौरान कैथल के गायक बहादुर सैनी और लखबीर सिंह लक्खा ने श्याम जी के मधुर भजन सुनाए। श्याम दरबार में लगातार श्याम जी के जयकारें लगते रहे। श्याम भक्तों ने बारी-बारी से चंवर सेवा की। संकीर्तन के दौरान श्याम जी की गाथा में बताया गया कि यें हारे के सहारे हैं। इनके दरबार से आज तक कोई निराश नहीं आया। भजन गायकों द्वारा सुनाए गए भजन मेरी अंखियां करे इंतज़ार सांवरे, पलकों का घर तैयार सांवरे...., आ गया खाटू वाला...., थाली भर कै लाई रै खिचड़ौ..., हर ग्यारस की ग्यारस तुमसे मुलाकात हो जाए, तुम सामने बैठे हो थोड़ी बात हो जाए....., दिल की पतंग में सांवरे और देता हरदम सांवरे आदि पर श्रद्धालु खूब झूमे।

अगला श्री खाटू श्याम संकीर्तन रविवार 29 नवंबर को गांव कसिथल बाबैन में होगा। श्री श्याम आरती में जयपाल शर्मा, शिवकुमार कौशिक मोहिंदरपाल गर्ग, लक्ष्मी नारायण शर्मा, वाचस्पति शर्मा, सुशील कुमार शर्मा, अमित वर्मा, विजय कुमार, रविंदर शर्मा, रमेश साहनी अंशुल गुप्ता, डॉ. सतविंद्र, डॉ. दीपक शर्मा, जितेंद्र मिगलानी, बंटी राजावत और मोंटी गिरधर सहित महिलाएं भी शामिल रहीं।

ऑनलाइन कमरों की बुकिंग से परेशान हरियाणा की अफसरशाही

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा दिल्ली, हिमाचल और अन्य स्थानों पर चलाए जा रहे विश्राम गृहों में कमरों की बुकिंग न होने से प्रदेश की अफसरशाही परेशान है। जिसके चलते सरकार ने अब अधिकारियों को बुकिंग के लिए ऑफलाइन सुविधा देते हुए एक अधिकारी को तैनात कर दिया है। हरियाणा सरकार द्वारा नई दिल्ली स्थित कॉपरनिक्स मार्ग पर हरियाणा भवन, चाणक्यपुरी में हरियाणा स्टेट गैस्ट हाउस तथा शिमला में सर्किट हाउस चलाया जा रहा है। प्रदेश के अधिकारियों और वीआईपी का तर्क था कि ऑनलाइन बुकिंग में या तो साफ्टेवयर काम नहीं करता है या फिर कमरों का सही स्टेट्स पता नहीं चलता है। उन्हें दिल्ली जाकर कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अधिकारियों तथा वीआईपी की सुविधा के लिए सरकार ने ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन बुकिंग सुविधा भी शुरू कर दी है।

डॉ. पूनिया दंपति कोरोना वैक्सीन ट्रायल में बनी एक मिसाल

कोरोना कोवाक्सिन जल्द होगी तैयार: करन पूनिया

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

आइएमए हरियाणा के वर्ष 2021 के प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर करन पुनिया व हरियाणा महिला डॉक्टर्स विंग की अध्यक्ष डाक्टर वन्दना पूनिया दम्पति आज शनिवार को रोहतक के मेडिकल कॉलेज में भारत बॉयोटेक हैदराबाद व आईसीएमआर दिल्ली के संयुक्त कोवाक्सिन प्रकल्प के तीसरे चरण की ट्रायल हेतु एक वालंटियर के रूप में पहुंचे और वैक्सीन का परीक्षण टीका लगवाया। वालंटियर बने प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर करन पूनिया ने बताया कि कोरोना वैक्सीन अपने ही देश मे बने और जल्द बने इसके लिए सभी को पहल करके स्वेच्छा से परीक्षण हेतु आगे आना चाहिए । देश को आत्मनिर्भर व स्वालम्बी बनाना आवश्यक है। महिला विंग की अध्यक्ष डाक्टर वन्दना पूनिया ने बताया कि उन्हें इस ट्रायल का हिस्सा बनने पर गर्व की अनुभूति हो रही है। चिकित्सक दम्पति ने आगे बताया कि कोई भी व्यक्ति 18 वर्ष ऊपर आयु का हो और स्वस्थ हो तो उचित है ही फिर भी यदि बीपी शुगर हृदय बीमारी हो और ये बीमारी नियंत्रित हो तो वह भी इस वैक्सीन ट्रायल में हिस्सा ले सकता है। कुल दो टीके लगेंगे। पहला ट्रायल टीकाकरण के उपरांत दूसरा ट्रायल टीका 28 दिन बाद लगेगा और अगले हर 8 महीने तक हर एक माह के अंतराल में केवल आर टी पीसी आर टेस्ट करवाना होगा लेकिन टीका नही लगेगा। किसी तरह के भय से मुक्त होकर ही इच्छुक नागरिक को इसका हिस्सा बनना चाहिए और ट्रायल को पूरा करने पर ही वांछित परिणाम आ सकेंगे। इस मौके पर मौजूद मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ हरजीत सिंह फोगाट ने भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि पूरे विश्व मे कोरोना से ग्रस्त मानवता की भलाई के लिए असली कोरोना योद्धा बनने का इससे उत्तम अवसर और दूसरा नहीं हो सकता। दूसरे वालंटियर्स को भी स्वेच्छा से अधिक से अधिक संख्या में जल्द आगे आना चाहिए जिससे हमारा देश सबसे पहले कोरोना वैक्सीन बनाने वाला लीडर कहलाये और हम कोरोना पर विजय हासिल कर सकें।

राशन आपूर्ति की व्यवस्था में सुधार जल्द : डॉ. चौहान

पंकज शर्मा। करनाल

विकास कार्यों में गड़बड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से ग्राम वासियों को मिलने वाले राशन की समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा कर खामियों को जल्द दूर किया जाएगा। विकास कार्यों में ग्राम पंचायत अथवा किसी विभागीय अधिकारी या कर्मचारी द्वारा यदि भ्रष्टाचार किया गया है तो उसकी जांच भी हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी। हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने गाम-गाम की बात ऑनलाइन श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के जयसिंहपुर गांव के निवासियों को इस आशय का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में उन्होंने गांव के डिपो धारक रोहतास से सीधी बात करते हुए ग्राम वासियों की शिकायतों का निपटारा करने के लिए कहा और राशन की आपूर्ति संबंधी समस्याओं की विस्तृत जानकारी मांगी।

इस अवसर पर ग्राम वासियों ने जहां ग्राम पंचायत पर जोहड़ की सफाई और हाईवे बनते समय पाइप लाइन डालने में हुए कथित घोटालों से डॉ. चौहान को अवगत कराते हुए कार्रवाई की मांग की। वीरेंद्र सिंह चौहान ने विश्वास दिलाया कि भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही वर्तमान सरकार किसी भी व्यक्ति को गलत काम करने की इजाजत नहीं देती। किसी स्तर पर अगर कहीं कोई गड़बड़ झाला हुआ है और ग्राम वासियों की तरफ से इस संबंध में लिखित शिकायत आती है तो मामले की विधिवत जांच करवाकर दोषी को दंडित किया जाएगा।

कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने बिजली के बिलों में गड़बड़ी का आरोप भी लगाया और कहा कि इस मसले पर पिछले सप्ताह आंदोलित ग्राम वासियों को जाम भी लगाना पड़ा था। इस पर डॉ. चौहान ने कहा कि अगले सप्ताह में बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों के साथ इस संबंध में बैठक कर ग्रामवासियों की समस्याओं का निराकरण करने का पुरजोर प्रयास करेंगे। वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में हरियाणा के 45 सौ से अधिक गांव में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है जिनमें जयसिंहपुर भी शामिल है।

इस अवसर पर ग्राम वासियों की ओर से संदीप सिंधड़ और राकेश सिंधड़ ने बताया कि गांव का एक जोहड़ सफाई के अभाव में समाप्ति की कगार पर है तो दूसरा भी गंदगी का अड्डा बना हुआ है। संदीप ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत ने ग्राम वासियों की लाख कोशिशों के बावजूद जोहड़ से निकली गंदगी को प्राथमिक स्कूल में डलवा दिया जो अपने आप में गैर कानूनी कार्य होने के साथ-साथ बच्चों के लिए नुकसानदेह भी है। राकेश ने कहा कि गंदे पानी की निकासी के लिए नाले तक पाइप डालने की प्रक्रिया में सरकारी पैसे का दुरुपयोग हुआ है और पैसा लगने के बावजूद शायद एक बूंद भी पानी उस पाइप से निकल नहीं पाया है।

कार्यक्रम में झज्जर के पहासोर गांव से शामिल हुए सत्येंद्र शर्मा ने कहा कि अगर ग्रामवासी एकजुट और जागरूक रहे तो ग्राम पंचायत या कोई भी सरकारी कर्मचारी-अधिकारी गलत काम करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। उन्होंने जागरूक ग्रामवासियों से नियमित रूप से सीएम विंडो और आरटीआई एक्ट का सदुपयोग करने का आवाहन भी किया।

प्रेरणा
पायनियर हरियाणा

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

जिनका अन्न खा कर बड़े हुए हैं,
जिनकी वजह से पैरों पर खड़े हुए हैं,
उनकी आंखों में आंसू, राहों में आंसू के गोले हैं,
जिद पर किसान हैं या हुक्मरान अडे हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

राज्यमंत्री ने गांव ब्राह्मणीवाला में हरिजन चौपाल का किया उद्घाटन

कैथल। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि समूचे हलके का एक समान सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। ग्रामीण आंचाल में विकास कार्यों को गति प्रदान की जा रही है। आने वाले समय में किसी भी जगह विकासात्मक दृष्टि से कोई भी कमी नहीं रहने दी जाएगी। विकास कार्यों के लिए सरकार के पास धन की कमी नहीं है। हर वर्ग को साथ लेकर योजनाएं एवं परियोजनाएं पूरी की जा रही है। क्षेत्र की जनता ने जो मान उन्हें चुन कर दिया है, उसका मान रखते हुए हलके की चौकीदार बनकर 36 बिरादरी की 24 घंटे सेवा करने का कार्य निरंतर किया जाएग। ढांडा गांव ब्राह्मणीवाला में हरिजन चौपाल का उद्घाटन करने के उपरांत बोल रही थीं। इस मौके पर ग्राम सरपंच व पंचायत द्वारा राज्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। गांव पंचायत द्वारा रखी गई अन्य मांगों को भी राज्यमंत्री ने पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अनेक ऐसी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे समाज का हर वर्ग लाभांवित हो रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल सबका साथ-सबका विकास तथा सबका विश्वास की परिकल्पना चलते हुए कार्य कर रहे हैं और पूरे प्रदेश का एक सम्मान विकास कर रहे हैं। कलायत हलका, जो कि पूर्व में पिछड़ा हुआ था, अब सरकार द्वारा करोड़ों रुपये के विकासात्मक कार्य शुरू किए गए हैं, जिनके पूरा होने से यह हलका भी विकसित क्षेत्रों में शुमार हो जाएगा।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

भिवानी। भिवानी से हांसी की ओर जाने वाली सड़क ईएसआईअस्पताल के सामने सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई। एक युवक बाइक से जा रहा था कि घटना स्थल के पास भीड़ होने के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ने से वह गिर गया। इसी समय पीछे से आ रही पिकअप डाला गाड़ी बाइक सवार को कुचल कर चली गई। बाइक सवार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक का नाम करीब 25 वर्षीय कुलदीप बताया गया है और वह हांसी के पास किसी गांव का रहने वाला था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल में भेज दिया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने दुर्घटना का कारण वहां सड़क किनारे पड़े लोहे के सरिये और ईंट बताया, जिस कारण सड़क यातायात अवरूध हो गया। उसने प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाया।

सीटें बढ़वाने को विधायक ने भेजा शिक्षा मंत्री को पत्र

भिवानी। कॉलेजों में सीटें बढ़वाने की मांग को लेकर भाजपा विधायक घनश्याम सर्राफ ने शिक्षामंत्री कंवरपाल गुर्जर व हायर एजुकेशन विभाग के निदेशक को पत्र भेजा है। विधायक द्वारा भेजे गए पत्र में सभी कॉलेजों में प्रत्येक संकाय की 20 फीसदी सीटें बढ़ाए जाने की मांग की। जिस पर शिक्षामंत्री व हायर एजुकेशन विभाग के निदेशक ने सीटें बढ़ाए जाने की हामी भर दी। भेजे पत्र में बताया कि भिवानी जिले के अनेक विद्यार्थी दाखिला पाने से वंचित रह गए है। कॉलेजों में सीटें न होने की वजह से बच्चों को दाखिला नहीं मिल पा रहा है। जिन कॉलेजों में सीटें फुल दर्शाई गई है। उन कॉलेजों में अतिरिक्त क्लासें लगाए जाने की सभी तरह की सुविधाएं (भवन व शिक्षक) मौजूद है। उन्होंने पत्र में बताया कि अगर हायर एजुकेशन विभाग कॉलेजों में प्रत्येक संकाय में 20 फीसदी सीटें बढाए जाने जो बच्चे दाखिला पाने से वंचित रह गए है। उन सभी बच्चों के दाखिले हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि शिक्षामंत्री व हायर एजुकेशन विभाग के निदेशक की तरफ से सीटें बढ़ाए जाने के प्रति सकारात्मक जवाब मिला है। शीघ्र ही सीटें बढने की उम्मीद है।

हरियाणा में सबसे पहले कोरोना योद्धाओं को दी जाएगी वैक्सीन

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कोविड-19 महामारी इलाज के लिए इंजेक्शन के ट्रायल का तीसरा स्टेज चल रहा है और इंजेक्शन आते ही सबसे पहले अग्रिम पंक्ति में रहने वाले कोरोना योद्धाओं को लगाया जाएगा। गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक के बाद मनोहर लाल ने कहा कि महामारी से बचाव के लिए हर व्यक्ति को सावधानी बरतनी जरूरी है क्योंकि सावधानी बरतकर ही अपने आप को संक्रमित होने से बचा सकते हैं। संक्रमण होने के बाद तो इलाज करवाना पड़ता है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में कोरोना महामारी के इलाज के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने फिर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि लोग सही ढंग से मास्क पहनें, हाथों को बार-बार साबुन से धोएं या सैनिटाइज करें और एक-दूसरे के बीच कम से कम दो गज की दूरी बनाकर रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबका दायित्व है कि इस बीमारी से बचाव के लिए हम स्वयं सावधानी बरतें और अपने परिवार के लोगों और परिचितों को भी इस बारे में जागरूक करें।

आलू फसल में झुलसा सर्वाधिक नुकसान पहुंचाने वाला रोग

कुरुक्षेत्र। वरिष्ठ सब्जी वैज्ञानिक एवं सीसीएस एचएयू से सेवानिवृत्त प्रो. सीबी सिंह ने बताया कि आलू की फसल के मुख्य रोगों में अंगमारी (झुलसा) सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने वाला रोग है। प्रो. सीबी सिंह के अनुसार जब आलू की फसल 35-40 दिन की हो जाती है और तापमान नीचे चला जाए तो व नमी की मात्रा 85-90 प्रतिशत या इससे अधिक हो तथा आकाश में बादल छाए हों या हल्की बूंदाबांदी हो रही हो तो इन परिस्थितियों में झुलसा आने की प्रबल संभावना होती है। प्रो. सीबी सिंह के अनुसार मैदानी इलाकों में आलू उत्पादक किसानों को नवंबर-दिसंबर के महीनों में अंगमारी के प्रति अधिक सचेत रहने की जरूरत है। डॉक्टर सिंह के अनुसार अंगमारी रोग दो प्रकार का होता है एक तो अगेती अंगमारी और दूसरा पछेती अंगमारी। इन महीनों में अगेता झुलसा आने की संभावना अधिक होती है। डाक्टर सीबी सिंह के अनुसार झुलसा तोग के नियंत्रण के लिए डेढ़ से दो किलोग्राम मैनकोजेब या कैप्टाफाल, कैप्टाफास का पानी में घोल बनाकर 2-3 छिड़काव 10-15 दिन की अवधि में करें। 100 लीटर पानी के घोल में 10 ग्राम ससवेत 99 या 50 एमएल ट्राइटोन या कोई अन्य स्टीकर अवश्य मिलाएं। इससे रसायन का प्रभाव सही तरीके से होता है।

यूपी में जबरन धर्मांतरण के खिलाफ अध्यादेश को राज्यपाल ने दी मंजूरी

सीएम योगी ने कहा था कि सरकार लव जिहाद से निपटने के लिए एक नया कानून बनाएगी

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपविर्तन प्रतिषेध अध्यादेश, 2020 को मंजूरी दे दी है। इस अध्यादेश के तहत जबरन या धोखे से धर्मांतरण कराए जाने और शादी करने पर दस वर्ष की कैद और विभिन्न श्रेणी में 50 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव (विधाई) अतुल श्रीवास्तव ने राज्यपाल की मंजूरी के बाद उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपविर्तन प्रतिषेध अध्यादेश, 2020 की अधिसूचना शनिवार को जारी कर दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गत मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में इस अध्यादेश को मंजूरी दी गई थी। इसमें विवाह के लिए छल, कपट, प्रलोभन देने या बलपूर्वक धर्मांतरण कराए जाने पर अधिकतम 10 वर्ष कारावास और जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

राज्यपाल से इस अध्यादेश को शनिवार को मंजूरी मिलने के कुछ घंटे बाद ही समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पत्रकार वार्ता में कहा, जब इस अध्यादेश को विधेयक के रूप में विधानसभा में पेश किया जाएगा तो उनकी पार्टी इसका पूरी तरह विरोध करेगी। पत्रकारों के सवाल के जवाब में यादव ने कहा कि सपा ऐसे किसी कानून के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ अंतरजातीय और अन्तर्धार्मिक विवाह को प्रोत्साहन दे रही और दूसरी तरफ इस तरह का कानून बना रही है, तो यह दोहरा बर्ताव क्यों है?

विशेषज्ञों का कहना है कि अध्यादेश छह माह तक प्रभावी रह सकता है और उसके बाद कानून बनाने के लिए विधानसभा में विधेयक लाना जरूरी होगा। यादव ने यह स्पष्ट कहा कि उनकी पार्टी ऐसे कानून का विरोध करेगी। पिछले दिनों उपचुनाव के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कहा था कि सरकार लव जिहाद से निपटने के लिए एक नया कानून बनाएगी।

उन्होंने जौनपुर और देवरिया की जनसभाओं को संबोधित करते हुए बहन बेटियों का सम्मान न करने वालों को चेतावनी दी थी और कहा था कि ऐसे लोग अगर नहीं सुधरे तो उनका राम नाम सत्य (हिंदू धर्म में अंतिम संस्कार के समय इसे बोलते हैं) हो जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी के इस बयान पर भी तंज कसा। हाल में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश, हरियाणा और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों की सरकारों ने कथित लव जिहाद के मामलों को लेकर कानून बनाने की घोषणा की थी जिसमें सबसे पहले उत्तर प्रदेश ने अध्यादेश लागू किया जो शनिवार से प्रभावी हो गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधि आयोग ने पिछले साल एक रिपोर्ट पेश की थी जिसमें जबरन धर्मांतरण पर रोक के लिए एक नया कानून बनाने का सुझाव दिया गया था।

ईडी ने पूर्व आईएएस अधिकारी की 27 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं

एजेंसी। नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस अधिकारी बाबूलाल अग्रवाल की 27 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुर्क की हैं। ईडी ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय कथित भ्रष्टाचार और आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति से जुड़े धन शोधन के मामले के सिलसिले में अग्रवाल, उनके परिवार के सदस्यों एवं अन्य की जांच कर रहा है। उसने एक बयान में कहा, कुर्क संपत्तियों में संयंत्र एवं मशीनरी, बाबूलाल अग्रवाल एवं उनके परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में जमा रकम और अचल संपत्तियां शामिल हैं। उसने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियां 27.86 करोड़ रुपये मूल्य की हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1988 बैच के अधिकारी अग्रवाल को ईडी ने नौ नवंबर को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में उनके निवास से गिरफ्तार किया था। वह पांच दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में हैं।

अग्रवाल छत्तीसगढ़ सरकार में प्रधान सचिव के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भी गिरफ्तार कर चुका है। अग्रवाल को सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद राज्य सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था। आरोप है कि अग्रवाल जब राज्य सरकार में स्वास्थ्य सचिव थे, तब वह अपने विरुद्ध चल रही सीबीआई जांच रफा-दफा कराना चाहते थे, जो 2010 में दर्ज की गई थी। जब ईडी ने इस महीने के प्रारंभ में उन्हें गिरफ्तार किया तब उसने कहा था कि अपराध से कमाई गई रकम का मुखौटा कंपनियों के जरिए धनशोधन करने और उसे अपने परिवार के कारोबार में लगाने को लेकर उनके खिलाफ कार्वाई की गई। ईडी ने कहा था कि अग्रवाल, उनके चार्टर्ड एकाउंटेंट सुनील अग्रवाल और अन्य के खिलाफ आपराधिक मामला छत्तीसगढ़ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और सीबीआई की 2010 की प्राथमिकी का अध्ययन करने के बाद दर्ज किया गया। जिन संपत्तियों को अंतरिम रूप से कुर्क किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ठंडे मौसम के बावजूद मतदाताओं को चुनाव में देखना उत्साहजनक

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि ठंडे मौसम के बावजूद मतदाताओं का बाहर आकर जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव में हिस्सा लेते देखना काफी उत्साहजनक है। अब्दुल्ला का यह बयान आठ चरण में होने वाले डीडीसी चुनाव के चहले चरण और पंचायत उपचुनाव के लिए हो रहे मतदान के बीच आया है। उन्होंने ट्वीट किया, ठंडे मौसम के बावजूद मतदाताओं का बाहर आकर जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव में हिस्सा लेते देखना काफी उत्साहजनक है। मैं उम्मीद करता हूं कि दिन बढ़ने के साथ ही और लोग मतदान के लिए निकलेंगे। घाटी में तेज ठंड के कारण सुबह मतदान की रफ्तार धीमी रही, लेकिन दिन बढ़ने के साथ इसमें तेजी देखी गई।

अकबरुद्दीन ओवैसी और संजय कुमार पर मामला दर्ज

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी और तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज किया गया। ओवैसी पर पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव और तेदेपा संस्थापक एन टी रामा राव की समाधियों के बारे में टिप्पणी करने के लिए मामला दर्ज किया गया। ओवैसी की टिप्पणी का जवाब देने के लिए कुमार पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि इन दोनों पर मामला दर्ज किया गया। ओवैसी ने 25 नवंबर को कहा था कि अगर जलाशयों के पास रहने वाले गरीब लोगों को हटाया जा सकता है तो क्या हुसैन सागर झील के किनारे स्थित पीवी नरसिंह राव और एनटी रामा राव की समाधियों को भी हटाया जाएगा। उनके इस बयान को सत्तारूढ़ दल तेलंगाना राष्ट्र समिति और भाजपा ने अनुचित बताया था और माफी की मांग की थी। ओवैसी ने यहां बुधवार को एक जनसभा में कहा था कि जब हुसैन शाह वली द्वारा झील का निर्माण कराया गया था, तब इसका किनारा 4,700 एकड़ में फैला था लेकिन अब यह सिमट कर 700 एकड़ से भी कम रह गया है। उन्होंने कहा था कि झील के किनारे सड़क, दुकानें, लुंबिनी पार्क और दो नेताओं की समाधियां बन गई हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय कुमार ने अकबरुद्दीन ओवैसी का नाम लिए बिना कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अगर ओवैसी में दम है तो वह समाधियों को तोड़कर दिखाएं।

दक्षिण फ्लोरिडा के सांसद कार्लोस गिमेनेज कोरोना से संक्रमित

मियामी। दक्षिण फ्लोरिडा के नवनिर्वाचित सांसद कार्लोस गिमेनेज कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उनके चुनाव अभियान दल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बयान के अनुसार मियामी डाडे काउंटी के पूर्व महापौर और उनकी पत्नी लूर्डेस बृहस्पतिवार को जांच के दौरान संक्रमित पाए गए। दोनों को इस बीमारी के हल्के लक्षण थे। अभियान दल के अनुसार दोनों ने चिकित्सकों के परामर्श के मुताबिक खुद को घर में पृथक कर लिया है। गिमेनेज 2011 से इस माह तक मियामी डाडे के महापौर थे। वह तीन नवंबर के हुए आम चुनाव में अमेरिकी कांग्रेस के लिए निर्वाचित हुए हैं।

जॉर्जिया मछलीघर की सबसे बड़ी मादा व्हेल शार्क की मौत

अटलांटा (अमेरिका)। अटलांटा के जॉर्जिया मछलीघर की सबसे बड़ी मादा व्हेल शार्क की मौत हो गई है। मछलीघर ने अपने फेसबुक पेज पर एक बयान में कहा कि 2006 से मछलीघर में रह रही ट्रीक्सी की शुक्रवार को मौत हो गई। मछलीघर ने कहा, उसे दिन में आने-जाने में कठिनाई हो रही थी। फिर उसकी तबियत खराब हो गई। चिकित्सा और देखभाल के प्रयासों के बाद अंततः उसकी मौत हो गई। दुनिया में सबसे बड़ी मछली व्हेल शार्क की ग्रे रंग को त्वचा पर सफेद चकत्ते पाए जाते हैं। ए मेक्सिको और एशिया के कुछ हिस्सों सहित दुनिया भर के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में रहती हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजरवेशन ऑफ नेचर रेड लिस्ट ऑफ थ्रीटेन्ड स्पीसीज के अनुसार ये लुप्तप्राय मानी जाती हैं।

किसानों की समस्याएं नजरअंदाज कर रही ठाकरे सरकार : फडणवीस

एजेंसी। मुंबई

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को महाराष्ट्र सरकार पर राज्य के किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज करने और मराठा आरक्षण के मुद्दे पर विफल रहने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में विफल रही है।

शनिवार को महा विकास आघाडी सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा हुआ। फडणवीस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ठाकरे सरकार किसानों को वित्तीय सहायता देने में विफल रही है। सरकार ने पूरी तरह उनकी समस्याओं को नजरअंदाज किया है। कीड़ों के हमले से कपास, सोयाबीन की फसलें नष्ट हो गईं लेकिन किसानों को कोई सहायता नहीं दी गई। उन्होंने कहा, यह सरकार मराठा आरक्षण पर भी विफल हुई है। फडणवीस ने कहा, राज्य के कुछ मंत्री, मराठा आरक्षण के मुद्दे पर जानबूझकर विरोधाभासी बयान दे रहे हैं। वह सरकार की नाकामी को छुपाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। यह सरकार जानबूझकर उच्चतम न्यायालय में हीला हवाली कर रही है। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि उन्होंने उद्धव ठाकरे को छोड़कर महाराष्ट्र में ऐसे मुख्यमंत्री कभी नहीं देखे जो विपक्ष को इतना धमकाते हों।

फडणवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे द्वारा सामना (शिवसेना के मुखपत्र) को हाल ही में दिया गया साक्षात्कार उस संवैधानिक पद के अनुकूल नहीं था जिस पर वह हैं। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय और बंबई उच्च न्यायालय के हालिया फैसले राज्य की चरमराती व्यवस्था बताने के लिए पर्याप्त हैं।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में 70 फीसदी मतदान

एजेंसी। जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर में पहली बार हो रहे जिला विकास परिषद के चुनावों का पहला चरण शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। जम्मू व कश्मीर संभागों के जिन हल्कों में भी यह मतदान आयोजित किए गए थे, वहां मतदान करने के लिए पहुंचे लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

जम्मू व कश्मीर में 43 सीटों पर हुए मतदान में जम्मू संभाग के पहाड़ी इलाके हों या कश्मीर के बर्फीले इलाके हर तरफ मतदान डालने वालों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिली। जम्मू-कश्मीर चुनाव आयोग पहले चरण के हुए आज मतदान के आंकड़े शाम 5.30 बजे जारी करेगा। वहीं राजौरी जिले में आज 70.3 प्रतिशत मतदान हुआ है। इनमें 9875 पुरुष और 8556 महिलाओं सहित कुल 18431 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पुंछ जिले में पंचायत उपचुनाव के लिए भी वोटिंग हुई है। इसमें 74.1 प्रतिशत मतदान हुआ।

कश्मीर घाटी के आतंकवाद ग्रस्त इलाकों में ही नहीं नियंत्रण रेखा से सटे इलाके जहां आए दिन पाकिस्तान की ओर से गोलाबारी होती रहती हैं, वहां भी लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं। मतदान केंद्रों व आतंकवाद ग्रस्त इलाकों में लोगों की सुरक्षा को यकीनी बनाने के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। सुबह 11 बजे तक जम्मू-कश्मीर में 22 प्रतिशत मतदान हो चुका था। अभी भी मतदान केंद्रों पर वोट डालने वालों की कतारें लगी हुई हैं।

गांदरबल के मतदाताओं ने कहा चुनाव केवल स्थानीय मुद्दों पर होते हैं

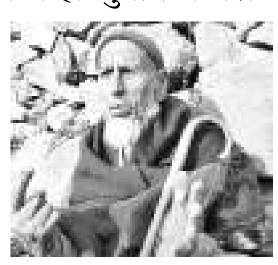

गुंड (जम्मू-कश्मीर)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के कई मतदाताओं ने शनिवार को कहा कि जिला विकास परिषद (डीडीसी) के चुनाव स्थानीय मुद्दों को लेकर होते हैं, इसमें उन लोगों को चुना जाना चाहिए जो बुनियादी समस्याओं को हल कर सकें और विशेष दर्जे की बहाली जैसे बड़े मुद्दों को विधानसभा और संसदीय चुनावों के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए।

आठ चरणों में हो रहे ये डीडीसी चुनाव पिछले साल जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठित किए जाने और इसके विशेष दर्जे को समाप्त किए जाने के बाद, पहले चुनाव हैं। डीडीसी चुनाव के साथ पंचायतों के उपचुनाव भी हो रहे हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने पिछले साल पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और इसे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की घोषणा की थी। शनिवार को जम्मू-कश्मीर में डीडीसी चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान हुआ और सात लाख मतदाताओं में से 22 प्रतिशत मतदाताओं ने सुबह 11 बजे तक अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। मध्य कश्मीर जिले की दो डीडीसी सीटों- गुंड-ए और गुंड-बी में सुबह 11 बजे तक 23.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

67 वर्षीय शरीफ-उद-दीन ने जिले के थुने इलाके में एक मतदान केंद्र पर मतदान करने के बाद कहा, राजनीतिक मुद्दे विधानसभा या संसद जैसे बड़े मंच के लिए हैं।

किसान देश के अन्नदाता हैं, उनके हित में सभी मिलकर काम करें : मिश्र

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने शनिवार को कृषि विश्वविद्यालयों का आह्वान किया कि वे लाभकारी और उन्नत खेती, फसल भंडारण के लिए विश्व स्तर पर होने वाले नवाचारों, फसल विपणन के अपनाए जा रहे नवीनतम तरीकों आदि से किसानों को अधिकतम लाभान्वित करने के लिए विशेष भूमिका निभाएं।

राज्यपाल ने कहा कि किसान इस देश के अन्नदाता हैं, उनके हित में सभी मिलकर कार्य करें। मिश्र राजभवन से कोटा कृषि विश्वविद्यालय के ऑनलाइन दीक्षांत समारोह और संविधान पार्क के ई-शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा, अनुसंधान को मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ऐसे रोजगारोन्मुखी, व्यावसायिक पाठ्यक्रम और कार्यक्रमों को अपने यहां लागू करे, जिनसे कृषि के जरिए देश की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालीन लाभ मिल सके। आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ कृषि उत्पादन में त्वरित वृद्धि के वास्ते वर्ष 2022 तक कृषकों की आय दुगुनीं करने के केंद्र सरकार के संकल्प को पूर्ण करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों, अध्यापकों, और विधार्थियों को आगे आकर कार्य करने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कृषि को जीविकोपार्जन से कहीं आगे ले जाकर आकर्षक व्यवसाय में परिवर्तित करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके लिए राजस्थान में उत्पादित सरसों, धनिया, बाजरा जैसी फसलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिन फसलों की उत्पादकता कम है, उनके लिए नवाचारों को अपनाते हुए कृषि विश्वविद्यालय कार्य करे। जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए मिश्र ने कहा कि ऐसी खेती मृदा स्वास्थ्य तथा जलवायु के लिए भी अत्यन्त प्रभावकारी है। कुलाधिपति व राज्यपाल ने 135 छात्रों को शैक्षणिक उपाधियां प्रदान कीं। उन्होंने चार विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किए। राज्यपाल ने विवि में संविधान पार्क का ई-शिलान्यास और दो पुस्तिकाओं का भी लोकार्पण किया।

अश्वेत व्यक्ति को पीटती पुलिस के वीडियो हमें शर्मसार करते हैं

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा कि एक अश्वेत व्यक्ति को पीटते हुए पुलिस के जो वीडियो सामने आए हैं वे हमें शर्मसार करते हैं, साथ ही उन्होंने पुलिस के द्वारा और पुलिस के खिलाफ दोनों की तरीकों की हिंसा की निंदा की।

मैक्रों ने सरकार से फ्रांस और उसकी रक्षा करने वालों के बीच भरोसे की उस कड़ी को मजबूत करने, जो उनके बीच स्वाभाविक तरीके से होनी चाहिए, के लिए सरकार से तत्काल प्रस्ताव पेश करने की मांग की। गौरतलब है कि बृहस्पतिवार को एक वीडियो सामने आया जिसमें काफी दिन पहले संगीत निर्देशक माइकल ज़ेस्लर के साथ मारपीट होती दिखाई दे रही है। इसमें मंगलवार को पेरिस प्लाजा से पुलिस आव्रजकों को बेरहमी से निकालती हुई भी दिखाई दे रही है। ये घटनाएं नए सुरक्षा कानून को ले कर उठे विवाद के बीच सामने आई हैं। कानून का एक अनुच्छेद पुलिस अधिकारियों की तस्वीरें उन्हें नुकसान पहुंचाने के इरादे के साथ प्रकाशित करने को जुर्म की श्रेणी में लाता है।

नागरिक स्वतंत्रता समूहों और पत्रकारों को चिंता है कि इस कदम से पुलिस बर्बरता की बातें सामने नहीं आ पाएंगी और उन्हें इसके लिए कभी दंडित नहीं किया जा सकेगा। देश में शनिवार को लोग प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं। मैंक्रों ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि वह पुलिस के द्वारा और पुलिस के खिलाफ दोनों ही प्रकार की हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, गणतंत्र (फ्रांस) के मूल्यों से समझौता नहीं हो सकता।

बाइडन ऐसे नेता हैं जिनका सम्मान दुनिया करेगी : कमला हैरिस

ललित के झा। वाशिंगटन

अमेरिका की नवनिर्वाचित उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ऐसे नेता हैं जिनका सम्मान दुनिया करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज करने वाले 78 वर्षीय बाइडन की प्रशंसा करते हुए हैरिस ने कहा कि वह सभी अमेरिकियों के राष्ट्रपति होंगे।

हैरिस ने ट्वीट किया, हम जानते हैं कि वह ऐसे राष्ट्रपति होंगे जो हममें से बेहतरीन हैं। ऐसे नेता जिनका सम्मान दुनिया करेगी और हमारे बच्चे उनसे प्रेरणा लेंगे। वहीं, बाइडन ने कई ट्वीट कर देश में एकता का आह्वान किया।

उन्होंने ट्वीट करके कहा, यह देश में अब तक का एक नया, साहसी और अधिक कृपालु इतिहास लिखने का हमारा क्षण है- हम सबका। उन्होंने कहा, कोरोना वायरस संक्रमण की रफ्तार रोकने की हर किसी की जिम्मेदारी है, हमें अपने कोशिशें दुगुनी कर कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष के प्रति दोबारा प्रतिबद्धता जाहिर करनी है। हम सभी इसमें एकजुट हैं।

कोविड-19 टीके की आपूर्ति के संबंध में सलाहकारों की बैठक मंगलवार को

मियामी। अमेरिकी सलाहकारों की एक समिति मंगलवार को बैठक करके इस बात पर विचार-विमर्श करेगी कि कोविड-19 के टीके को मंजूरी मिलने के बाद इसकी प्रारंभिक आपूर्ति किस प्रकार से की जानी चाहिए। विशेषज्ञों ने पहले स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाने का प्रस्ताव दिया है। आवश्यक सेवाओं के कर्मचारियों, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों और 65 अथवा उससे अधिक आयु के लोगों को भी उच्च प्राथमिकता दी जा सकती है। सीडीसी द्वारा गठित एडवाइजरी कमेटी ऑन इम्यूनाइजेशन प्रैक्टिसेज नामक समूह की यह बैठक मंगलवार को होनी है। फाइजर और जर्मनी के उसके साझेदार बायोएनटेक ने एफडीए से कहा है कि वह उसके कोविड-19 के संभावित टीके के आपात इस्तेमाल की इजाजत दे। मॉडर्ना इंक भी जल्द ही अपने टीके के आपात इस्तेमाल की मांग कर सकता है।

सुकवि-संवाद

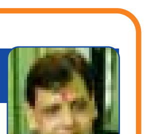

सुकवि डॉ. एस. एन. भारद्वाज 'अश्क'
कवि, लेखक एंव वरिष्ठ शिक्षा सलाहकार
विश्व भारती शिक्षण संस्थान समूह,
बल्लभगढ़, फरीदाबाद M: 9871666627

आशा के दीपक

दीप हैं माटी के हम तुम टिमटिमाना धर्म है
आँधियों से जिदगी की लौ बचाना धर्म है
अब अंधेरों की पराजय शीघ्र ही निश्चित समझ
सूर्य जब तक ना उदय हो जगमगाना धर्म है

अनगिनत पंक्ति बनाकर झिलमिलाना धर्म है
रौशनी की श्रृंखला से चमचमाना धर्म है
तेल कम बाती लघु पर हौसला चट्टान सा
इस तमस की रात पर अधिकार पाना धर्म है

हर हृदय से द्वेष की स्याही मिटाना धर्म है
अब अंधेरों से सकल मुक्ति दिलाना धर्म है
दीप हैं हम क्या हमें अभिप्राय जाति-धर्म से
हर नगर हर गाँव को उज्जवल बनाना धर्म है

रोग के अभिशाप से अब पार पाना धर्म है
'अश्क' आशा-दीप हर दिल में जलाना धर्म है
हो प्रज्ज्वलित पुंज ऐसा, हर दिशा में तेज हो
विश्व को संताप से मुक्ति दिलाना धर्म है

प्रकाशपर्व की शुभकामनाओं सहित

थाईलैंड में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों ने तख्तापलट की आशंका जताई

बैंकाक। थाईलैंड में लोकतंत्र समर्थकों ने गिरफ्तारी वारंट जारी होने और हिंसक हमलों के खतरे के बावजूद एक और रैली निकाली तथा सैन्य तख्तापलट की आशंका भी जताई। इससे पहले बुधवार को हुई रैली में दो व्यक्तियों को कथित तौर पर गोली मारी गई थी जिसमें वे बहुत बुरी तरह घायल हो गए थे। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री प्रयुत चान ओचा के पद से हटने और इस सरकार के शासन को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा वे संविधान में संशोधन कर इसे और लोकतांत्रिक बनाने और राजशाही में सुधार करने के साथ-साथ उसे और जवाबदेह बनाने की भी मांग कर रहे हैं। इसमें राजवंश से जुड़ा मुद्दा सबसे विवादित है क्योंकि शाही संस्थान की ओर उंगली उठाना कानूनन गलत माना जाता है। वैसे भी सेना घोषणा कर चुकी है कि राजवंश की रक्षा उसके लिए सर्वोपरि है।

पिछले हफ्ते थाईलैंड के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी नेताओं में से 12 पर राजवंश की मानहानि करने से संबंधित एक कड़े काननू का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया। दूसरी ओर प्रदर्शनकारियों की तख्तापलट की आशंका भी निराधार नहीं है। इससे पहले 1977, 1991, 2006 और 2014 में यहां तख्तापलट हो चुके हैं। यदि सरकार को लगता है कि वह प्रदर्शनों पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है तो वह मार्शल लॉ लागू कर सकती है या फिर सेना सरकार का तख्तापलट कर सकती है। शुक्रवार को एक रैली में कुछ वक्ताओं ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी तख्तापलट का विरोध करने के लिए तैयार रहें।

सेबी ने नियमों के उल्लंघन के लिए एनडीटीवी के प्रवर्तकों पर रोक लगाई

2006 से जून, 2008 के दौरान कंपनी के शेयरों में कारोबार की जांच के बाद यह कदम उठाया है

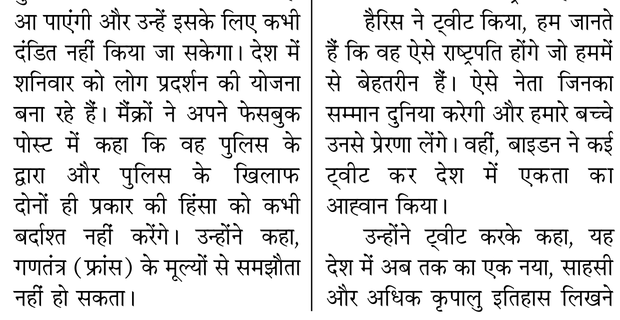

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एनडीटीवी के प्रवर्तकों प्रणय रॉय और राधिका रॉय पर दो साल के लिए प्रतिभूति बाजार में कारोबार की रोक लगा दी है। यह कार्रवाई भेदिया कारोबार में संलिप्तता के चलते की गई है।

सेबी ने दोनों को 12 साल पहले की भेदिया कारोबार गतिविधियों से अवैध तरीके से कमाए गए 16.97 करोड़ रुपये लौटाने को भी कहा है। नियामक ने इनके अलावा एक से दो साल की अवधि के लिए सात अन्य व्यक्तियों एवं निकायों पर भी पाबंदी लगा दी है। इनमें से कुछ को अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचनाओं के जरिए शेयरों में कारोबार के जरिए की गई अवैध कमाई को लौटाने को कहा गया है। सेबी ने सितंबर, 2006 से जून, 2008 के दौरान कंपनी के शेयरों में कारोबार की जांच करने के बाद यह कदम उठाया है।

सेबी ने पाया कि उक्त अवधि के दौरान भेदिया कारोबार से संबंधित कई प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है। सेबी ने कहा कि संबंधित व्यक्ति व निकाय अकेले या आपस में मिलकर राशि का भुगतान कर सकते हैं। उन्हें 17 अप्रैल, 2008 से भुगतान की तिथि तक छह प्रतिशत ब्याज के साथ यह राशि अदा करनी होगी। सेबी ने शुक्रवार को जारी तीन अलग आदेशों में कहा कि इन सभी निकायों ने भेदिया कारोबार रोक नियमनों का उल्लंघन किया है। सेबी ने पाया कि नई दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड (एनडीटीवी) में मूल्य को लेकर संवेदनशील जानकारियां रखने योग्य पदों पर रहते हुए प्रणय रॉय और राधिका रॉय ने भेदिया कारोबार में संलिप्त होकर अवैध तरीके से 16.97 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। प्रणय रॉय तब कंपनी के चेयरमैन एवं पूर्णकालिक निदेशक थे। राधिका रॉय उक्त अवधि के दौरान कंपनी की प्रबंध निदेशक थीं।

ईरान का समर्थन करने वाली चीन और रूसी कंपनियों पर अमेरिका ने लगाई पाबंदी

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के मिसाइल कार्यक्रम का समर्थन करने वाली चीन और रूस की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने यह जानकारी दी है।

पोम्पियो ने कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम परमाणु प्रसार संबंधी चिंताओं का विषय बना हुआ है। इस बाबत घोषणा शुक्रवार को की गई। परमाणु हथियारों से जुड़ी गतिविधियों के कारण अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ सख्त कदम उठाना जारी है। पोम्पियो ने कहा, परमाणु प्रसार को लेकर चिंता का बड़ा कारण बने ईरान के मिसाइल कार्यक्रम का समर्थन करने पर अमेरिका ने चीन और रूस की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। ईरान को उसकी मिसाइल क्षमताओं में इजाफा करने से रोकने के लिए हम प्रतिबंध संबंधी अपने सभी उपायों का इस्तेमाल करना जारी रखेंगे।

जिन कंपनियों पर पाबंदी लगाई गई हैं उनके नाम हैं चीन की चेंगदू बेस्ट न्यू मटैरियल्स कंपनी लिमिटेड और जिबो एलिम ट्रेड कंपनी लिमिटेड तथा रूस की नील्को ग्रुप या नील फाम खजार कंपनी और सांटर्स होल्डिंग एवं ज्वॉइंट स्टॉक कंपनी ऐलेकॉन। अमेरिका के मुताबिक इन कंपनियों ने ईरान के मिसाइल कार्यक्रम के लिए संवेदनशील प्रौद्योगिकी तथा वस्तुएं मुहैया करवाईं। पोम्पियो ने कहा, ईरान के मिसाइल विकास संबंधी प्रयासों को रोकने के लिए हम काम करते रहेंगे तथा चीन और रूस की कंपनियों जैसे ऐसे विदेशी आपूर्तिकर्ताओं की पहचान के लिए प्रतिबंध प्राधिकारों का उपयोग करेंगे जो ईरान को मिसाइल संबंधी सामग्री और प्रौद्योगिकी उपलब्ध करवाते हैं। इन प्रतिबंधों के तहत अमेरिकी सरकार द्वारा खरीद, अमेरिकी सरकार की ओर से सहायता, निर्यात पर पाबंदी रहेगी।

दिल्ली दरबार तक ले जाने में हरियाणा के किसानों की रणनीति कामयाब रही

बैरिकेड तोड़ने के मैकेनिक, डॉक्टर, सभी जरूरी औजार थे साथ

कोरोना पर किसानों का रुख : जब प्रधानमंत्री चुनावी रैली में भीड़ को संबोधित कर सकते हैं तो किसान क्यों नहीं लड़ सकता अपने हक की लड़ाई

एजेंसी। नई दिल्ली

किसान आंदोलन का दूसरा दिन गहमागहमी वाला रहा। 'चलो दिल्ली' के नारे के साथ किसानों ने दिल्ली कूच करने का जो उद्देश्य रखा था, उसे आंदोलन के दूसरे ही दिन पूरा करने में किसान सफल रहे। दिल्ली की सीमा तक पहुंचने के लिए इन किसानों को आठ बड़े बैरिकेड पार करने पड़े और जगह-जगह सुरक्षाबलों की घेरा बंदियों को तोड़ते हुए आगे बढ़ना पड़ा। लेकिन, ये सब कुछ इतने योजनाबद्ध तरीके से किया गया कि प्रशासन की तमाम रणनीति किसानों को रोकने में विफल साबित हुई।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में शायद ऐसा पहली बार ही हुआ जब आंदोलनकारियों को रोकने के खुद प्रशासन ने ही सड़कें खोद डाली हों। अमूमन आंदोलन कर रहे लोगों पर सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगते हैं, लेकिन, इस आंदोलन में यह आरोप खुद सरकार पर ही लग रहे हैं। पंजाब और हरियाणा से चले किसान ये जानते थे कि प्रशासन उन्हें रोकने की हरसंभव कोशिश करेगा। लिहाजा उन्होंने इससे निपटने की तैयारी पहले से ही कर ली थी। किसानों के जत्थों में ऐसे युवा शामिल थे जो ट्रैक्टर प्रतियोगिताओं के विजेता रहे हैं और कई तरह के स्टंट ट्रैक्टर से करते रहे हैं। इन युवाओं के लिए भारी से भारी बैरिकेड को ट्रैक्टर की मदद से साफ कर देना चंद मिनटों का ही खेल था।

लिहाजा प्रशासन ने जहां भारी बोल्डर और लोहे के बैरिकेड लगाकर भी रास्ते बंद किए थे, वहां से भी किसानों के निकलने की राह इन युवाओं की मदद से बेहद आसान हो गई। स्थानीय लोगों से लगातार इनपुट लेते रहना भी किसानों की रणनीति का बेहद अहम हिस्सा रहा। जहां भी प्रशासन ने हाईवे को बड़े बैरिकेड और सुरक्षाबलों की तैनाती से ब्लॉक किया था, उन जगहों को स्थानीय किसानों की मदद से आंदोलनकारियों ने बाइपास किया और हाइवे से सटे खेतों से होते हुए किसानों के जत्थे आगे बढ़ निकले। समालखा के पास तो संत निरंकारी आश्रम ने अपने

खेतों को किसानों के लिए खोल दिया, जहां से हजारों किसानों का जत्था हाईवे को बाइपास करते हुए आगे बढ़ गया।

इस पूरे रास्ते में कई जगह स्थानीय पुलिस ने किसानों पर वॉटर केनन भी चलाई, लेकिन इसके बाद भी किसानों के आगे बढ़ने की गति में खास कमी नहीं आ सकी। आगे बढ़ने के लिए जितनी भी चीजें जरूरी हैं, वे सभी चीजें किसान अपने साथ ही लेकर चलते मिले। मसलन किसानों के साथ सिर्फ बैरिकेड तोड़ने के लिए विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि कई मैकेनिक भी शामिल रहे ताकि किसी भी गाड़ी के खराब होने की स्थिति में उसे तुरंत ही ठीक किया जा सके। इतना ही नहीं, आंदोलनकारी किसानों के जत्थों में डॉक्टर तक शामिल रहे जो मेडिकल इमरजेंसी आने पर हालात संभाल सकें।

आम आदमी पार्टी से सांसद रहे डॉक्टर धर्मवीर भी किसानों के इस जत्थे में शामिल रहे जो बीते दो दिनों से आंदोलनकारी किसानों को मुफ्त मेडिकल सलाह भी दे रहे हैं। गले में स्टेथेस्कोप डाले और जेब में कुछ जरूरी दवाएं लिए हुए डॉक्टर गांधी इस आंदोलन के दौरान ही दर्जनों किसानों की जांच कर चुके हैं। कोरोना के सवाल पर डा. गांधी कहते हैं, 'हम सभी ने मास्क लगाए हुए हैं। अब सरकार कोरोना के बहाने जो किसानों को दिल्ली आने से रोकना चाहती है, ये सरासर बेमानी है। जब बिहार में खुद प्रधानमंत्री हजारों की भीड़ को चुनावी रैली में संबोधित करने जाते हैं, तब इन लोगों को क्या कोरोना की चिंता नहीं सताती? हम पूरी सावधानी के साथ दिल्ली पहुंचे हैं और अब अपनी बातें मनवा के ही यहां से लौटेंगे।'

गुरनाम सिंह चढ़ूनी कहते हैं, 'नारा दिल्ली पहुंचने का था और हम पहुंच भी गए जबकि सरकार ने हमें रोकने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। इस नजरिए से देखें तो आंदोलन सफल ही रहा है। लेकिन इस आंदोलन की असली सफलता तो तब है जब ये कॉर्पोरेट के हितों के लिए बनाए गए काले कानून रद्द हों। हम उसी उद्देश्य से यहां आए हैं और सरकार ध्यान रखे कि हम इससे पहले लौटने के लिए तो बिलकुल नहीं आए हैं।'

पुलिस ने रोका तो संत निरंकारी आश्रम ने किसानों को दिया रास्ता

किसान आंदोलन दिल्ली के दरवाजे पर पहुंच चुका है, लेकिन इस आंदोलन के यहां तक पहुंचने का रास्ता भी दिलचस्प रहा है। किसान पूरी तैयारी में थे, लोगों ने भी मदद की और आंदोलन का कारवां बढ़ता गया। पुलिस ने जगह-जगह बैरिकैडिंग कर रखी थी। कहीं संत निरंकारी के आश्रम से किसानों के लिए राह निकली, तो कहीं किसानों ने ट्रैक्टर की मदद से खुद ही बैरिकेड हटा दिए। दिल्ली के सिंघु बॉर्डर से करीब 40 किलोमीटर दूर समालखा में संत निरंकारी आश्रम है। किसानों का आंदोलन जब समालखा पहुंचा तो जगह-जगह रोड बंद दिखी। इस पर आश्रम के लोगों ने अपने खेतों से किसानों को रास्ता दिया। यहां आश्रम की सैकड़ों एकड़ जमीन पर खेत हैं, जिसे किसानों के लिए खोल दिया गया। पानीपत में शिवा गांव के पास मेन हाईवे पर कई किलोमीटर तक पुलिस ने ट्रकों का बैरिकेड लगाकर रास्ता

रोक दिया, लेकिन किसान खेतों से होते हुए कई किलोमीटर लंबे बैरिकेड को पार कर दिल्ली की तरफ आगे बढ़ गए। हालांकि, पानीपत के सेक्टर-29 के थाने के पास पुलिस ने जेसीबी मशीन बुला ली और सड़कों को खोद दिया। हालांकि, किसान यहां ट्रैक्टर पर सवार हो गए। पानी की तेज बौछारों के बीच से वे ट्रैक्टर में बैठकर आगे बढ़ गए। सिंघु बॉर्डर से आगे जब आंदोलन बढ़ा तो दिल्ली से करीब 15 किलोमीटर दूर टिकरी बॉर्डर पर पुलिस ने ट्रक खड़े कर रास्ता रोक रखा था। भारी बैरिकेड तोड़ने के लिए किसानों के साथ एक्सपर्ट भी मौजूद थे। ये वे लोग थे, जो ट्रैक्टर प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं और ट्रैक्टर पर कई स्टंट दिखाते हैं। भारी से भारी बैरिकेड को ट्रैक्टर से बांधकर किनारे करने में माहिर इन युवाओं के कारण ही किसान हर बैरिकेड को पार करते हुए दिल्ली की तरफ बढ़ गए।

अन्नदाता के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं : टिकैत

मेरठ। केंद्र सरकार के कृषि कानून के विरोध में और अन्य मांगों को लेकर शनिवार की सुबह मोदीपुरम के टोल प्लाजा से दिल्ली के लिए भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) नेता राकेश टिकैत के नेतृत्व में रवाना हुआ। किसानों का काफिला दोपहर में करीब एक बजे परतापुर को पार कर गया। इसके मद्देनजर मेरठ यातायात पुलिस ने परतापुर में अन्य वाहनों को रोके रखा, जिससे कुछ समय के लिए वहां पर जाम के हालात बन गए।

इससे पहले सिवाया टोल प्लाजा पर स्थानीय मीडिया से बातचीत में भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि अन्नदाता के साथ लगातार अन्याय बर्दाश्त नहीं होगा।

देशभर में फसलों का एक ही दाम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि कानून का भाकियू ने पहले ही विरोध किया है। टिकैत के दिल्ली कूच के एलान के बाद किसान जो कि एक दर्जन से अधिक ट्रैक्टर-ट्रालियों में सवार थे दिल्ली के लिए कूच कर गए। किसानों का कहना है कि वे दिल्ली जाएंगे और सरकार के सामने अपनी बात रखेंगे।

आंदोलनकारी किसान : सिंघु और टिकरी बार्डर पर जमे, प्रदर्शन स्थल जाने से किया इनकार

नई दिल्ली। केंद्र द्वारा लागू कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसान शनिवार सुबह सिंघु बॉर्डर पर जमा हुए और उन्होंने बैठक की। इसमें उन्होंने प्रदर्शन के लिए उत्तर दिल्ली में स्थान निर्धारित करने के बावजूद सीमा पर ही विरोध-प्रदर्शन जारी रखने का फैसला किया।

टिकरी बॉडर पर मौजूद किसानों का भी प्रदर्शन जारी है। हालांकि, निर्धारित स्थल पर जाने को लेकर उन्होंने जल्द फैसला करने की बात कही। एक किसान नेता ने बताया कि पंजाब से दिल्ली प्रवेश करने के प्रमुख रास्ते सिंघु बॉडर पर किसानों की बैठक में फैसला लिया गया कि वे वहां से नहीं हटेंगे और प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, हम यहीं (सिंघु बॉडर) प्रदर्शन जारी रखेंगे। हम घर वापस नहीं जाएंगे। पंजाब और हरियाणा से हजारों किसान प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आए हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को सीमा पर पुलिस के आंसूगैस एवं पानी के बौछार का सामना करने के बाद सैकड़ों किसान दिल्ली में प्रवेश किए अब भी हजारों किसान सीमा पर जमे हैं और उन्होंने अबतक प्रशासन द्वारा तय धरना स्थल पर प्रदर्शन करने को लेकर फैसला नहीं किया है।

किसानों के प्रदर्शन से सिंघू बॉर्डर पर लगा सात किमी लंबा जाम

केंद्र द्वारा लागू तीन कृषि कानूनों के खिलाफ

प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली जाने पर अड़े हजारों किसान पिछले 24 घंटे से सिंघू बॉर्डर पर जमे हुए जिसकी वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर से सिंघु राई बीसवां मील चौंक से बॉर्डर तक लगभग सात किलोमीटर लंबा भीषण जाम लग गया है। हरियाणा व दिल्ली पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग कर किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोक रखा है। हालांकि, सरकार ने बाद में दिल्ली के बुराड़ी स्थित निरंकारी मैदान में प्रदर्शन की इजाजत दे दी है, लेकिन किसान वहां जाने को तैयार नहीं है और बॉर्डर पर जमे हुए है। वहीं, सड़क पर ही हुक्का औ अन्य साजो सामान के साथ बैठे किसान आगे की रणनीति बना रहे हैं। किसानों ने सुबह 11 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

किसानों के साथ खड़े हों छात्र और युवा : राम गोविन्द चौधरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की जमकर आलोचना की और किसानों के आंदोलन में छात्रों और युवाओं से साथ देने की अपील की है। नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने शनिवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि अपनी पीड़ा कहने के लिए दिल्ली आ रहे किसानों के साथ सरकार का पशुवत व्यवहार लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला है और इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है।उन्होंने शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, कवियों, छात्रों, नौजवानों, कर्मचारियों, मजदूरों, बेरोजगारों और गैर कॉरपोरेट व्यवसासियों से कहा है कि वे इस लड़ाई में किसानों की मदद करने के लिए आगे आएं, नहीं तो यह सरकार खेती-बारी के साथ ही देश को भी निगल जाएगी। चौधरी ने कहा कि वर्तमान सरकार धीरे-धीरे देश का सर्वस्व अडानी, अंबानी जैसे कॉरपोरेट घरानों को सौंप रही है और इसी क्रम में वह एक काला कानून बनाकर खेती को भी देसी-विदेशी कॉरपोरेट घरानों को देने पर आमादा है।

मोदी के अहंकार ने जवान को किसान के खिलाफ खड़ा किया

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली पहुंचने से रोके जाने के प्रयास को लेकर शनिवार को सरकार पर निशाना साधा। आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अहंकार ने जवान को किसान के खिलाफ खड़ा कर दिया है। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने दावा किया कि दिल्ली आने वाले पूंजीपतियों के लिए लाल कालीन बिछाई जाती है, जबकि किसानों के आने पर रास्ते खोदे जा रहे हैं। राहुल गांधी ने एक सुरक्षाकर्मी द्वारा किसान पर लाठी भांजने संबंधी एक तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, बड़ी ही दुखद फोटो है। हमारा नारा तो जय जवान जय किसान का था, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के अहंकार ने जवान को किसान के खिलाफ खड़ा कर दिया। यह बहुत खतरनाक है। प्रियंका गांधी ने ट्वीट के माध्यम से दावा किया, भाजपा सरकार में देश की व्यवस्था को देखिए जब भाजपा के खरबपति मित्र दिल्ली आते हैं तो उनके लिए लाल कालीन डाली जाती है।

रात्रि विश्राम के बाद पंजाब के किसानों ने दिल्ली मार्च फिर शुरू किया

चंडीगढ़। केंद्र द्वारा लागू तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलनरत पंजाब के किसानों ने रात्रि विश्राम के बाद शनिवार को दिल्ली चलो मार्च फिर से शुरू किया, जबकि पहले ही हजारों किसान राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं तक पहुंच चुके हैं। हजारों की संख्या में किसान अब भी दिल्ली की सीमा पर मौजूद हैं और उन्होंने अभी यह फैसला नहीं लिया है कि वहीं प्रदर्शन करें या पुलिस द्वारा निर्धारित स्थल पर जाकर अपना विरोध दर्ज कराएं। भारतीय किसान यूनियन (एकता-उगराहां) के नेता शिंगरा सिंह ने शनिवार को कहा, हरियाणा के रोहतक जिले के मेहम में रात्रि विश्राम करने के बाद हमने सुबह फिर से दिल्ली की ओर कूच कर दिया है।

पायनियर
हरियाणा, रविवार, 29 नवंबर 2020

'तीन शब्दों में इस सीरीज़ का वर्णन होगा-इसे अवश्य देखिए'

अभिनेत्री नताशा लिटिल सीरीज़ 'एबसेंशिया' का हिस्सा बनकर स्वयं को सौभाग्यशाली मानती हैं। उनका कहना है कि किसी अच्छी परियोजना से निरंतर जुड़े रहना किसी भी कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात होती है। टीम पायनियर की रिपोर्ट...

द एबसेंशिया, एफबीआई के विशेष एजेंट एमिली बर्न की कहानी प्रस्तुत करती है जो बॉस्टन के कुख्यात सीरियल किलर्स का पीछा करते हुए अचानक से विलुप्त हो जाती है और उसे न मिलने के कारण मृत घोषित कर दिया जाता है। छः साल बात वो जंगलों के बीच एक केबिन में पाई जाती है और तब तक उनकी स्मरणशक्ति का लोप हो चुका होता है। उन्हें अपने गायब होने से लेकर तब तक का कुछ भी स्मरण नहीं होता। वो तब घर लौटती है लेकिन उसे पता चलता है कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली है और उसके बेटे को उसकी दूसरी पत्नी द्वारा पाला-पोसा जा रहा होता है। इसके बाद उसे हत्याओं की एक श्रंखला का आरोप भी झेलना पड़ता है। प्रस्तुत है नताशा लिटिल से बातचीत के मुख्य अंश-

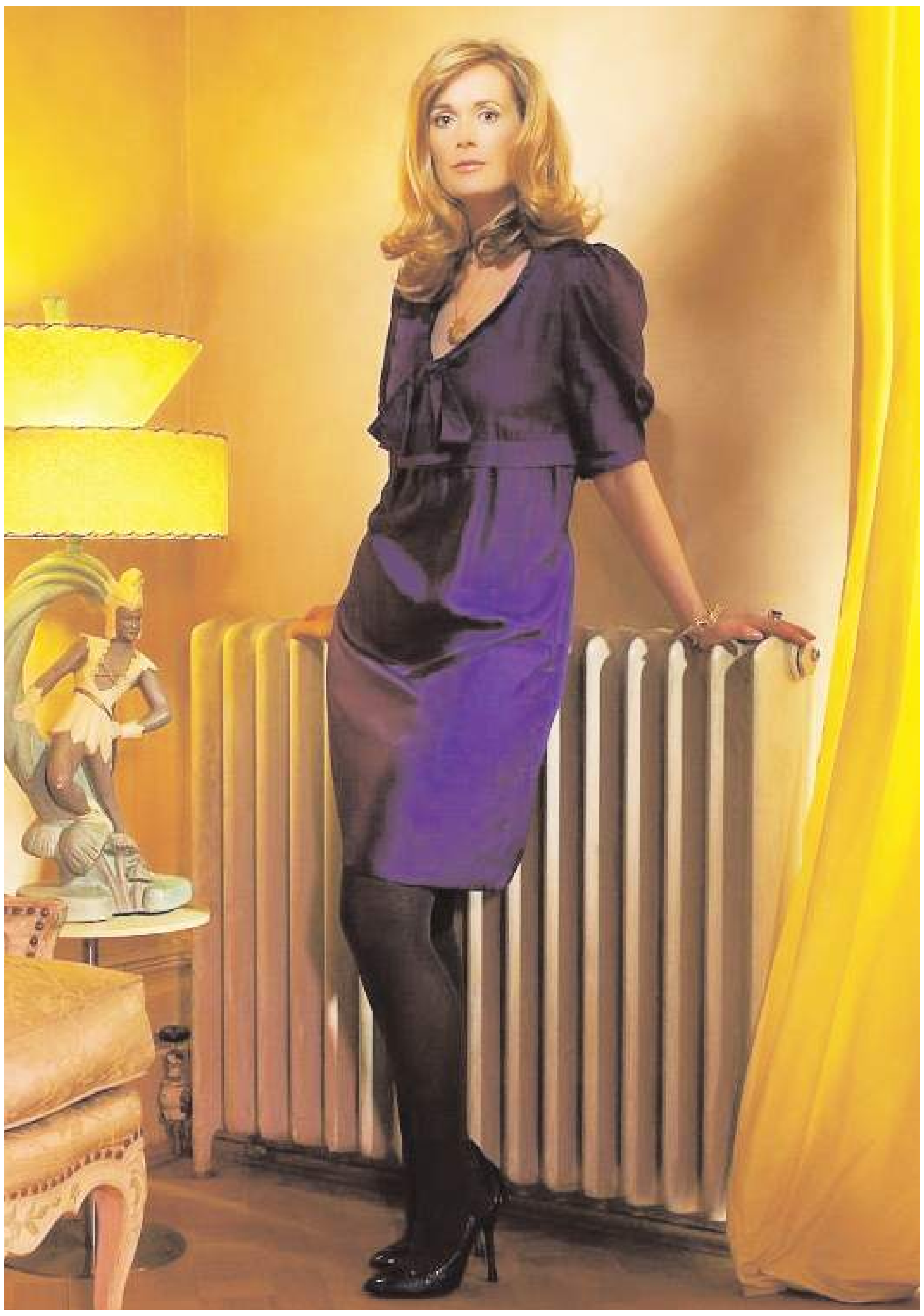

जूलियन के रूप में वापसी करना कैसा लगता है?

एबसेंशिया के तीसरे सीज़न में वापसी करना अच्छा लग रहा है क्योंकि इससे आपको कहानी और चरित्र के और भीतर जाने का अवसर मिलता है जो पहले से ही अर्थात दूसरे सीज़न में स्थापित हो चुका होता है। इस सीज़न में जूलियन अपने बॉस्टन कार्यालय में नई थी लेकिन अब वो स्थापित है। वो वापस आकर बॉस्टन के कार्यालय की प्रमुख बन जाती है। यहां उसका कुछ रहस्यमयी परिस्थितियों से सामना होता है। वो कार्यालय की प्रमुख तो है लेकिन उसे कुछ संबंधों को तो निभाना ही पड़ता है। पिछले सीज़न के अंत में वो एलिस की हत्या की जिम्मेदार होती है। लेकिन अब उस प्रकरण का समाधान निकाल लिया जाता है लेकिन फिर भी कार्यालय की परिस्थितियां आसान नहीं होतीं। एक अस्थिर सी शांति थी जिसे तोड़ा जाना आवश्यक हो जाता है।

क्या हम जूलियन पर विश्वास कर सकते हैं?

क्या जूलियन विश्वासयोग्य है? मैं इतना बता सकती हूं कि वो अपने काम की विशेषज्ञ है वो एफबीआई के मानकों के अनुसार एक कुशल कर्मी होती है। मैं उसी का चरित्र कर रही हूं अत: हां, मुझे उसपर विश्वास है।

क्या आप जूलियन के रहस्य के बारे में कुछ बता सकती हैं?

मैं जूलियन के बारे में कुछ ऐसा ही बता सकती हूं जो मुझे पता हो, लेकिन इसके लिए मुझे आपकी हत्या करनी होगी।

क्या जूलियन एमिली से ईष्या करती है?

मुझे लगता है कि वो एमिली की बड़ी प्रशंसक है। जूलियन सुयोग्य है और उसे लोगों की समझ है। अत: मेरा मानना है कि वो एमिली में कई ऐसे गुण भी देखती होगी जो उसे प्रिय हों लेकिन हो सकता है कि उसे कुछ सीमा तक ईष्या भी हो। जूलियन हर बात नियमों के अनुरूप ही करती है। वो किसी प्रकार का जोखिम मोल नहीं लेती। एमिली की अंतप्रेरणा अद्भुत है और वो परिणामों की परवाह किये बिना उनका अनुसरण करती है। जूलियन हालांकि स्मार्ट और हर बात का उचित विश्लेषण करने वाली महिला है। ऐसे में उसके अंतप्रेरणा पर चलने की बात समझ से परे लगती है। लेकिन एमिली में वो ये सब देखती है और वो उसकी प्रशंसा करती है और वो भी बिना किसी ईर्ष्या के।

आप निक डूरंड के बारे में केवल एक शब्द का प्रयोग करके वर्णन कीजिये...

यदि मुझे उसके बारे में बताने के लिए एक शब्द का प्रयोग करना पड़े तो वो शब्द होगा 'विश्वासयोग्य'।

इस सीज़न का वर्णन तीन शब्दों यदि करना हो तो आप क्या कहेंगी?

ये तीन शब्द होंगे-इसे अवश्य देखिये, ही मेरे तीन शब्द होंगे जिनसे मैं इसके तीसरे सीज़न का वर्णन करना चाहूंगी। मेरे अनुसार इसका दूसरा सीज़न तो अच्छा था ही लेकिन तीसरा सीज़न तो उससे भी अच्छा होगा।

एमिली की अंतप्रेरणा अद्भुत है और वो परिणामों की परवाह किये बिना उनका अनुसरण करती है। जूलियन हालांकि स्मार्ट और हर बात का उचित विश्लेषण करने वाली महिला है। ऐसे में उसके अंतप्रेरणा पर चलने की बात समझ से परे लगती है। लेकिन एमिली में वो ये सब देखती है और वो उसकी प्रशंसा करती है और वो भी बिना किसी ईर्ष्या के।

इस शो पर दूसरी बार वापसी करना कैसा प्रतीत होता है?

मेरे अनुसार इस शो पर वापस आकर निरंतर इसके तीसरे सीज़न में काम करना अद्भुत अनुभव है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि आपको पता होना चाहिये कि लोग आपको पसंद कर रहे हैं और आगे भी आपको देखने को तत्पर भी हैं। इसके तीसरे सीज़न में काम करने से मुझे अपने चरित्र में और गहरे उतरने का अवसर होगा जो नई परिस्थितियों में काम करने से ही संभव है। अत: किसी अच्छी कहानी से निरंतर जुड़े रहना अच्छा अनुभव तो होता ही है।

इस सीरीज़ के दूसरे कलाकारों के साथ आपका तालमेल कैसा रहा?

मैं इसके तीसरे सीज़न में इससे जुड़ी थी तो मेरे से पहले के सीजन में सभी कलाकार एक दूसरे से परिचित थे। इससे जुड़ने से पूर्व मैं थोड़ा घबराती थी लेकिन जब पहले दिन सभी ने मेरा स्वागत किया तो मुझे लगा ही नहीं कि मैं इसमें नई हूं। मेरे साथ ही इसमें मैट भी दूसरे ही सीज़न में आया था। तीसरे सीज़न में अब सबकुछ मेरे नियंत्रण में होगा। ऐसा नहीं होगा कि मुझे किसी अपरिचित के साथ तालमेल बैठाना हो जो अक्सर कठिन और असहज होता है। जब आप पहले से ही किसी परियोजना में काम करते हैं तो आपको कुछ पता ही होता है कि कैसे क्या होगा। वैसे तो हम सभी इसे सर्वश्रेष्ठ बनाना ही चाहते हैं और हम सभी के लिए शूटिंग प्रारंभ करना आनंददायक होने वाला है।

आपके लिए शूटिंग का सबसे कठिन दृश्य कौन सा था?

मैं आपको अधिक नहीं बता सकती। इसमें वैसे एक दृश्य है जिसमें जूलिया एक दूसरे चरित्र से मुंह पर घूंसा खाती है। इसकी शूटिंग करना मजेदार था क्योंकि ये थोड़ा तकनीकी प्रकरण बन गया था।

जूलियन के चरित्र को क्या आप एक शब्द में वर्णन कर सकती हैं?

यदि एक ही शब्द में वर्णन करना हो तो मैं कहूंगी कि वो 'महत्वाकांक्षी' थी।

क्या आप इस सीरीज़ में अपने किसी प्रिय कलाकार को जोड़ना चाहती हैं यदि हां तो वो कौन होगा?

यदि इसके अगले सीज़न में मैं किसी अभिनेता को जोड़ सकती तो मैं अपने पति बो पोराज को इसमें जोड़ती। लेकिन ये तो धोखा करने जैसा होता क्योंकि तब हम अवकाश में सोफिया को मस्ती करा सकते थे।

क्या आप एबसेंशिया की फिल्म में काम करने को तत्पर हैं?

मेरे विचार से ये अद्भुत विचार है।

इस सीरीज़ में जूलियन के लिए सीरीज़ का सबसे अच्छा अंत किस प्रकार हो सकता है?

इसका अच्छा अंत उसके आगे के लिए प्रमोशन से ही हो सकेगा। उसे बॉस्टन ऑफिस ही नहीं बल्कि उसे तो एफबीआई के कार्यालय में और आगे जाना चाहिये। आगे चलकर हो सकता है कि वो राष्ट्रपति की भी उम्मीदवार बने। मेरा आशय है कि उसके आगे जाने की कोई सीमा नहीं निर्धारित की जा सकती।

(एबसेंशिया सीज़न 3 को आप सोम से शुक्र कलर्स इनफिनिटी पर रात 10 बचे देख सकते हैं)

रणदीप हुड्डा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बनेंगे पुलिस अधिकारी

बॉलिवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा अब एक सीरीज़ 'इंस्पेक्टर अविनाश' के रूप में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पदार्पण करने की तैयारी कर रहे हैं। ये सीरीज़ एक थ्रिलर सीरीज़ है जो पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा के वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित होगी।

नीरज पाठक निर्देशित तथा पाठक एवं कृष्ण चौधरी निर्मित ये शो उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

रणदीप बताते हैं, 'मैं अपने निभाए हर चरित्र के माध्यम से और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने की आशा करता हूं और इंस्पेक्टर अविनाश मुझे ऐसा एक असाधारण अवसर उपलब्ध कराता है। ये बहुत ही रोचक और प्रेरक भूमिका है जो वास्तविक घटनाओं पर आधारित है।'

उन्होंने आगे बताया कि उन्हें शो की परिकल्पना पर पूरा विश्वास है और इस थ्रिलर शो की शूटिंग का अब मुझे और प्रतीक्षा करते नहीं बनता। उत्तर प्रदेश राज्य में इंस्पेक्टर अविनाश द्वारा किये गए साहसिक कार्यों को परदे पर प्रस्तुत करने का अवसर रणदीप को मिलने वाला है। इस सीरीज़ के शूंटिंग चरण तक आने में दिसंबर तक का समय लग सकता है। इसे जो स्टूडियोज़ तथा गोल्डमाउंटेन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है। सीरीज़ के निर्देशक पाठक का कहना है कि रणदीप इस सुपरकॉप के लिए आदर्श है जिसके कारण ये चरित्र और भी उभर कर सामने आएगा, 'हम उनके द्वारा इस चरित्र को निभाए जाते देखने के लिए व्यग्र हैं। हमारी शूटिंग दिसंबर में प्रारंभ हो जाएगी।'

प्रियांशु पेनयुली और अभिनेत्री वंदना जोशी ने रचाई शादी

मुंबई। मिर्जापुर 2 अभिनेता प्रियांशु पेनयुली और अभिनेत्री वंदना जोशी परिवार के करीबी सदस्यों और दोस्तों की मौजूदगी में देहरादून में शादी के पवित्र बंधन में बंध गए। पेनयुली ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी ने दुनियाभर में शादी समारोहों को रोकने का काम किया लेकिन उन्होंने और जोशी ने करीबी लोगों की मौजदूगी में बृहस्पतिवार को शादी करने का निर्णय लिया था। अभिनेता विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म भावेश जोशी सुपरहीरो और मिर्जापुर 2 में अपनी भूमिका को चर्चा में आए थे। वह रश्मि रॉकेट में तापसी पन्नू के साथ नजर आएंगे। वहीं जोशी टीवी शो दिल से दिया वचन में नजर आई थीं।

अक्षय कुमार के साथ बच्चन पांडेय में नजर आएंगे अरशद वारसी

मुंबई। अभिनेता अरशद वारसी अक्षय कुमार के साथ फिल्म बच्चन पांडेय में नजर आएंगे। फिल्म के निर्माताओं ने शनिवार को यह घोषणा की। एक्शन कॉमेडी इस फिल्म में अक्षय कुमार एक गैंगस्टर की भूमिका में हैं जो अभिनेता बनना चाहता है। फिल्म में कृति सैनन एक पत्रकार की भूमिका में हैं और वह निर्देशक बनना चाहती हैं। फिल्म निर्माताओं ने बयान जारी कर कहा, निर्माता किसी ऐसे को ढूंढ रहे थे जो अक्षय की कॉमिक टाइमिंग को मैच कर सके और हमारी खोज अरशद पर जाकर खत्म हुई। उन्होंने इतने सालों में कॉमेडी में अपनी अलग पहचान बनाई है। निर्माताओं के मुताबिक अक्षय और अरशद पहली बार एक साथ आ रहे हैं। फरहाद सामजी इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं।

सौमित्र चटर्जी को श्रद्धांजलि के तौर पर अपुर संसार पार्क बनाएगी बंगाल सरकार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने दिवंगत अभिनेता सौमित्र चटर्जी की पहली फिल्म अपुर संसार के नाम पर कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में पार्क बनाने का निर्णय किया है। यह जानकारी शनिवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। पश्चिम बंगाल आवास आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (एचआईडीसीओ) ने बोली लगाने वालों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की है ताकि निर्णय किया जा सके कि फिल्म पर आधारित थीम को कैसे क्रियान्वित किया जाए। यह जानकारी इसके अध्यक्ष देबाशीष सेन ने दी।

चटर्जी ने 1959 में आई फिल्म में अपु का किरदार निभाया था, जो फिल्म निर्माता सत्यजीत रे की अपु ट्रायोलॉजी का हिस्सा है। सेन ने पीटीआई-भाषा से कहा, बोली लगाने वालों से कहा गया है कि थीम को प्रोजेक्ट करने के तरीकों पर निर्णय करें -- कि क्या थ्री डी लगाए जाएंगे या अन्य चीजें। जब वे विस्तार से विचार सौंपेंगे तब हमारा पैनल निर्णय करेगा कि किस अवधारणा को लिया जाए और फिर परियोजना पर काम शुरू होगा। प्रस्तावित पार्क न्यू टाउन में स्नेहोदिया हाउसिंग के पास बनाया जाएगा।

श्रृंखला बचाने को गलतियों से सबक लेकर उतरेगी इंडिया

एजेंसी। सिडनी

पहले मैच में लय पाने के लिए जूझते रहे भारतीय गेंदबाजों को बिना समय गंवाए अपनी गलतियों में सुधार करके आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला बचाने के लिए रविवार को दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत को पहले मैच में 66 रन से पराजय का सामना करना पड़ा। आस्ट्रेलिया ने जिस तरह से भारत की कमजोरियों का फायदा उठाया, वह कप्तान विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री के लिए चिंता का सबब है।

हार्दिक पंड्या ने 76 गेंद में 90 रन बनाए, लेकिन 2017 चैंपियन्स ट्रॉफी फाइनल की तरह सिर्फ एक शानदार पारी से मैच नहीं जीता जा सकता। पंड्या ने खुद स्वीकार किया है कि वह फिलहाल गेंदबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं और टी-20 विश्वकप से पहले गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। इससे कोहली के पास ऐसे गेंदबाज रह गए हैं, जो बल्लेबाजी नहीं कर सकते और शीर्षक्रम का कोई बल्लेबाज गेंदबाजी नहीं कर सकता। दूसरी ओर आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच, स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर जबर्दस्त फार्म में हैं जिससे जसप्रीत बुमराह और बाकी गेंदबाज असरदार साबित नहीं हुए। भारतीय टीम के गेंदबाजी संयोजन में किसी बदलाव की संभावना भी नहीं है बशर्ते युजवेंद्र चहल और नवदीप सैनी दोनों अनफिट घोषित न हों। चहल और सैनी दोनों ने मिलकर 20 ओवरों में 172 रन दे डाले। चहल चोट के कारण अपना स्पैल पूरा करने के बाद मैदान छोड़कर चले गए। वहीं सैनी की कमर में खिंचाव आ गया है। उनके कवर के तौर पर टी नटराजन को टीम में रखा गया है। उनके बाहर होने पर शारदुल ठाकुर को सैनी की जगह और कुलदीप यादव को चहल की जगह उतारा जा सकता है। आस्ट्रेलियाई टीम में उभरते सितारे कैमरन ग्रीन को मौका मिल सकता है क्योंकि पहले मैच में मार्कस स्टोइनिस की बाजू में खिंचाव आ गया था। फिंच और स्मिथ दोनों ने संकेत दिया कि ग्रीन वनडे क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं।

भारत के शीर्ष क्रम के कुछ बल्लेबाजों ने गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर अपने विकेट गंवाए। खासकर श्रेयस अय्यर ने जोश हेजलवुड की गेंद पर जो शॉट लगाया, वह गैर जरूरी था। मयंक अग्रवाल भी अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पा रहे। कप्तान विराट कोहली पर आस्ट्रेलियाई टीम, मीडिया और क्रिकेटप्रेमियों की नजरें हैं और वह भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। कोहली ने पहले मैच के बाद कहा था, हमने मैच के बाद बल्लेबाजी को लेकर बात की। हम सकारात्मक सोच के साथ उतरे और सभी ने उसी तरीके से खेलने की कोशिश की। छठे गेंदबाज की कमी से बुमराह पर काफी दबाव आ गया है जो वनडे क्रिकेट में अपने चिर परिचित फार्म में भी नहीं दिख रहे। आईपीएल का शानदार फार्म वह पहले वनडे में दोहरा नहीं सके।

टीमें

भारत : विराट कोहली (कप्तान), शिखर धवन, शुभमन गिल, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, हार्दिक पंड्या, मयंक अग्रवाल, रविंद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, नवदीप सैनी, शारदुल ठाकुर।

आस्ट्रेलिया : आरोन फिंच (कप्तान), डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, एलेक्स कारे, पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, एडम जाम्पा, जोश हेजलवुड, सीन एबोट, एश्टोन एगर, कैमरन ग्रीन, मोइजेस हेनरिक्स, एंड्रयू टाए, डेनियल सैम्स, मैथ्यू वेड।

मैच का समय : सुबह 9.10।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में धीमी ओवर गति के लिए टीम इंडिया पर जुर्माना

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम पर सिडनी में श्रृंखला के शुरुआती वनडे में आस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। भारत ने पहले वनडे में अपने 50 ओवर पूरे करने के लिए चार घंटे और छह मिनट के लिए जिसमें उसे 66 रन से हार का सामना करना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) मैच रैफरी डेविड बून ने यह जुर्माना लगाया। आईसीसी ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि आईसीसी की खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए न्यूनतम ओवर गति उल्लघंन की आचार संहिता के अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं कर पाने की स्थिति में प्रत्येक ओवर से उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। विज्ञप्ति में कहा गया, कप्तान विराट कोहली ने उल्लघंन और प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार लिया है इसलिए अधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर रॉड टकर और सैम नोगाजस्की, टीवी अंपायर पॉल रेफेल और चौथे अंपायर गेरार्ड एबोड ने यह उल्लंघन तय किया।यहां तक कि स्टीव स्मिथ ने मैच के बाद स्वीकार किया कि वह जितने मैच खेले हैं, उसमे यह सबसे लंबा 50 ओवर का मैच था। भारतीय टीम तीन मैचों की श्रृंखला में 0-1 से पिछड़ रही है और दूसरा वनडे सिडनी में रविवार को खेला जाएगा।

लय हासिल कर ली है, लेकिन ज्यादा दबाव नहीं था : स्मिथ

एजेंसी। सिडनी

आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ पहले वनडे में शतक जड़कर खोई लय हासिल कर ली, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि उन पर ज्यादा दबाव नहीं था। स्मिथ ने पहले वनडे में 66 गेंद में 105 रन बनाए। आस्ट्रेलिया ने यह मैच 66 रन से जीता। उन्होंने कहा कि मैंने फिर से लय हासिल कर ली। आरोन फिंच और डेविड वार्नर ने इतनी अच्छी शुरुआत दी थी कि मैं खुलकर खेल सका।

उन्होंने कहा कि मैंने चुन लिया था कि किन गेंदबाजों को कहां मारना है। मैंने अपनी ताकत के अनुसार अच्छे शॉट्स खेले। स्मिथ ने कहा कि मुझ पर ज्यादा दबाव नहीं था जैसा पहले हुआ करता था। इससे पहले जब मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है तो टीम संकट में होती थी और मुझ पर पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी होती थी लेकिन इस बार ऐसा नहीं था। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले मैचों में भी वह यह लय बरकरार रख सकेंगे।

वॉन को लगता है कि भारत सभी प्रारूपों में आस्ट्रेलिया से हारेगा

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट टीम के कड़े आलोचक माइकल वॉन ने कहा कि विराट कोहली की टीम आस्ट्रेलिया दौरे पर सभी तीनों प्रारूपों में हारेगी। भारत ने शुक्रवार से शुरू हुए दौरे की शुरुआत निराशाजनक तरीके से की। उसे शुरुआती वनडे में आस्ट्रेलिया से 66 रन से हार का सामना करना पड़ा।

वॉन ने शुक्रवार को ट्वीट किया, मुझे लगता है कि आस्ट्रेलिया इस दौरे पर भारत को सभी प्रारूपों में बुरी तरह हराएगा। वॉन को पांच विशेषज्ञ गेंदबाज खिलाने की रणनीति वाली पुरानी मानसिकता पसंद नहीं है जो भारतीय टीम के लिए काफी खराब रही। उन्होंने कहा कि भारतीय वनडे टीम मुझे पुरानी रणनीति वाली लगती है। सिर्फ पांच गेंदबाजी विकल्प और बल्लेबाजी भी इतनी गहरी नहीं। भारत को अपने कोटे के ओवर डालने में चार से ज्यादा घंटे लगे और वॉन इससे खुश नहीं थे। उन्होंने लिखा, भारत का ओवर रेट काफी खराब। हाव भाव रक्षात्मक। क्षेत्ररक्षण भी चौंकाने वाला (खराब)। गेंदबाजी सामान्य। उन्होंने लिखा, वहीं दूसरी ओर आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शानदार रहे।

हार्दिक के अनफिट होने पर विजय शंकर है, लेकिन उतना असरदार नहीं : गंभीर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि आधे फिट हार्दिक पंड्या का सही विकल्प नहीं मिलने पर भारतीय टीम में संतुलन नहीं बन सकेगा, क्योंकि पंड्या के विकल्प विजय शंकर उतने असरदार नहीं है। पंड्या इस समय सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर टीम में है और गेंदबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं। भारत को आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में छठे गेंदबाज की कमी खली, जिसमें भारत को 66 रन से पराजय झेलनी पड़ी।

दो बार विश्वकप में भारत की जीत के नायक रहे गंभीर ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा कि पिछले विश्वकप से ही संतुलन की समस्या देखने को मिल रही है।

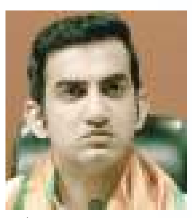

हार्दिक गेंदबाजी नहीं कर पा रहा है तो आपका छठा गेंदबाज कौन है। उन्होंने कहा कि विजय शंकर है, लेकिन पांचवें या छठे नंबर पर वह उस तरह से असरदार नहीं है। क्या वह सात या आठ ओवर डाल सकता है। मुझे नहीं लगता। गंभीर ने कहा कि रोहित शर्मा जैसे सलामी बल्लेबाज की वापसी पर भी यह समस्या नहीं सुलझने वाली। उन्होंने कहा कि आप मनीष पांडे को शामिल करने की बात कर सकते हैं। या रोहित के लौटने पर भी यह समस्या तो रहेगी ही। शीर्ष छह बल्लेबाजों में से कोई भी गेंदबाजी नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम को देखो। मोइजेस हेनरिक्स कुछ ओवर डाल सकता है। सीन एबोट गेंदबाज हरफनमौला है और डेनियल सैम्स भी।

पाकिस्तानी टीम का सातवां सदस्य कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी। वेलिंगटन

न्यूजीलैंड दौरे पर गई पाकिस्तानी क्रिकेट टीम का एक और सदस्य कोरोना पॉजिटिव हो गया है और उसे अपने बाकी छह साथियों के साथ पृथकवास में रहना होगा। पाकिस्तान की 53 सदस्यीय टीम के छह सदस्य मंगलवार को पॉजिटिव पाए गए थे, जब टीम पाकिस्तान से न्यूजीलैंड पहुंची थी। सातवां सदस्य शुक्रवार को पॉजिटिव पाया गया जब 14 दिन के अनिवार्य पृथकवास के दौरान खिलाड़ियों और अधिकारियों की फिर जांच की गई। न्यूजीलैंड के नियमों के अनुसार पृथकवास में तीसरे और 12वें दिन जांच की जाती है।

न्यूजीलैंड के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान क्रिकेट टीम का एक और सदस्य जांच के दौरान पॉजिटिव पाया गया है। छह सदस्य पहले ही से पॉजिटिव हैं। बाकी सभी के नतीजे नेगेटिव रहे हैं। पाकिस्तानी टीम को स्वास्थ्य प्रोटोकॉल तोड़ने के कारण पहले ही अंतिम चेतावनी मिल चुकी है। मंत्रालय ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि क्राइस्टचर्च के होटल में खिलाड़ी साथ में खाना खा रहे थे और लॉबी में साथ घूम रहे थे। खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन को पृथकवास के पहले तीन दिन होटल के अपने कमरों में ही रुकना था। न्यूजीलैंड के स्वास्थ्य महानिदेशक डॉक्टर एशले ब्लूमफील्ड ने कहा, अपने कमरों में रहने की बजाय से लोग होटल में घूमते, बातचीत करते और साथ में खाना खाते पाए गए। इनमें से किसी ने मास्क नहीं पहना था। अगर इसके बाद टीम स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का उल्लंघन करती है तो उसे न्यूजीलैंड से निष्कासित किया जा सकता है।

न्यूजीलैंड के नियमों के अनुसार पृथकवास में तीसरे और 12वें दिन जांच की जाती है

राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप जनवरी तक के लिए स्थगित

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ ने अगले महीने होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप कोरोना महामारी के कारण जनवरी 2021 तक स्थगित कर दी है। महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने बताया कि मौजूदा हालात को देखते हुए यह फैसला लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि हालात अभी भी ठीक नहीं है। ऐसे में राष्ट्रीय चैंपियनशिप कराना संभव नहीं होगा। हम अगले साल जनवरी के आखिर में इसके आयोजन की कोशिश करेंगे। इसके मायने हैं कि अगले साल दो राष्ट्रीय चैम्पियनशिप होंगी।

तोमर ने कहा कि हमने पहले भी ऐसा किया है जब हालात के कारण हमें ऐसा फैसला लेना पड़ा था। इस साल चैंपियनशिप 18 से 20 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश के गोंडा में होनी थी। तोमर ने कहा कि कोई और राज्य इसकी मेजबानी का इच्छुक हो तो स्थान बदला भी जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सर्बिया के बेलग्रेड में 12 से 18 दिसंबर तक होने वाले व्यक्तिगत विश्वकप के लिए वे भारतीय टीम भेजने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमने ट्रायल नहीं कराने का फैसला किया है और वे ही पहलवान इसमें जाएंगे, जो दिल्ली में फरवरी में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भाग लेंगे। बजरंग पूनिया (65 किलो), विनेश फोगाटा (53 किलो), जितेंदर कुमार (74 किलो) और सोमबीर राठी (92 किलो) ने बाहर रहने की अनुमति मांगी थी जो दे दी गई है। तोमर ने कहा कि बजरंग, विनेश और सोमबीर के वर्ग में कोई भाग नहीं लेगा। वहीं 74 किलो में नरसिंह यादव भारत की नुमाइंदगी करेंगे। इनके अलावा अंशु मलिक 57 किलो में और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक 65 किलो वर्ग में उतरेंगी।

बेयरस्टॉ ने पहले टी-20 में इंग्लैंड को दिलाई जीत

केपटाउन। जॉनी बेयरस्टॉ ने 48 गेंद में नाबाद 86 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को जीत दिलाई। दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 179 रन बनाए, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने चार गेंद बाकी रहते पांच विकेट पर 183 रन बनाए। बेयरस्टॉ ने एक चौका और एक छक्का लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका ने मैच पर दबदबा बनाए रखा था लेकिन बूरान हेंडरिक्स के डाले 17वें ओवर में बेयरस्टॉ और कप्तान इयोन मोर्गन ने 28 रन बना डाले। इसी ओवर से मैच का नक्शा बदल गया। इंग्लैंड को इस ओवर से पहले 24 गेंद में 51 रन चाहिए थे, लेकिन इसके बाद 18 गेंद में 23 रन की जरूरत थी। मोर्गन अगले ओवर में लुंगी एंगिडि की गेंद पर मिडविकेट में कैच दे बैठे।

चेन्नईयिन की निगाहें केरल ब्लास्टर्स को हराकर दूसरी जीत दर्ज करने पर

बेम्बोलिम (गोवा)। दो बार की चैंपियन चेन्नईयिन एफसी रविवार को यहां होने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मैच में केरल ब्लास्टर्स के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज करना चाहेगी। कोच कसाबा लाज्लो की टीम ने अनिरूद्ध थापा और इस्मा के गोल की बदौलत जमशेदपुर एफसी को हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत से की थी। चेन्नई की टीम इस लय को जारी रखना चाहेगी, जबकि केरल ब्लास्टर्स की उम्मीद अपनी पहली जीत हासिल करने की होगी।

पहले मैच में थापा चेन्नईयिन के स्टार थे और कोच फिर से उनसे उम्मीद लगाएंगे कि वे फिर से उन्हें शुरुआती बढ़त दिलाएं। पहले मैच में चेन्नई की टीम ने आक्रामक खेल दिखाया था और यह देखना होगा कि वे इस रणनीति पर जारी रखना चाहेंगे या नहीं। कोच लाज्लो हालांकि इस बात से वाकिफ हैं कि ब्लास्टर्स की टीम अपना खाता खोलने के लिए बेताब होगी, जिसे नार्थईस्ट यूनाईटेड एफसी के खिलाफ शुरुआती बढ़त हासिल करने के बावजूद हार मिली थी।

संक्षिप्त समाचार

बजरंग को अमेरिका में एक माह अभ्यास शिविर के लिए मंजूरी

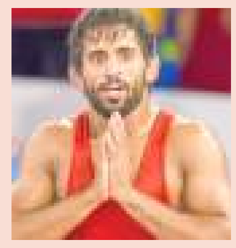

नई दिल्ली। मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ ने टोक्यो ओलंपिक में भारत की पदक उम्मीद पहलवान बजरंग पूनिया को अमेरिका में एक महीने के अभ्यास शिविर में भाग लेने की अनुमति दे दी है। एक विज्ञप्ति के अनुसार गुरुवार को मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ की बैठक में यह फैसला लिया गया। यह भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा गठित ईकाई है, जो टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में जगह पाने योग्य खिलाड़ियों का चयन करती है। यह शिविर चार दिसंबर से तीन जनवरी तक मिशिगन में चलेगा और इस पर 14 लाख रुपये खर्च आएगा। कोरोना महामारी के बीच अभ्यास बहाल होने के बाद से बजरंग सोनीपत के साइ सेंटर में अभ्यास कर रहे हैं। वह अपने कोच एमजारियोस बेंटिनिडिस और फिजियो धनंजय के साथ अमेरिका जाएंगे। उन्हें मुख्य कोच सर्जेइ बेलोग्लाजोव के मार्गदर्शन में शीर्ष पहलवानों के साथ अभ्यास का मौका मिलेगा। बजरंग टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

नेपाली क्रिकेटर संदीप लामिछाने कोरोना पॉजिटिव

होबार्ट। टी-20 क्रिकेट के जाने माने लेग स्पिनर नेपाल के संदीप लामिछाने बिग बैश लीग की शुरुआत से दो सप्ताह पहले कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं। लामिछाने को बीबीएल में होबार्ट हरीकेंस के लिए खेलना है। 20 वर्ष के लामिछाने इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स टीम में थे। उन्होंने ट्वीट किया, यह मेरा फर्ज है कि आप सभी को बता दूं कि मैं कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाया गया हूं। बुधवार से मेरे शरीर में दर्द था लेकिन अब बेहतर महसूस कर रहा हूं। सब कुछ ठीक रहा तो मैदान पर लौटूंगा। लामिछाने ने मेलबर्न स्टार्स के लिए बीबीएल में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन आगामी सत्र के लिए उन्होंने हरीकेंस के साथ करार किया था। वह आईपीएल से जुड़ने वाले नेपाल के पहले क्रिकेटर है, जिनके साथ 2018 में दिल्ली कैपिटल्स ने करार किया था। यूएई में इस महीने खत्म हुए आईपीएल के 13वें सत्र में हालांकि उन्होंने एक भी मैच नहीं खेला।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के चुनाव 18 दिसंबर को

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के कारण तीन महीने टल चुके भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के चुनाव 18 दिसंबर को होंगे। बीएफआई महासचिव जय कोवली ने कहा कि गुरुग्राम में होने वाली सालाना आम बैठक और चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया दो दिसंबर से शुरू होगी। कोवली ने कहा कि चुनाव सितंबर से पहले ही होने थे, लेकिन कोरोना महामारी के कारण तीन महीने के लिए टालने पड़े। अब हम एजीएम और चुनाव दोनों कराएंगे। महासंघ के अध्यक्ष स्पाइसजेट के मालिक अजय सिंह है। वह 2016 में अध्यक्ष बने थे। आगामी चुनाव में महाराष्ट्र के भाजपा नेता आशीष शेलार उन्हें चुनौती दे सकते हैं, लेकिन कोई आधिकारिक सूचना नहीं है। शेलार मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रह चुके हैं।

ओडिशा, जमशेदपुर की निगाहें अपनी पहली जीत दर्ज करने पर

वास्को। ओडिशा एफसी और जमशेदपुर एफसी का अभियान इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें चरण में निराशाजनक तरीके से शुरू हुआ और दोनों टीमें अब रविवार को एक दूसरे से होने वाली भिड़ंत में सत्र की पहली जीत दर्ज करने के लिए बेताब होंगी। ओडिशा एफसी को टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में हैदराबाद एफसी से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि ओवर्न कोएल की जमशेदपुर एफसी को चेन्नईयिन एफसी ने 2-1 से हरा दिया। दोनों ही टीमों के पास नया कोच है और नए खिलाड़ी हैं और पहले मैच में मिली हार के दोनों टीमें जानती हैं कि उन्हें हर हाल में खाता खोलना होगा, वर्ना इसका असर खिलाड़ियों के आत्मविश्वास पर पड़ता है, जिससे टीम पिछड़ती ही रहती है। ओडिशा को अपने रक्षात्मक मुद्दों का हल निकालना होगा, क्योंकि हैदराबाद के खिलाफ रक्षात्मक पंक्ति काफी ढीली लग रही थी। ओडिशा के कोच स्टुअर्ट बैक्सटर मानते हैं कि जमशेदपुर के नेरिजस वालस्किस और जैकीचंद सिंह के पिछले मैच के प्रदर्शन को देखते हुए टीम के डिफेंस को रविवार को सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा कि मैं डिफेंस में सुधार करना चाहूंगा लेकिन इसके साथ कुछ अन्य चीजों को भी देखना होगा। जमशेदपुर एफसी के कोच कोएल ने कहा, हम बेहतर तरीके से मैच शुरू करना चाहेंगे और इस पर नियंत्रण बनाने की कोशिश करेंगे। हमें तीन अंक जीतने की कोशिश करनी है क्योंकि तीन अंक आपको लीग में पांच या छह अंक ऊपर पहुंचा सकते हैं।

क्रिकेट विंडीज को दो सदस्यीय टीम मुआयना करने ढाका पहुंची

ढाका। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) की दो सदस्यीय टीम जनवरी में होने वाली श्रृंखला के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा किए गए कोविड-19 प्रबंधन इंतजामों का जायजा लेने शनिवार को यहां पहुंची। सीडब्ल्यूआई निदेशक डॉ. अक्षय मानसिंह और बोर्ड के सुरक्षा मैनेजर पॉल स्लोवविल बीसीबी के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल की योजना और स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का मुआयना करने पहुंचे, जिनके चटगांव जाने की भी उम्मीद है। दोनों तीन दिसंबर तक यहां रहेंगे। बीसीबी के क्रिकेट परिचालन चेयरमैन अकरम खान ने क्रिकबज से कहा कि वे जनवरी में होने वाले उनके निर्धारित दौरे से पहले हमारे कोविड-19 प्रबंधन योजना और सुरक्षा योजना को देखने के लिए यहां पहुंचे हैं। दोनों अधिकारियों का शनिवार को कोविड-19 परीक्षण कराने की संभावना है, जिसके बाद वे मंजूरी मिलने के बाद मुआयना शुरू करेंगे।

वेरस्टाप्पेन ने आखिरी अभ्यास सत्र में हैमिल्टन को हराया

साखिर (बहरीन)। रेडबुल के मैक्स वेरस्टाप्पेन ने फार्मूला वन चैंपियन लुईस हैमिल्टन को हराकर बहरीन ग्रां प्री के अंतिम अभ्यास सत्र में सबसे तेज समय निकाला। वह हैमिल्टन से .26 सेकेंड आगे रहे। मर्सीडीज के वाल्टेरी बोट्टास तीसरे स्थान पर रहे। हैमिल्टन शुक्रवार को दोनों अभ्यास रेस में सबसे आगे थे। उन्होंने अंतिम अभ्यास सत्र में भी दस मिनट बाकी रहने तक बढत बनाई हुई थी लेकिन आखिर में वेरस्टाप्पेन आगे निकल गए। हैमिल्टन ने हाल ही में माइकल शूमाकर के रिकार्ड की बराबरी करते हुए सातवां एफवन खिताब जीता है।

अब इंडोनेशिया, मिस्र आयोजित करेंगे ऑनलाइन निशानेबाजी प्रतियोगिताएं

एजेंसी। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन निशानेबाजी चैंपियनशिप की लोकप्रियता को देखते हुए इंडोनेशिया और मिस्र जैसे देश भी अब वर्चुअल प्रतियोगिताओं की मेजबानी को तैयार हैं। पूर्व भारतीय निशानेबाज शिमोन शरीफ अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन निशानेबाजी चैंपियनशिप (आईओएससी) के आयोजक थे, उन्हें इंडोनेशियाई निशानेबाजी संघ ने अपनी चैंपियन ऑफ चैंपियन्स प्रतियोगिता के लिए जोड़ा है, जो रविवार को प्रेसिडेंट ऑफ इंडोनेशिया ओपन टूर्नामेंट के अंतर्गत कराई जाएगी।

कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन के दौरान एक महीने तक चली ऑनलाइन निशानेबाजी लीग (ओएसएल) और आईओएससी के पांच चरण की सीरीज को वैश्विक निशानेबाजी समुदाय से काफी सराहना मिली थी और दुनिया भर से कई राष्ट्रीय महासंघों ने इसकी सफलता से प्रेरित होकर ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित करना शुरू किया। इंडोनेशिया के अलावा बांग्लादेश और सिंगापुर ने भी हाल में ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की और मिस्र अगले महीने के शुरू में एक प्रतियोगिता कराने की प्रक्रिया में है। आईएसएसएफ विश्वकप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके शरीफ ने कहा कि ओएसएल निशानेबाजों और हमारे खेल के शेयरधारकों में काफी लोकप्रिय बनती जा रही है। शीर्ष निशानेबाजी उपकरण निर्माता भी इसमें दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

शीर्ष निशानेबाजी उपकरण निर्माता भी दिखा रहे हैं दिलचस्पी

भारत को धोनी के कौशल और रवैये की कमी खल रही है: होल्डिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग का मानना है कि सितारों से सजे बल्लेबाजी क्रम के बावजूद भारतीय टीम को महेंद्र सिंह धोनी के कौशल और रवैए की कमी खल रही है, जो बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए काफी काम आते थे। आस्ट्रेलिया ने पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच में भारत को 66 रन से हराया। होल्डिंग ने यूट्यूब चैट शो होल्डिंग नथिंग बैक में कहा कि भारत के लिए लक्ष्य का पीछा करना कठिन था। भारत को महेंद्र सिंह धोनी की कमी खली।

उन्होंने कहा कि धोनी आम तौर पर बल्लेबाजी क्रम में निचले हाफ में उतरते हैं और लक्ष्य का पीछा करते हुए नियंत्रण बना लेते हैं। उनके टीम में रहते भारत ने अतीत में लक्ष्य का बखूबी पीछा किया है। उन्होंने कहा कि भारत के पास काफी प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं, जो स्ट्रोक्स खेलने में माहिर है। हार्दिक ने शानदार पारी खेली, लेकिन फिर भी भारत को धोनी जैसे खिलाड़ी की जरूरत थी। सिर्फ कौशल ही नहीं बल्कि रवैए के मामले में भी। होल्डिंग ने कहा कि भारतीय टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए धोनी के रहते आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहती थी। उन्होंने कहा कि वे टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण से नहीं डरते थे क्योंकि उन्हें पता था कि एम एस धोनी क्या कर सकता है और उनके बल्लेबाज कितने सक्षम हैं। उन्होंने कहा, लक्ष्य का पीछा करते समय धोनी कभी घबराते नहीं थे। उन्हें अपनी क्षमता का पता था और वे विचलित नहीं होते थे। जो भी साथ में बल्लेबाजी करता था, वह उससे बात करते रहते और उसकी मदद करते थे। भारत का बल्लेबाजी क्रम शानदार है, लेकिन लक्ष्य का पीछा करने में धोनी की बात ही अलग थी। होल्डिंग ने भारत के लचर क्षेत्ररक्षण की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि एससीजी बड़ा मैदान है, लेकिन भारतीयों की फील्डिंग बेहद औसत रही। गेंद क्षेत्ररक्षकों के सिर के ऊपर से निकल गई, लेकिन छक्का नहीं हुआ। सीमारेखा से इतना दूर नहीं रहना चाहिए था।

चौंका सकता है खगोल-विश्लेषण

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

एक दशक पहले, एक उत्तर पूर्वी राज्य राजनीतिक उथल-पुथल से गुजर रहा था। कैबिनेट के अनेक प्रमुख सदस्य पदस्थ मुख्यमंत्री की जगह लेने की होड़ में थे। वे सभी केंद्रीय नेतृत्व के साथ अपने दावे के पक्ष में, सांठगांठ कर रहे थे, लेकिन किसी रूप में, आम सहमति किसी एक के पक्ष में नहीं बन रही थी। यह खींचतना तत्कालीन मुख्यमंत्री को बचने में सहायता कर रही थी। उसी दौरान, किसी ने एक चुनौतीकर्ता को अपनी संभावनाओं को मद्देनजर मुझसे सलाह मांगने की सलाह दी।

उक्त व्यक्ति ने शुरुआती मंच 2007 में मुझसे संपर्क किया, लेकिन वह अपनी जन्म संबंधी जानकारियों को सटीक रूप में नहीं जानता था। इसलिए जब उसने मुझसे संपर्क किया, तो घंटा अनुसार तालिका बनाई गई। अपनी जानकारी के आधार पर मैंने अपनी राय व्यक्त की: 'वैसे सत्ता परिवर्तन के आसार हैं। आप, यद्यपि कुछ समय बाद उस पद पर काबिज होने की क्षमता रखते हैं, लेकिन मौजूदा समय में आपके पास संभावना नहीं है। लेकिन बाद में तय है कि चार सालों के बाद उच्च पद पा सकते हैं। फिलहाल, आप किंगमेकर का काम करेंगे। बेहतर है किसी और के इर्दगिर्द ध्यान दें।' उस नेता के साथ आया व्यक्ति एक ज्योतिष था। उसने पूछा कि इसका आधार क्या है।

लग्न उपस्वामी वीनस, दसवां स्वामी, जो 11वां उपस्वामी भी माना जाता है, हालांकि कमजोर अवस्था में है, लेकिन वह आठवें घर में है। वीनस बुध के नक्षत्र में काबिज है, 11वां स्वामी छठें घर में तत्कालिक तौर पर तथा परावर्तन स्थिति में है। लग्न उपस्वामी का इस कारण 11वें, 10वें और छठें घर का मजबूती से परिचायक होना दर्शाया है कि उसमें उच्च पद पर आसीन होने की क्षमता थी। सबसे ज्यादा, चूंकि चौथे घर से उदार बृहस्पति ने दसवें घर और दसवें स्वामी तक अपना विस्तार किया है। हालांकि, तथ्य है कि बुध, वीनस का नक्षत्र ग्रह, परावर्तन भाव में था, जिसने दर्शाया कि इसने तत्कालिक तौर पर उनकी इच्छाओं की पूर्ति का वचन नहीं दिया। सत्ताधारी व्यक्ति के लिए स्वाभाविक कारक, सूर्य राहु और यूरेनस के साथ बृहस्पति के समानांतर, समन्वय में था। इसने दर्शाया कि सत्ताधारी व्यक्ति ने केंद्रीय नेतृत्व का समर्थन खो दिया था। साथ ही, सत्ता (राहु का सूर्य पर ग्रहण) से उनकी बेदखली अवश्यंभावी थी। कुछ दिन बाद मेरे सामने एक और चुनौतीकर्ता ने मुझसे संपर्क किया। उसके मामले में भी घंटा आधारित कुंडली ने वही बात कही। इस मामले में, कर्क राशि उभर रही थी। शनि,

वीनस बुध के नक्षत्र में काबिज है, 11वां स्वामी छठें घर में तत्कालिक तौर पर तथा परावर्तन स्थिति में है। लग्न उपस्वामी का इस कारण 11वें, 10वें और छठें घर का मजबूती से परिचायक होना दर्शाया है कि उसमें उच्च पद पर आसीन होने की क्षमता थी।

सातवां और आठवां घर, लग्न पर काबिज था, जो उसके हित के लिए हानिकारक था। लग्न उपस्वामी पुन: वीनस, छठें तथा नौंवे स्वामी बृहस्पति के रूख के कारण पुन: उत्कर्ष भाव में था। लेकिन वीनस परावर्तन गति में तीसरे व बारहवें स्वामी, बुध के नक्षत्र पर काबिज था। इस मामले में भी सूर्य बृहस्पति के समानांतर तथा यूरेनस और राहु के साथ समन्वय भाव में था। इसलिए एक बार फिर, मेरा मानना था कि सत्ता परिवर्तन होगा, लेकिन उनके पास इस समय मौका नहीं है। वह किंगमेकर का काम कर सकते थे।

मार्च अंत में वो व्यक्ति आया जो अंतत: सत्तासीन मुख्यमंत्री को सत्ता से हटाने में कामयाब हुआ और उच्च कार्यालय पर काबिज हुआ। सत्ताधारी ग्रह की पड़ताल ने बताया कि चंद्रमा सिर के ऊपर था, जो संकेत करता है कि प्रश्नकर्ता जल्द ही आम सुर्खियों में आ जाएगा। तीव्र गतिमान ग्रह होन के कारण, परिणाम को बहुत तेजी से आना पड़ा। लेकिन चंद्रमा के समन्वय में होने से, शनि आड़े आ गया। इसलिए इसे रास्ते में बाधा पैदा करनी पड़ी। लेकिन फिर आज्ञाकारी बृहस्पति, और साथ ही विपत्ति पर सफलता का परिचायक छठा स्वामी, ने इच्छा की पूर्ति की दिशा में अपने त्रिपक्ष के साथ शनि के कोप को कमजोर कर दिया। वीनस, लग्नस्वामी और संयोगवश लग्नउपस्वामी भी, लग्न की ओर रूख किया, जिसने उक्त व्यक्ति को क्षमता प्रदान की। वीनस ने राहु पक्ष कब्जा जमा लिया, जो दूसरे घर में स्थित बृहस्पति के नक्षत्र में अस्थायी तौर पर मौजूद था। इसने छठें घर में स्थित में सूर्य पर, साथ ही साथ दसवें घर में अस्थायी वासी चंद्रमा व शनि की ओर अपना त्रिपक्ष विस्तारित किया। 11वां उपस्वामी, बृहस्पति बुध के नक्षत्र पर काबिज प्रत्यक्ष भाव में था, जो पुन: प्रत्यक्ष भाव में था। इसलिए, इच्छाओं की पूर्ति सुनिश्चित हुई। बुध, जो जिम्मेदारी के पद का परिचायक दसवां उपस्वामी माना जाता है, पुन: एक तीव्र गतिमान ग्रह है, और इसलिए परिणाम को सामने आना पड़ा। सूर्य मेष राशि में 13 डिग्री और 45 मिनट पर था। अगले 12 दिनों में, सूर्य अगली 12 डिग्री की ओर बढ़ेगा जब बृहस्पति ठीक इसके त्रिपक्ष में होगा। इसलिए मैंने भविष्यवाणी की कि वह अगले 12 से 15 दिनों में मुख्यमंत्री बन सकता है। असलियत में, ठीक 12 दिनों के बाद, उसने बतौर मुख्यमंत्री शपथ ली थी। अंत में, एक तर्कपूर्ण ज्योतिष भविष्यवाणी चौंका सकती है।

किसान आंदोलन की आड़ में राजनीति चमकाते कांग्रेसी नेता

सुभाष शर्मा
(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

मंथन

दस वर्षों तक प्रदेश में लगातार शासन करने वाली कांग्रेस की हुड्डा सरकार अपने कार्यकाल में न तो एसवाईएल नहर का पानी हरियाणा में ला पाई और न ही स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने का प्रयास किया। जब अब केंद्र की मोदी सरकार ने तीन कृषि कानून लागू कर दिए है, तो कांग्रेसी नेता पंजाब के आंदोलनरत किसानों की मदद करने का छाती ठोंक कर ऐलान कर रहे हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने तो बकायदा पानीपत में किसान नेताओं से मुलाकात कर उन्हें राहुल और सोनिया गांधी की तरफ से भरपूर समर्थन देने का न केवल भरोसा दिलाया, बल्कि यहां तक कह दिया कि कि जिस दिन केंद्र में कांग्रेस का शासन आएगा। इन काले कानूनों को फाड़कर फेंक दिया जाएगा। इसी प्रकार कुमारी सैलजा, भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दिग्गज कांग्रेसी नेता पंजाब के किसानों से कंधा से कंधा मिलाकर उनकी मदद का वायदा कर रहे है, लेकिन उनका समर्थन करते हुए ये कांग्रेसी ये बात शायद भूल गए कि ये वहीं पंजाब के किसान है, जिन्होंने एसवाईएल नहर के मामले में हरियाणा के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट में फैसला आने पर नहर को कसीओं से पाटने का काम किया था। इतना ही नहीं ये कांग्रेसी ये भी बार-बार भूल जाते है कि पंजाब में इस वक्त भी कांग्रेस की कैप्टन सरकार है, जिसने बकायदा विधानसभा में कानून पास कर एसवाईएल की जमीन किसानों को वापिस देने का काम किया था, ताकि नहर की खुदाई कभी भी न हो सके। हैरानी की बात यह है कि प्रदेश के जो कांग्रेसी नेता इस वक्त पंजाब के किसानों के पक्ष में बयान दे रहे है, उनके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंगर लगवा रहे है, उन्हें हरियाणा के किसानों की जरा भी चिंता नहीं है क्योंकि इस वक्त जो आंदोलन किसान चला रहे है, इसकी शुरुआत पंजाब से हुई है। पंजाब में वामपंथियों सहित किसानों के कई जत्थे बंदिया है।

दस वर्षों तक प्रदेश में लगातार शासन करने वाली कांग्रेस की हुड्डा सरकार अपने कार्यकाल में न तो एसवाईएल नहर का पानी हरियाणा में ला पाई और न ही स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने का प्रयास किया। जब अब केंद्र की मोदी सरकार ने तीन कृषि कानून लागू कर दिए हैं, तो कांग्रेसी नेता पंजाब के आंदोलनरत किसानों की मदद करने का छाती ठोंक कर ऐलान कर रहे हैं।

अकाली दल भी इस वक्त एनडीए से अलग हो चुका है इसलिए वो भी फिलहाल केंद्र सरकार के खिलाफ है क्योंकि राजनीति के लिए पंजाब की धरती सबको चाहिए और पंजाब में राज करना है, तो किसानों को साथ लेकर चलना ही होगा। हैरानी की बात इस आंदोलन में ये है कि अभी ये पता नहीं चल पा रहा है कि इस आंदोलन के नेता कौन है, कुछ एक नाम जरूर इस वक्त चर्चा में है, जो बार-बार मीडिया के समक्ष आकर बयानबाजी कर रहे है, इन्हीं कथित किसान नेताओं से कांग्रेसी नेता भी मिल रहे है और आम आदमी पार्टी के नेता भी उनके पक्ष में दिखाई दे रहे है, क्योंकि पंजाब की राजनीति में आम आदमी पार्टी का भी अच्छा खासा दखल है। भाजपा से अलग होने के बाद अकाली दल पंजाब के शहरी क्षेत्रों में कमजोर पड़ गया है। शहरों में उसे अपने संगठन को फिर से मजबूत करना पड़ रहा है इसीलिए मजबूरी में वो किसानों के हित की बात कर रहे है। कल तक तो यही अकाली एनडीए का ही हिस्सा थे। भाजपा भी पंजाब में अपने बल पर सत्ता में आने का सपना देख रही है, जिस प्रकार हरियाणा में भाजपा का सत्ता में आने का सपना पूरा हो गया है। अब इसे पंजाब में दोहाराना चाहते है इसलिए भाजपा कृषि कानूनों को किसानों के हित में बता रही है, लेकिन अभी तक भाजपा नेता किसानों को इसके फायदे समझाने में शासन सफल नहीं हो पा रही है। कुल मिलाकर किसानों का यह आंदोलन पंजाब की राजनीति को फिर से कब्जाने के लिए सभी पार्टियों के लिए प्लेटफार्म बन गया है। सभी अपने-अपने स्तर पर किसानों के हितैषी होने का दावा कर रहे रहै। अब देखना यह है कि कौन सी पार्टी किसानों को साधने में सफल हो पाती है।

जीवन का गणित

व्यंग्य

नौ के पहाड़े में जब नौ तियां कितना होता है, बता नहीं सका, तभी मेरे भविष्य का फैसला हो चुका था। जो नौ का पहाड़ा नहीं बता सकता वह आगे का पहाड़ा समझे न समझे खुद को पहाड़ अवश्य समझेगा। अंक गणित और बीज गणित दोनों नाम से तो मानो मुझको जुड़वा भाई लगते हैं। एक-सी शक्ल और एक-सी करतूत। स्वप्न में कई बार आर्किमिडिज, पैथागारस की पीठ पर चढ़कर कुछ सूत्रों को छूने की कोशिश की। कोशिश क्या खुद को बेइज्जत करवाने की भरपूर चेष्टा की। दोनों स्वप्न में मुझे देखकर पिंड छुड़ाकर भागते दिखाई दिए। समय और दूरी के बीच के सूत्र में जब सिर नहीं खपा सका तो एक दिन 10 बटा 2 ने मुझे चुल्लू भर पानी में डूबकर मर जाने की सलाह दी। मैं मरता भी कैसे? मेरे जैसे बेशर्म इंसान बहुत कम पैदा होते हैं।

चूँकि मैं बड़ा हो चुका हूं, तो मुझे लगा कि अब कभी गणित की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मैंने पाठशाला के समय ही गणित की तेरहवीं और श्राद्ध दोनों कर दी। मैंने उससे हाय-तौबा कर ली और उसने मुझसे। वह अपने घर खुश, मैं अपने घर। वह अपनी कठिनता का जब इतना एटिट्युड दिखाता है, तो मैं क्या कुछ कम हूं। मेरा एटिट्युड बार-बार बेशर्म करने वाले के पीछे जाने से रोकता है। लेकिन यह गुमान ज्यादा देर न टिक सका। सच तो यह है कि हम चाहकर भी गणित से पीछा नहीं छुड़ा सकते। उसने जीवन के वर्तमान को अंकों में बदलकर उसे हमारी उपलब्धियों से भाग दे दिया। जो बचा शेष उसे ही जिंदगी करार दिया। जमाना जिस दौर से गुजर रहा है वहां मृत्यु के मूलधन पर ब्याज चढ़ता ही जा रहा है। इसका मूलधन तो दूर ब्याज चुकाने में हमारी हालत सवा सेर गेहूं जैसी हो गई है। धरती के कुल योग से जंगल, पहाड़, नदियां, समुंदर का व्यकलन होता जा रहा है। जो शेष बचा वह ऋणात्मक बनकर रह गया है।

अब अंकों से मृत्यु की गंध आ रही है। मात्र एक अदृश्य रूपातीत रूपिणी कब दहाई से सैकड़ा, सैकड़े से हजार और हजार से लाख, करोड़ बन गई, पता ही नहीं चला। जिंदगी का गणित एक ऐसा विषय है, जहां गलती होने पर हम स्वयं को न कोसकर भाग्य को कोसते हैं। इससे जीवन का गणित संतुलित बना रहता है। परीक्षा के समय दो खंभों के बीच ट्रेन की स्पीड कितनी है, जैसे प्रश्न अक्सर पूछे जाते थे। अब प्रश्न को कोई क्या बताए कि मेरी दो गिरती उम्मीदों के बीच आत्मविश्वास की स्पीड कितनी है। मैं तो बहुविकल्पीय उत्तर वाले प्रश्नों का आदी हो चुका हूं। हर बार एक नए विकल्प के साथ जीवन प्रश्न के बहुविकल्पीय उत्तर चुन लेता हूं। इससे कभी निराशा तो कभी प्रसन्नता हाथ लगती है। चलिए अच्छा है, कभी-कभी प्रसन्नता हाथ तो लगती है! वरना दुनिया में ऐसे कई हैं जो जीवन को रिक्त स्थान की तरह जिए जा रहे हैं और हर बार त्रुटिपूर्ण उत्तर भरकर जीवन के हाथों दुर्भाग्य का तमाचा खाते जा रहे हैं। दिन की शुरुआत में घड़ी देखने के लिए गणित जरूरी है। गणित से लाख पिंड छुड़ाना चाहता हूं छुड़ा ही नहीं पाता हूं। चाय पीने का मन करता है तो शक्कर, दूध, पानी का अनुपात वाला गणित आना चाहिए। बाजार से कुछ खरीदारी करना हो तो गणित आना चाहिए। सांप-सीढ़ी, अष्टचम्मा, लूडो, चेस, क्रिकेट, कबड्डी, हॉकी खेलना हो तो गणित आना चाहिए। गोल रोटी चाहिए तो गणित, तिकोना समोसा चाहिए तो गणित! खुद का क्षेत्रफल समझना हो तो गणित, कटोरी में दाल भरना हो तो उसके घेरे का गणित आना चाहिए। बाप रे! जहां देखो वहां सिर्फ एक ही चीज है, गणित! गणित! गणित!

-डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'